आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — कांग्रेस के चार सांसदों ने पीएम मोदी को...
4 रविवारीय — कोरोना के समय में शरीर की प्रतिरोधक...
9 मनोरंजन/खेल — छोटे पर्दे पर डेब्यू करेंगी ईशा देओल...
11 व्यापार — 100 लोग को एक साथ असीमित फ्री...

www.navpradesh.com
रायपुर, रविवार 5 जुलाई 2020, आषाण पूर्णिमा, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-145 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

चीन अब चुहे की तरह ची-ची करेगा। इसके अलावा वह और कुछ कर ही नहीं सकता। भारत ने अपनी ताकत दिखाकर उसके सारे कस बल निकाल दिए है। पीएम मोदी के लद्दाख दौरे से शी जिन पिंग की पुंगी बज गई है। चीन को जो कड़ी चेतावनी मिलनी थी वह मिल गई है। इसके बाद भी अगर वह भारत की तरफ मिचमिची आंख उठाएगा तो खता खाएगा। हिमालय की चोटी से हुई सिंह गर्जना से चीन ही नहीं पाकिस्तान भी दहल गया है। डरपोक चीन और कायर पाकिस्तान समझ लें कि नए भारत से टकराओगे तो चूर-चूर हो जाओगे।

गोधन न्याय योजना : कृषि मंत्री चौबे की अध्यक्षता वाली मंत्रिमण्डलीय उपसमिति ने की अनुशंसा

डेढ़ रुपया किलो की दर से गोबर खरीद सकती है सरकार

कैबिनेट की बैठक में होगा गोबर की दर का अंतिम निर्णय

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। गोधन न्याय योजना के तहत किसानों और पशुपालकों से डेढ़ रूपए की किलो की दर से गोबर की खरीदी किए जाने की अनुशंसा कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे की अध्यक्षता में गठित मंत्रिमण्डलीय उप समिति ने की है। मंत्रिमण्डलीय उप समिति की बैठक आज यहां बीज भवन में आयोजित हुई। बैठक में वन मंत्री मोहम्मद अकबर, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया शामिल हुए। छत्तीसगढ़ राज्य में गोधन के संरक्षण एवं सवंर्धन, वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मार्केटिंग की दिक्कत नहीं : चौबे

मंत्रिमण्डलीय उपसमिति ने गौठानों के प्रबंधन, पशुधन के लिए चारे की व्यवस्था, शहरी इलाकों में गौठानों के निर्माण के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट की आवश्यकता किसानों के साथ-साथ उद्यानिकी, वन विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग को बड़े पैमाने पर होती है। गोधन न्याय योजना के तहत तैयार वर्मी कम्पोस्ट के मार्केटिंग की दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि गौठानों में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट प्राथमिकता से उस गांव के कृषकों को निर्धारित मूल्य पर प्रदाय की जाएगी।

राजीव भवन में आयोजित कांग्रेस की अहम बैठक के बाद बोले सीएम

निगम मंडलों में नियुक्तियां जल्द स्थिति ठीक होते ही शिक्षक भर्ती

■ जिलों में पार्टी कार्यालय निर्माण को लेकर जिला व शहर अध्यक्षों की बुलाई गई थी बैठक

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश के निगम मंडलों में नियुक्तियां जल्द ही हो जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि निगम मंडलों की नियुक्तियों को लेकर जो बैठके हुई उसकी बात को आलाकमान तक पहुंचा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने शिक्षकभर्ती को लेकर कहा कि कोरोना से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों के ठीक होते ही शिक्षक भर्ती व शिक्षाकर्मियों के संविलियन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। विलंब जरूरी हुआ है लेकिन उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ये बातें शनिवार को राजीव भवन में कांग्रेस की अहम बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। कांग्रेस के जिला व शहर अध्यक्षों की अहम बैठक में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होगी संसदीय सचिवों की नियुक्ति

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेश में संसदीय सचिवों की नियुक्ति को लेकर अपनी बात रखी। कहा कि संसदीय सचिवों की नियुक्ति हाईकोर्ट के दिशा निर्देशों के तहत होगी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह पर भी निशाना साधा। कहा कि डॉ. रमन ने हर वर्ग को ठगने का काम किया है।

हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे का किलेनुमा घर जमींदोज

■ घर में पटरे सं ढंका बंकर भी मिला

कानपुर/(वार्ता)। उत्तर प्रदेश में कानपुर के चौबेपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या करने वाले हिस्ट्रीशीटर के मकान को पुलिस प्रशासन ने नेस्तानाबूद कर दिया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि दुस्साहिक वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे और उसके साथियों की तलाश के लिये 50 से अधिक पुलिस टीमों को लगाया गया है। मकान की तलाशी के दौरान पुलिस को देर रात एक तलघर मिला है। बंकरनुमा तलघर को लकड़ी के पटरे से ढका हुआ था। पुलिस बंकर का सिरा तलाशने के लिए अब मकान को ढहाया जा रहा है। जेसीबी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रायगढ़ : कैशवैन लूटने वाले दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी

■ भूपदेवपुर थानांतर्गत गांव से हुई गिरफ्तारी
■ दोनों आरोपी मुलत: बिहार के रहने वाले
■ मुख्य आरोपी ने बिहार से हथियारों समेत साथियों को बुलाया था

नव प्रदेश संवाददाता

रायगढ़। रायगढ़ में कैश वैन लूट मामले के दो आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। भूपदेवपुर थाना अंतर्गत गांव में इनकी गिरफ्तारी हुई है। आरोपियों के नाम सुधीर कुमार सिंह (23) वर्ष पिता झुलन राय एवं पिंटू वर्मा (18) है। ये मूल रूप से बिहार के खम्हौरी के निवासी हैं। बता दें कि शुक्रवार को रायगढ़ के करोड़ीमल नगर आजाद चौक स्थित एसबीआई के एटीएम मे पैसा डालने आई वैन के चालक एवं गार्ड को गोली मारकर दो बदमाशों ने 14 लाख 50 हजार की लूट को अंजाम दिया था। इस मामले में शनिवार को रायगढ़ पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए बिलासपुर रेंज के आईजी दिपांशु काबरा और एसपी रायगढ़ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अच्छी खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 304.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक 1 जून से अब तक 304.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में शनिवार सुबह रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार सरगुजा में 5.2 मिमी, बलरामपुर में 10.9 मिमी, जशपुर में 16.8 मिमी, कोरिया में 1.9 मिमी, रायपुर में 14.5 मिमी, बलौदाबाजार में 6.7 मिमी, गरियाबंद में 7.2 मिमी, महासमुन्द में 7.9 मिमी, धमतरी में 17.1 मिमी, बिलासपुर में 6.6 मिमी, मुंगेली में 16.7 मिमी, रायगढ़ में 1.8 मिमी, जांजगीर-चांपा में 15.1 मिमी और दुर्ग में 18.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। इसी प्रकार कबीरधाम में 13.4 मिमी, राजनांदगांव में 9.4 मिमी, बालोद में 21.3 मिमी, बस्तर में 22.9 मिमी, कोण्डागांव में 21.5 मिमी, कांकेर में 7.3 मिमी, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	672,644	19,279
अमेरिका	2,892,476	132,196
ब्राजील	1,550,176	63,409
ब्रिटेन	284,900	44,198
इटली	241,419	34,854
फ्रांस	166,960	29,893
मैक्सिको	245,251	29,843
स्पेन	297,625	28,385
ईरान	237,878	11,408
रूस	674,515	10,027

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 36021.42
निफ्टी- 10607.35
गोल्ड- 48050 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 49211 (1 कि ग्रा.)

रिपोर्ट । कोरोना को लेकर डब्ल्यूएचओ की नई टाइम लाइन से खुली चीन की पोल

चीन ने दिसंबर में कोरोना के बारे में नहीं बताया

जिनेवा/ए.। कोरोना वायरस को लेकर चीन के प्रति अपने रुख को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओलाचना होती रही है। अब उसी डब्ल्यूएचओ ने चीन को लेकर बड़ा यू टर्न लेते हुए उसकी पोल खोल दी है और चीन की सच्चाई को सबके सामने उजागर किया है। डब्ल्यूएचओ की ओर से पहले कहा गया था कि चीन ने उसे पिछले साल दिसंबर में ही कोरोना के बारे में सूचित कर दिया था, लेकिन अब उसने यू-टर्न ले लिए है। डब्ल्यूएचओ ने कोरोना को लेकर जो नई टाइमलाइन बनाई है,

उसमें इसका कोई जिक्र नहीं है कि चीन ने उसे कोरोना के बारे में दिसंबर में बताया था। डब्ल्यूएचओ की इस टाइमलाइन से उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इससे अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों के उस आरोप को बल मिलता है कि वैश्विक संस्था ने कोरोना के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मीडिया रिपोर्ट में यू टर्न का कुछ ऐसे जिक्र

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चुपचाप उन घटनाक्रम को बदल दिया है, जिसके चलते पूरी दुनिया को कोरोना महामारी का सामना करना पड़ा। लगभग छह महीने पहले डब्ल्यूएचओ ने दावा किया था चीन ने 31 दिसंबर, 2019 को उसे कोरोना वायरस के बारे में सूचित किया था। उसकी तरफ से कहा गया था कि वुहान नगरपालिका स्वास्थ्य आयोग ने वुहान में निमोनिया के मामलों की रिपोर्ट की और अंत में कोरोनावायरस की पहचान की गई। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट रूप से कहा था कि इस वायरस की पहचान 31 दिसंबर को हुई थी और चीन ने उसे इस बारे में सूचित किया था।

मोदी बताएं क्या चीन का भारतीय जमीन पर कब्जा नहीं है : कांग्रेस

सिब्बल बोले- भाजपा के ही पार्षद कह रहे चीन ने किया कब्जा

नई दिल्ली/(वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि चीन ने गलवान घाटी में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर रखी है और देश के सामरिक दृष्टि से कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उसके सैनिक तैनात है इसलिए अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि क्या चीन ने भारतीय जमीन पर कब्जा नहीं किया है। कांग्रेस प्रवक्त कपिल सिब्बल ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लद्दाख क्षेत्र के कई लोग कहते हैं कि चीनी सेना ने भारतीय क्षेत्र में कब्जा कर रखा है। खुद भारतीय जनता पार्टी के पार्षद कहते हैं कि चीन के लोगों ने भारत के कई हिस्सों में अपना सैन्य साजो सामान सजा रखा है और उसके सैनिक पूरी सैन्य तैयारी के साथ भारतीय जमीन पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि गलवान घाटी में 18 किमी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लद्दाख के लोगों की चेतावनी नजरअंदाज करना पड़ेगा भारी : राहुल गांधी

नई दिल्ली/(वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि लद्दाख के देशभक्त लोग चीनी सैनिकों की घुसपैठ को लेकर बराबर सचेत कर रहे हैं और उनकी चेतावनी को नजरअंदाज करना देश को महंगा पड़ेगा। गांधी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा- लदाख के लोग चीनी घुसपैठियों के खिलाफलगातार आवाज़ उठा रहे है। इस बारे में चीत्कार कर वे चेतावनी दे रहे हैं। गांधी ने कहा कि सरकार को उनकी आवाज सुननी चाहिए और उस पर गौर करना चाहिए। उन्होंने कहा उनकी बात को नज़रअंदाज़ करना महंगा पड़ेगा। भारत की सुरक्षा के लिए कृपया उनकी बात सुन लीजिए।

कांग्रेस अध्यक्ष की चिट्ठी पर अमल करे केंद्र : प्रियंका

■ मेडिकल की प्रवेश परीक्षा में ओबीसी आरक्षण का मामला

नई दिल्ली/(वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मेडिकल की प्रवेश परीक्षा में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की व्यवस्था लागू नहीं करने को इस वर्ग के युवाओं के साथ अन्याय बताया। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पत्र पर विचार करना चाहिए। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पीएम मोदी ने युवाओं से किया देसी ऐप बनाने का आह्वान

नई दिल्ली/(वार्ता)। चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव और चीन की 59 मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगाये जाने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं और स्ट्राट अप कंपनियों का स्वदेशी मोबाइल ऐप बनाने का आह्वान किया है। मोदी ने शनिवार के यहां 'आत्मनिर्भर भारत ऐप नवाचार चुनौती की' शुरूआत करने के बाद ट्विट किया- यह चुनौती आपके लिए है, यदि आपके पास ऐसा उत्पाद है या आपको ऐसा लगता है कि आपके पास इस तरह के उत्पाद को बनाने का विजन और विशेषज्ञता है तो मैं प्रौद्योगिकी से जुड़े अपने सभी मित्रों से इसमें हिस्सा लेने का

आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि आज प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप से जुड़े लोगों में विश्व स्तरीय मेड इन इंडिया ऐप बनाने को लेकर बहुत अधिक उत्साह है । उनके विचारों और उत्पाद को आगे बढाने के लिए सरकार ने आत्मनिर्भर भारत ऐप नवाचार चुनौती पेश की है। उल्लेखनीय है कि सीमा पर चीन के साथ चल रही तनातनी के बीच भारत ने चीन की 59 मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया है।

घायल जवानों से सेना के अस्पताल परिसर में ही मिले पीएम : सेना

नई दिल्ली/(वार्ता)। प्रधानमंत्री के शुक्रवार को लद्दाख दौरे के दौरान सेना के घायल जवानों से मिलने की जगह को लेकर सवाल उठाये जाने के बाद सेना ने सफाई दी है और कहा है कि जिस जगह पर जवानों को रखा गया है वह जनरल अस्पताल के विस्तारित परिसर का हिस्सा है लेकिन इसे कोरोना महामारी के चलते अलग रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अचानक लद्दाख दौरे पर जाकर चीनी सैनिकों के साथ गत 15 जून को गलवान घाटी में झड़प के दौरान घायल हुए सेना के जवानों से सेना के जनरल अस्पताल में मुलाकात की थी। इन जवानों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार इसके बाद सोशल मीडिया में कहा गया कि जिस जगह पर मोदी ने जवानों से मुलाकात की वह अस्पताल का हिस्सा नहीं था और जवानों को वहां केवल इस मुलाकात के लिए रखा गया था। सेना ने इस पर शनिवार को बयान जारी कर उक्त बात कही।

गरमा-गरम

हृदय परिवर्तन › क्वारंटाइन अवधि में अपने प्रति पुलिस का सेवा भाव देख कर दिया समर्पण

महिला नक्सली अब कोरोना निगेटिव, पॉजिटिव हुआ हार्ट

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर। जिले में एक मामले में कोरोना अच्छा साबित हुआ है। इसके चलते एक महिला नक्सली का हृदय परिवर्तित हो गया। उसने पुलिस के समक्ष समर्पण कर दिया। दरअसल महिला नक्सली सुमित्रा चेपा पिता सिन्ना चेपा की स्वास्थ्य जांच में उसकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। क्वारंटाइन में इलाज के दौरान उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई। और इसी अवधि में पुलिस का सेवा भाव देखकर उसका हृदय परिवर्तित हो गया। बटालियन के कंपनी नंबर 1 के प्लाटून नंबर 3 की सेक्शन सदस्या सुमित्रा को 17 जून को बीजापुर के थाना मोदकपाल क्षेत्रान्तर्गत पुलिस एवं 170वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को ग्राम पेद्दाकवाली में संदेही परिस्थिति में पाया था। जिसके बाद उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे क्वारंटाइन में रखा गया था। इस दौरान हुए इलाज से दोबारा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पूछताछ में ये बताया समर्पित नक्सली ने

पूछताछ में सुमित्रा ने उसने बताया कि वर्ष 2015 से लगातार तबियत खराब होने के बावजूद वह नक्सल बटालियन के कम्पनी नम्बर 1 के सदस्या के रूप में सक्रिय रही। उसका पति हुंगा मड़काम (36) निवासी दरभा थाना जगरगुड़ा जिला सुकमा भी बटालियन के कंपनी नम्बर 01 में सेक्शन डिप्टी कमांडर के पद पर सक्रिय है। बार-बार सर्दी, खांसी व बुखार की शिकायत होने पर उसे बटालियन इंचार्ज हिड़मा द्वारा संगठन में अपने साथ रखना उचित नहीं समझकर 12 जून 2020 ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जयपुर हवाईअड्डे पर यात्रियों से 32 किलो सोना बरामद

कीमत 15 करोड़ से ज्यादा

जयपुर/(वार्ता)। राजस्थान में जयपुर के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब से दो चार्टर उड़ानों से आये 14 भारतीय यात्रियों से 32 किलो सोना बरामद किया गया है। सीमा शुल्क विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि ये यात्री कल जयपुर के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे जिन्हें सीमा शुल्क दल द्वारा रोका गया। इन यात्रियों के पास से उनके सामान में छुपाया गया 15 करोड़, 67 लाख, 59 हजार 820 रुपये मूल्य का 31.9918 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। सूत्रों ने बताया कि इन 14 यात्रियों में से तीन यात्री स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी-9055 से यूएई से आए थे। उनके पास से चार करोड़, 57 लाख 61 हजार 100 रुपये मूल्य की 9.339 किलोग्राम वजन की 12 सोने की सलाखें और ईंटें बरामद की गयीं।

कुछ का मानना था कि पूर्वी भारत में कोरोना ज्यादा फैलेगा, आपने इसे गलत साबित किया

■ बिहार के लोगों से बात करते हुए पीएम मोदी बोले-

पटना ए.। 'सेवा ही संगठन' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार के बीजेपी कार्यकर्ता और साथी अभिनंद के पात्र हैं। बाकी लोग कहते थे कि पूर्वी भारत में ज्यादा गरीबी है, वहां कोरोना ज्यादा फैलेगा, लेकिन आपलोगों ने सबको गलत साबित कर दिया। पीएम मोदी ने बिहार बीजेपी के कार्यकर्ताओं से कहा कि मैं देख रहा हूं कि यूपी और बिहार जैसे राज्यों के लिए काफी चुनौती है। आपलोगों ने वापस आए श्रमिकों के कल्याण करने का बीड़ा उठाया है। संकट की घड़ी में आगे भी ऐसे ही जी-जान से लगे रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बीजेपी के तमाम कार्यकर्ताओं के साथ डिजिटल समीक्षा बैठक कर रहे हैं। यह समीक्षा बैठक कोरोना काल में बीजेपी वर्कर द्वारा किए गए कार्यों के साथ आने वाले समय में किस तरह कोरोना की लड़ाई लड़नी है, इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए। पीएम मोदी ने कहा कि आगे भी इसी तरह लोगों की मदद करते रहें। बिहार

प्रदेश बीजेपी कार्यालय में प्रधानमंत्री की डिजिटल समीक्षा बैठक में डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी, बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर संजय

जयसवाल, बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री और बिहार प्रभारी भूपेंद्र यादव, बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव समेत बीजेपी के कई नेता मौजूद हैं। डॉक्टर संजय जायसवाल ने प्रधानमंत्री को बताया कि किस तरह से बिहार के बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कोरोना संक्रमण काल में काम किया है। बिहार की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोजपुरी में बिहार के सभी बीजेपी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप लोग प्रवासी मजदूरों को कोई दिक्कत नहीं होने देंगे और कोरोना संक्रमण काल में आप लोग जनता की भरपूर सेवा करेंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बिहार सरकार अपने हर स्तर पर कोरोना संक्रमण की लड़ाई लड़ रही है।

जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं के काम की दी जानकारी

इससे पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि अभी तक चार हजार डिजिटल माध्यम से कार्यकर्ताओं से बातचीत की है। जिसमें ढाई लाख कार्यकर्ताओं पर हम लोग पहुंचे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के 20 लाखों के पैकेज की वर्ल्ड बैंक ने भी तारीख की है। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने 5 करोड़ फेस मास्क बनाकर जनता तक पहुंचाने का काम किया।

22 करोड़ लोगों तक भोजन पहुंचाने का काम किया

जेपी नड्डा ने कहा कि कोरोना काल में बीजेपी के करोड़ों कार्यकर्ताओं ने कार्य किया है। 22 करोड़ लोगों तक भोजन पहुंचाने का काम किया। मोदी राशन की भी पहुंचाने का काम किया गया, जिसमें 15 दिन 20 दिन और 1 महीने का राशन था, ऐसे 5 करोड़ पैकेट बांटे गए। पीएम केयर्स फंड में 58 लाख कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम किया गया। बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने नॉर्थ ईस्ट के बच्चों की की भी काफी मदद की। जेपी नड्डा ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट के बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के कार्यकर्ताओं को फोन किया। उसके बाद यहां के कार्यकर्ताओं ने ना सिर्फनॉर्थ ईस्ट के बच्चों के लिए रहने का इंतजाम किया बल्कि उनके खाने का भी इंतजाम किया।

चीन से नजदिकियों का पाकिस्तान को हो सकता है नुकसान

इस्लामाबाद ए.। पूर्वी लद्दाख में भारतीय सेना के साथ हिंसक झड़प की घटना के बाद अब पाकिस्तान के ऊपर इस बात का भारी दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह चीन को लेकर या तो अपनी नीति की समीक्षा करे अन्यथा वैश्विक बहिष्कार और आलोचना झेलने के लिए तैयार हो जाए। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश मंत्रालय ने इमरान खान के प्रधानमंत्री कार्यालय को बताया कि या तो वह चीन के साथ अपने संबंधों को लेकर फौरन अपनी नीति सही करे या नहीं तो फिर उसे उन आर्थिक महाशक्तियों के गुस्सा का खामियाजा भुगतना होगा जो कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के साथ चीन के आक्रामक तेवर के चलते उसे अलग-थलग करने को लेकर संकल्पित है। इस बात का पहला संकेत उस वक्त मिला जब चीन की हर बात में समर्थन करने वाले पाकिस्तान की एयरलाइन पीआईए को यूरोपीय यूनियन ने बैन लगाते हुए यूरोप में उसके विमान को लैंडिंग करने की इजाजत नहीं दी। पाकिस्तान ने यूरोपीय यूनियन को यह पूरी तरह से समझाने का प्रयास किया कि सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्वालीफाईड पायलट्स ही उन मार्गों में उड़ान भरेंगे लेकिन ईयू ने सुनने से साफ इनकार कर दिया। भारत के खिलाफ चीन के आक्रामक तेवर के बाद यूरोपीय यूनियन अब बीजिंग को कूटनीतिक स्तर पर अलग-थलग करने पर लगा है। ऐसे में पाकिस्तानी सूत्रों को ऐसा लगा रहा है कि पाकिस्तान का इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। पाकिस्तान में चीन के खिलाफ पहले से ही काफी गुस्सा है, खासकर बलूचिस्तान और गिलगित बाल्टिस्तान में जिस तरह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपैक) को लेकर पाकिस्तानी संसाधनों का दोहन किया जा रहा है।

ड्रैगन के साथ अपनी नीति की समीक्षा का भारी दबाव

चीन की हेकड़ी निकालने को तैयार अमेरिका

द. चीन सागर में युद्धपोतों का अभ्यास

वॉशिंगटन ए.। दक्षिण चीन सागर में हेकड़ी दिखा रहे चीन पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका ने विवादित इलाके में अपने दो विमानवाहक युद्धपोतों को भेज दिया है। ये पोत यहां सैन्य अभ्यास में शामिल होंगे। अमेरिकी नेवी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि यूएसएस रेगन और यूएसएस निमित्ज हिंद प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र रखने के लिए ऑपरेशन और एक्सरसाइज में जुटे हैं।

दो विमान वाहक चार युद्धपोतों के साथ चौबीसों घंटे फ्लाइट टेस्टिंग और हमला करने की क्षमता का परीक्षण करेंगे। पूरी दुनिया की नजर इसलिए भी टिकी हुई है क्योंकि चीन और अमेरिका के सैन्य जहाज एक ही क्षेत्र में एक समय पर अभ्यास करेंगे, यह बेहद ही दुर्लभ मौका है।

रोनाल्ड रीगन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर सीन ब्रोफी ने एएनआई से कहा, ''मैं पुष्टि कर सकता हूं कि यूएसएस निमित्ज (ष्ट्ङ्कह्न 68) और यूएसएस रोनाल्ड रीगन (ष्ट्ङ्कह्न 76) हिंद प्रशांत क्षेत्र स्वतंत्र और खुला रखने के लिए कैरियर ऑपरेशन और एक्सरसाइज में जुटे हैं। यूएस नेवी के अधिकारी ब्रोफी ने कहा, ''यह प्रयास अमेरिका की उस प्रतिबद्धता के तहत है जिसमें हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक सभी देशों के उड़ने, नौवहन अधिकारों के साथ खड़े हैं।'' अमेरिका ने इस अभ्यास की प्लानिंग काफी पहले की थी, लेकिन इसे चीन को कड़ा संदेश देते हुए अभी आयोजित किया जा रहा है, क्योंकि चीन विवादित पारासेल आइलैंड के पास अभ्यास में जुटा है, जिसका अमेरिका सहित कई देशों ने विरोध किया है।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ''अमेरिका दक्षिण पूर्व एशिया के अपने मित्रों से सहमत है। पीआरसी (पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) का दक्षिण चीन सागर में विवादित स्थान पर सैन्य अभ्यास का हम विरोध करते हैं। हम चीन के गैरकानूनी दावे का विरोध करते हैं।

टाइम्स स्क्वॉयर पर गूंजे 'बायकॉट चाइना' के नारे, ड्रैगन की आक्रामकता के खिलाफ प्रदर्शन

वॉशिंगटन ए.। भारत के गांवों के चौराहों से लेकर अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर तक इन दिनों एक ही आवाज है- बॉयकॉट चाइना। चीन की आक्रामकता के खिलाफन्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में भारतीय अमेरिकी, तिब्बती और ताइवानी अमेरिकी नागरिकों ने चीन के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'बॉयकॉट चाइना' और 'चाइनीज बदमाशी रोको' जैसे नारे लिखे हुए तख्तियां थीं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि तीन टी से चीन को हराने में मदद मिल सकती है। पहला यह कि चीन के साथ ट्रेड खत्म कर दिया जाए और चीनी सामानों का बहिष्कार किया जाए, दूसरा तिब्बत की पूर्ण स्वतंत्रता और ताइवान को पूरा सपोर्ट। अमेरिकन इंडिया पब्लिक अफेयर्स कमिटी के प्रेजिडेंट जगदीश सेवहानी नग्न आक्रमकता के लिए चीन पर बरसे। सेवहानी ने एएनआई से बात करते हुए कहा, ''जब दुनिया पिछले छह महीने से कोरोना वायरस महामारी से लड़ रही है, पड़ोसियों और भारत के खिलाफचीन की नग्न आक्रामकता स्वीकार्य नहीं है। चीन दुनिया पर दादागिरी जमाना चाहता है। चीन अमेरिका और भारत को बर्बाद करना चाहता है। लेकिन इस बार उन्हें आक्रामकता की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा, अब देखिए चीन अपने ही देश में क्या कर रहा है। वे हांगकांग को दबा रहे हैं। उन्होंने तिब्बत में नरसंहार किया और देखिए उन्होंने मुसलमानों के साथ क्या किया। मानवाधिकारों का सबसे खराब हनन चीन में ही हुआ। चीन के खिलाफयह प्रदर्शन गलवान हिंसक झड़प के कुछ दिनों बाद हुआ है।

मोबाइल डाटा को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है चीन: विशेषज्ञ

नयी दिल्ली (वार्ता। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और उसकी सैन्य शाखा मोबाइल नेटवर्क और ऐप के जरिये एकत्र किये जा रहे भारतीयों के डाटा का इस्तेमाल हथियार के तौर पर कर रही हैं और इस खतरे से निपटने के लिए एक बहुउद्देशीय राष्ट्रीय सुरक्षा कानून बनाये जाने की जरूरत है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों तथा जानकारों ने 'डाटा एक हथियार : मोबाइल ऐप और 5 जी नेटवर्क के जरिये चीन का हमला'विषय पर आयोजित एक बेबिनार में यह दावा करते हुए जोर देकर कहा है कि चीन इन प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल जासूसी उपकरणों की तरह कर रहा है और भारत को इस बारे में दीर्घावधि रणनीति के तहत स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और दूरसंचार क्षेत्र में विनिर्माण क्षमता को बढाने पर जोर देना चाहिए। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि सस्ते सामान और कम्युनिस्ट सरकार की सब्सिडी की नीति के कारण फल फूल रहे चीन के आर्थिक विस्तारवाद पर अंकुश लगाने की भी जरूरत है । चीन की इस नीति से अमेरिका और अनेक यूरोपीय देशों में औद्योगिकरण बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वेबिनार में पूर्व दूरसंचार सचिव तथा नेसकॉम के पूर्व अध्यक्ष आर चंद्रशेखर , डाटा संप्रभुता के क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ता विनित गोयंका और वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ जराबी ने अपने विचार व्यक्त किये। वेबिनार का आयोजन 'लॉ एंड सोसायटी एलायंस और रक्षा तथा सामरिक मामलों की पत्रिका डिफेंस कैपिटल ने किया था। विशेषज्ञों ने कहा कि चीन ने विभिन्न देशों से डाटा जमा कर अपनी वैश्विक पैठ बना ली है और उस पर लगाम लगाने के लिए दीर्घावधि रणनीति बनाया जाना जरूरी है जो स्वदेशी प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षमता को मजबूत बनाये। इसके साथ ही इस खतरे से निपटने के लिए एक बहुउद्देशीय राष्ट्रीय कानून बनाये जाने की भी दरकार है।

भारत-बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार में सीएम ममता बनीं रोड़ा!

कोलकाता ए.। भारत की पड़ोसी देश नीति में पश्चिम बंगाल इस वक्त बड़ी अड़चन बनकर सामने है। ममता सरकार ने मार्च महीने से पेट्रापोल और बेनापोल सीमा के रास्ते बांग्लादेश से आयात पर रोक लगा दी थी। इस वजह से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भारी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अब बुधवार से बांग्लादेश ने भारतीय ट्रकों से सामान के निर्यात पर एक बार फिर रोक लगा दी है। इस गतिरोध के चलते सीमा पर सैकड़ों ट्रक फंसे हुए हैं और उनमें रखा सामान भी खराब हो रहा है।

भारत से निर्यात का विरोध कर रहे बांग्लादेशी व्यापारियों का कहना है कि जब तक भारत-बांग्लादेश से आयात की मंजूरी नहीं देता है, वे भारत से निर्यात की अनुमति नहीं देंगे। दरअसल कोरोना वायरस संक्रमण के चलते लॉकडाउन के कारण पश्चिम बंगाल की पेट्रापोल सीमा से बांग्लादेश के साथ होने वाला सीमा व्यापार भी बंद था। पिछले दिनों केंद्र सरकार के आदेश के बाद निर्यात को अनुमति दे दी गई थी लेकिन आयात पर पश्चिम बंगाल सरकार ने अभी भी रोक लगा रखी है। इसके चलते बांग्लादेशी व्यापारी नाराज हैं। इसके चलते बांग्लादेश के साथ व्यापार अप्रैल और मई में घटकर 424 मिलियन डॉलर पर सिमट गया। 2019 से तुलना करें तो इन्हीं महीनों में 2 अरब डॉलर का मुनाफा हुआ था। 2019 क शुरुआती पांच महीने (जनवरी से मई) 4.1 अरब डॉलर का मुनाफा हुआ था लेकिन 2020 में यह आंकड़ा सिर्फ 2.9 अरब डॉलर ही रहा।

मार्च में ममता सरकार ने लगाई थी रोक

लॉकडाउन से एक दिन पहले 23 मार्च से पश्चिम बंगाल ने पेट्रोपोल-बेनापोल सीमा से बांग्लादेश में आयात- निर्यात पर रोक लगा दी थी। 29 अप्रैल को सीमा से आवाजाही दोबारा शुरू हुई लेकिन 2 मई को कुछ स्थानीय विरोध प्रदर्शन के चलते इसे फिर से रोक दिया गया। 7 जून से केंद्र के आग्रह पर पश्चिम बंगाल सरकार ने सिर्फनिर्यात को अनुमति दी थी। इससे एक दिन में करीब 250 ट्रक बांग्लादेश जाने लगे थे हालांकि आयात पर रोक से बांग्लादेश व्यापारियों में गुस्सा पनप रहा था। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल ने त्रिपुरा होते हुए बांग्लादेश से आने वाले सामानों पर कोई रोक नहीं लगाई है।

दुष्कर्म आरोपी से मांगी 35 लाख की रिश्वत, महिला थाने की पीएसआई हिरासत में

अहमदाबाद ए.। गुजरात के अहमदाबाद में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने 35 लाख का रिश्वत लेने के आरोप में महिला पुलिस अधिकारी को हिरासत में ले लिया। आरोपी पीएसआई श्वेता जडेजा पर आरोप है कि उन्होंने प्रिवेंशन ऑफएंटी-सोशल एक्टिविटीज (पीएएसए) के तहत मुकदमा पंजीकृत न करने के एवज में 35 लाख रुपये के रिश्वत की मांग की थी। पुलिस के मुताबिक, साल 2016-17 बैच की पीएसआई श्वेता जडेजा महिला वेस्ट पुलिस थाने की प्रभारी के तौर पर तैनात हैं। हाल ही में केनल शाह नाम के शख्स के खिलाफरेप के मामले में एफआईआर दर्ज कराया गया था। जडेजा मामले की जांत कर रही थीं। कुछ समय पहले उन्होंने कथित तौर पर शाह को फोन किया और उन्हें पीएसए के तहत जेल में डाल देने की धमकी दी और 35 लाख का रिश्वत मांगा।

एसओजी को ट्रांसफर किया गया केस

शाह ने क्राइम ब्रांच को एक ऐप्लीकेशन लिखा। मामले को संज्ञान में लेते हुए अपराध शाखा ने भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत जडेजा के खिलाफमामला दर्ज कर लिया। केस को क्राइम ब्रांच से एसओजी को ट्रांसफर कर दिया गया है। क्राइम ब्रांच में इंस्पेक्टर आरएस सुवेरा ने बताया कि 26 जून को एक शख्स ने श्वेता जडेजा के खिलाफ शिकायत दाखिल किया था। शिकायतकर्ता के भाई के खिलाफमहिला थाने में बलात्कार के दो मामले दर्ज हैं। शिकायतकर्ता ने अपने ऐप्लीकेशन में आरोप लगाया गया था कि उसके भाई के खिलाफपीएएसए के तहत केस दर्ज न करने के एवज में पीएसआई ने 35 लाख रुपये के रिश्वत की मांग की थी। एसओजी के सूत्रों ने बताया कि रिश्वत के लिए खुद पीएसआई ने शिकायतकर्ता के भाई को कॉल किया था।

बिहार में आकाशीय बिजली से 22 की मौत

पटना ए.। बिहार में बारिश और आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने का सिलसिला जारी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अलग-अलग सात जिलों में आकाशीय बिजली गिरने (वज्रपात) से और 15 लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान आसमान से बिजली गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, आकाशीय बिजली से आज मरने वालों में वैशाली में छह, लखीसराय में दो, समस्तीपुर में 3, गया, बांका, नालंदा और जमुई जिले में एक-एक व्यक्ति शामिल है। इन सभी की मौत वज्रपात की चपेट में आने से हो गई। मौसम विभाग ने राज्य के पटना, भोजपुर, वैशाली, नालंदा सहित एक दर्जन से ज्यादा जिलों में आकाशीय बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी लोगों से खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतने और खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खराब मौसम में घर के अंदर ही रहें और सुरक्षित रहें। बिहार में शुक्रवार को राज्य के पांच जिलों में वज्रपात गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिलों से फोन पर मिली सूचना के मुताबिक, राज्य में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। लखीसराय में दो, समस्तीपुर में तीन तथा गया, बांका और जमुई जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत वज्रपात की चपेट में आने से हो गई। राज्य में गुरुवार को भी विभिन्न जिलों में वज्रपात की चपेट में आने से 26 लोगों की मौत हुई थी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक
ग्राम/शहर- आरंग

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुषमादेवी विन्द पति श्री इन्द्रजीत विन्द जाति केंवट साकिन आरंग द्वारा भूमि/भवन को विक्रेता 1. श्रीमती शालिनी 2. श्रीमती रूपा सिंह, पति 1. सुभाष वड़ीचार, पति 2. गुलाब सिंह केंवट साकिन आरंग से क्रय/मृत्यु पश्चात निम्न दस्तावेज प्रस्तुत कर निकाय आरंग में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भवन क्र. भूमि खसरा नं. 2082/6 का भाग रकबा 2000 वर्गफुट के भाग को नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किए जाने की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस केअंदर मय दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा- आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 27/6/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

सील
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

कार्यालय नगर पालिका परिषद आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक
ग्राम/शहर- आरंग

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती शालिनी पति श्री सुभाष वड़ीचार जाति सोनार साकिन आरंग द्वारा भूमि/ भवन को विक्रेता श्रीमती रूपा सिंह केंवट पति गुलाब सिंह केंवट साकिन आरंग से क्रय/ मृत्यु पश्चात निम्न दस्तावेज प्रस्तुत कर निकाय आरंग में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भवन क्र. भूमि खसरा नं. 2082/6 का भाग रकबा 2045 वर्गफुट के भाग को नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किए जाने की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/ विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस केअंदर मय दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा- आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 27/6/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

सील
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400767

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री सत्यनारायण सोनी आ. शोभाराम सोनी निवासी सेक्टर 1 भिलाई द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम उरला प.ह.न. 07 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 652/38 रकबा 0.012 हें/ 1302 वर्गफीट भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 19.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 07/20-21
वार्ड का नाम- रानी लक्ष्मीबाई-10

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि रानी लक्ष्मीबाई-10 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ व्ही.आई.पी. करिश्मा डी/1/102 जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती सीमा सिंह w/o आनंद सागर सिंह के नाम से दर्ज है, जिसको श्री विनीतसिंह s/o सुधीर सिंह रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 04/07/20
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone5@gmail.com

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा कालोनी सेजबहार, जिला-रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत एलआईजी भवन क्र.-1387 (1) श्रीमती कोमल देवी मयानी पति श्री सतरामदास मयानी (2) श्रीमती संगीता दीक्षित पति श्री कपिल दीक्षित के संयुक्त नाम पर भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का सेलडीड दिनांक 24.05.2013 को निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी क्र.-01 श्रीमती कोमलदेवी मयानी पति श्री सतरामदास मयानी निवासी- पापुलर आप्टीकल, मालवीय रोड रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को सहआबंटी क्र. 02 श्रीमती संगीता दीक्षित पति श्री कपिल दीक्षित निवासी-हाऊसिंग बोर्ड, सेजबहार रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में हकत्याग करना चाहती है। हकत्याग अनुमति हेतु आवेदन पत्र, सेलडीड विलेख की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को सहआबंटी श्रीमती संगीता दीक्षित पति श्री कपिल दीक्षित के पक्ष में हकत्याग हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के हकत्याग करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम (जोन-4), रायपुर (छ.ग.)
प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी मोतीबाग चौक

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 21/2020-21
वार्ड का नाम- स्वामी विवेकानंद सदरबाजार-45

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि स्वामी विवेदानंद सदर बाजार-45 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 45/413 का भाग बुढ़ापारा रायपुर के पास जो कि निगम अभिलेख में श्री सुधार कुमार गर्ग पित धनराज अग्रवाल के नाम से दर्ज है, जिसको श्री मुकेश जैन पिता देशराज जैन ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने।
जोन कमिश्नर
जोन क्र.-04
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम (जोन-4), रायपुर (छ.ग.)
प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी मोतीबाग चौक

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 22/2020-21
वार्ड का नाम- स्वामी विवेकानंद सदरबाजार-45

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि स्वामी विवेदानंद सदर बाजार-45 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 45/413 का भाग के पास जो कि निगम अभिलेख में श्री महेश अग्रवाल पिता धनराज अग्रवाल के नाम से दर्ज है, जिसको श्री मुकेश जैन पिता देशराज जैन ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने।
जोन कमिश्नर
जोन क्र.-04
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक
ग्राम/शहर आरंग

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1 श्री अभिमन्यु साहू 2. श्री अमित साहू पिता रतनलाल साहू जाति तेली साकिन आरंग द्वारा भूमि/भवन को विक्रेता श्री रामानंद सोनकर पिता स्व. किसलाल सोनकर साकिन आरंग के क्रय/मृत्यु पश्चात निम्न दस्तावेज प्रस्तुत कर निकाय आरंग में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भवन क्र. भूमि खसरा नं. 3798/3 का भाग रकबा 0.021 हे. वर्गफुट 0.021 के भाग को नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किए जाने की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/ विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस केअंदर मय दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा- आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 27/6/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

सील
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

कार्यालय नगर पालिका परिषद आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक
ग्राम/शहर आरंग

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती रूखसाना बानो पति ईस्लामुद्दीन भाटी जाति मुसलमान साकिन आरंग द्वारा भूमि/भवन को विक्रेता 1. राजकुमार अग्रवाल 2. सुनील कुमार पिता 1. स्व. मनहरणलाल गुप्ता 2. स्व. चन्द्रशेखर गुप्ता साकिन आरंग के क्रय/मृत्यु पश्चात निम्न दस्तावेज प्रस्तुत कर निकाय आरंग में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भवन क्र. भूमि खसरा नं. 3488/2 रकबा 0.015 हे. वर्गफुट 0.015 के भाग को नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किए जाने की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/ विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस केअंदर मय दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा- आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 27/6/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

सील
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

कार्यालय नगर पालिका परिषद आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक
ग्राम/शहर- आरंग

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1. श्री रामगोपाल 2. श्री कैलाश कुमार पिता 1. स्व. खिलावन लोधी 2. पिता स्व. श्री कृष्णकुमार लोधी जाति लोधी साकिन आरंग द्वारा भूमि/भवन को विक्रेता स्व. कृष्ण कुमार लोधी पिता स्व. खिलावन लोधी साकिन आरंग से क्रय/मृत्यु पश्चात निम्न दस्तावेज प्रस्तुत कर निकाय आरंग में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भवन क्र. 26 भूमि खसरा नं. रकबा हे. वर्गफुट के भाग को नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किए जाने की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/ विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस केअंदर मय दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा- आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 27/6/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

सील
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

■ न्यूज गैलरी

सीएम ने प्रदेशवासियों को गुरू पूर्णिमा पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 5 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने आज यहां गुरू पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा है कि भारत में गुरू पूर्णिमा के दिन परम्परागत रूप से गुरूओं के अमूल्य ज्ञान और मार्गदर्शन के प्रति सम्मान और आभार प्रकट किया जाता है। भारतीय संस्कृति में गुरू को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। गुरू जीवन में अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर ज्ञान की रोशनी लेकर आते हैं। बेहतर समाज के निर्माण में गुरूजन अहम भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरूजनों के प्रति सम्मान हमारी परम्परा रही है। हमें गुरूजनों के प्रति सदैव श्रद्धा और सम्मान का भाव रखना चाहिए।

दो सिंचाई योजना के लिए 14.70 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। राज्य शासन ने राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड डोंगरगढ़ की पेटेश्री नदी पर झिटिया एनीकट योजना के लिए 2 करोड़ 85 लाख 62 हजार रूपए स्वीकृत किए हैं। इस योजना से किसानों द्वारा स्वयं के साधनों से 70 हेक्टेयर सेक्टर में सिंचाई सुविधा प्रस्तावित है। दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की तांदुला परियोजना के अंतर्गत मगरघट्टा, कापसी, सांकरा, माइनर के जीर्णोद्वार और लाईनिंग कार्य के लिए 11 करोड़ 84 लाख 18 हजार रूपए स्वीकृत की गई है। इन कार्यों के पूर्ण हो जाने पर योजना की रूपांकित सिंचाई क्षमता 2620 हेक्टेयर में 600 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से इन दोनों सिंचाई योजनाओं के कार्यों को कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है।

निगम ने निजी भूमि में अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाई

रायपुर। नगर निगम रायपुर के आयुक्त सौरभ कुमार के आदेशानुसार नगर निगम जोन 8 नगर निवेष विभाग की टीम ने जोन 8 के तहत आने वाले माघव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 में 3 विभिन्न स्थानों में रायपुरा में इंद्रप्रस्थ कालोनी के पीछे लगभग 50 हजार वर्गफीट क्षेत्र की निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर जोन 8 के जोन कमिष्नर अरूण ध्रुव के नेतृत्व जोन कार्यपालन अभियंता राकेष गुप्ता, जोन नगर निवेष उपअभियंता अजीत सिंह राठौर, सुरूचिका मिश्रा की उपस्थिति में अभियान चलाकर कारगर रोक लगाने कार्यवाही की।

गरीब कल्याण रोजगार योजना में छत्तीसगढ़ को शामिल करने की मांग

कांग्रेस के चार सांसदों ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत, सांसद दीपक बैज और राज्यसभा सांसद छाया वर्मा और सांसद फूलोदेवी नेताम ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

योजना में छत्तीसगढ़ को शामिल करने से यहां के गरीब मजदूरों को मिलेगा लगभग 1000 करोड़ के काम

रोजगार के साथ व्यापार व्यवसाय में भी पड़ेगा सकारात्मक असर

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। आपदा राहत की दिशा में राज्यों में वापस लौटे प्रवासी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने केंद्र सरकार द्वारा आरंभ किए गए गरीब कल्याण रोजगार योजना में छत्तीसगढ़ को शामिल नहीं किए जाने पर आपत्ति दर्ज करते हुए छत्तीसगढ़ के चार कांग्रेस सांसदों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है और मांग की है कि यथाशीघ्र इस योजना में छत्तीसगढ़ को भी शामिल किया जाए। पत्र लिखने वाले कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत, बस्तर लोकसभा सांसद दीपक बैज और राज्यसभा सांसद छाया वर्मा और सांसद फूलोदेवी नेताम शामिल सांसदों ने पत्रां में कहा गया है कि डॉ. रमन सिंह जी 15 साल छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे, इनके ही शासनकाल में भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी, कुशासन और जनविरोधी नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ गरीबी रेखा के मामले में देश में नंबर वन बन गया। अब प्रदेश के भाजपा नेताओं के द्वारा छत्तीसगढ़ को गरीब कल्याण योजना से भी वंचित करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है।

एनएसएसओ के आंकड़ों के आधार पर छत्तीसगढ़ में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों की संख्या 47.9 प्रतिशत है और यह पूरे देश में सर्वाधिक है। राष्ट्रीय औसत शहरी क्षेत्रों के लिए 13.7 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 25.7 प्रतिशत है गरीब कल्याण रोजगार योजना में शामिल किए गए राज्य उड़ीसा (45.9 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (44.3 प्रतिशत), झारखंड (42.4 प्रतिशत) और बिहार (41.3 प्रतिशत) का गरीबी रेखा के मामले में नंबर क्रमशः 2, 3, 4 और 5 है। राजस्थान को भी शामिल किया गया है जहां गरीबी रेखा का आंकड़ा छत्तीसगढ़ के आधे से भी कम 21.7 प्रतिशत है, पर सर्वाधिक गरीबी रेखा प्रतिशत वाले राज्य छत्तीसगढ़ को दुर्भावना पूर्वक छोड़ दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय मंत्री, 9 सांसद लोकसभा के, दो राज्यसभा सांसद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय महामंत्री बताए कि छत्तीसगढ़ की गरीब जनता से किस बात का बदला लेना चाहती है? पूर्व में भी हमने देखा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को धान के समर्थन मूल्य 2500 रू. प्रति क्विंटल की दर से देने पर भी तमाम तरह के अड़ंगे लगाए गए, केंद्रीय पुल के तहत चावल नहीं खरीदने की धमकी देते हुए व्यवधान पैदा करने की कोशिश की गई। उक्त संदर्भ में बुलाए गए सर्वदलीय बैठक में भी भाजपा के सांसदों ने यह कहते हुए बैठक में भाग लेने से इनकार कर दिया था की ना यह उनकी प्राथमिकता में है ना उनके पास समय है! भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार की नीतियां आरंभ से ही गरीब, मजदूर, किसान और आमजन के हितों के विपरीत चंद पूंजीपतियों के मुनाफे पर केंद्रित रही हैं। विगत 3 महीनों से प्रवासी श्रमिक लगातार केंद्र सरकार की उपेक्षा और अव्यवस्थाओं का सामना करते हुए कठिन परिस्थितियों में वापस लौटने मजबूर हुए हैं। अब इनको रोजगार से वंचित कर दोहरी प्रताड़ना की मार सहने मजबुर किया जा रहा है।

कांग्रेस के सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी जी से मांग की है कि तत्काल छत्तीसगढ़ को इस योजना में शामिल कर छत्तीसगढ़ वापस लौटे प्रदेश के लगभग 5 लाख श्रमिकों को इसका लाभ दिया जाए जिससे न केवल श्रमिकों को आर्थिक लाभ होगा बल्कि उनकी क्रय क्षमता बढ़ने से यह पैसा उनके द्वारा किए जाने वाले खरीदी के माध्यम से बाजार में आएगा और अर्थव्यवस्था में भी तेजी से सुधार होगा। मजदूरों और किसानों की समृद्धि के बिना प्रदेश और देश की तरक्की की कल्पना व्यर्थ है।

एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन, पीएम मोदी का फूंका पुतला

रायपुर। *छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएसयूआई ने शनिवार को पूरे प्रदेश में केंद्र सरकार के खिलाफप्रदर्शन किया एवं नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। राजधानी रायपुर में प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार के खिलाफप्रदर्शन किया दरअसल केंद्र सरकार की गरीब कल्याण रोजगार योजना में छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले को नहीं लिया गया है। इसी को देखते हुए प्रदेश एनएसयूआई ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह के निवास का घेराव किया गया। साथ ही साथ पूरे प्रदेश के भाजपा के सांसदों के निवास का घेराव प्रदेश एनएसयूआई द्वारा किया गया राजधानी रायपुर में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र मोदी मुर्दाबाद के नारे लगाए और मोदी सरकार से मांग की छत्तीसगढ़ के सारे जिलों को इस योजना में सम्मिलित किया जाए।।*

प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी पूरे प्रदेश में रोजगार के नाम पर प्रदर्शन कर रही है और वही भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व जो सरकार पर काबिज है वह लोग छत्तीसगढ़ की जनता के साथ भेदभाव कर रहे हैं क्योंकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के शासन है इसी को देखते हुए वे लोग छत्तीसगढ़ के साथ दोहरी नीति अपना रहे हैं आज छत्तीसगढ़ में 40व से अधिक लोग गरीबी रेखा के नीचे है उसके बाद भी आज छत्तीसगढ़ को इस योजना का लाभ नहीं दिया गया है आज हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि छत्तीसगढ़ के सारे जिलों को इस गरीब कल्याण रोजगार योजना में शामिल किया जाए इसी के तहत आज हमने भाजपा के 9 सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के निवास का घेराव किया है।

इस प्रदर्शन कार्य में मुख्य तौर पर प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष भावेश शुक्ला जिला अध्यक्ष अमित शर्मा प्रदेश सचिव हनी बग्गा, हेमंत पाल, अरुणेश मिश्रा, शान मोहम्मद प्रदेश प्रवक्ता तुषार गुहा जिला महासचिव संकल्प मिश्रा, निखिल बंजारी, शुभम दुबे जिला सचिव विशाल दुबे, पुष्पेंद्र ध्रुव ग्रामीण अध्यक्ष विकास राजपूत, केशव सिन्हा, मनीष पटेल आदि मौजूद थे।

सीएम ने दुर्ग जिले के निवासियों को हर घर-एक पेड़ अभियान की सफलता के लिए लिखा पत्र

■ यह अभियान दुर्ग जिले में 6 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है

■ पूरे प्रदेश में स्कूलों, आश्रम-छात्रावासों और आंगनबाडी केन्द्रों में होगा मुनगा के पौधों का रोपण

■ सार्वजनिक स्थलों, शासकीय कार्यालयों और प्रमुख मार्गों पर व्यापक स्तर पर लगाए जाएंगे पौधे

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग जिले में हरियाली के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे हर घर-एक पेड़ अभियान की सफलता के लिए दुर्ग जिले के निवासियों को पत्र लिखकर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि जिले के नागरिकों की इस अभियान में

भागीदारी से हरियर दुर्ग की कल्पना साकार हो सकेगी।

श्री बघेल ने जिलेवासियों के नाम जारी पत्र में लिखा है कि आपके दुर्ग जिले में हरियाली के विस्तार एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए हर घर एक पेड़ अभियान (वन होम-वन ट्री कैंपेन) चलाया जा रहा है। प्रकृति को सहेजने के पुनीत उद्देश्य से यह महती अभियान जिले में 6 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। हम सब इस दिन अपने घर में पौधे लगाएंगे। जनसरोकारों से जुड़े कार्यों में दुर्ग जिले के नागरिकों की हमेशा अग्रणी भागीदारी रही है। पौधरोपण ऐसा ही कार्य है हम जितने पेड़ लगाएंगे, प्रकृति को उतने ही बेहतर तरीके से सहेज पाएंगे। अपने घरों में पौधे लगाने पर उन्हें सहेजने में हमें आसानी होगी।

मुख्यमंत्री ने जिलेवासियों से आग्रह करते हुए पत्र में लिखा है कि इस अभियान अंतर्गत 6 जुलाई को अपने घर में कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और इसे सहेजे भी। स्वयं पौधे लगाएं और अपने पड़ोसियों को, परिचितों को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर सार्वजनिक स्थलों पर, शासकीय कार्यालयों में, प्रमुख मार्गों पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण भी होगा। कुपोषण मुक्त दुर्ग बनाने बड़े पैमाने पर स्कूलों, आश्रम-छात्रावासों और आंगनबाडी केन्द्रों में मुनगा के पौधों का रोपण भी होगा। आने वाली पीढ़ी को सबसे अच्छा तोहफा आप हरियाली के रूप में दे सकते हैं। श्री बघेल ने उम्मीद जताई है कि जिले के लोगों की भागीदारी से वन होम-वन ट्री कैंपेन सफल होगा और एक ही दिन में आप लोगों द्वारा किए गए इस महती प्रयत्न से भविष्य में हरियर दुर्ग की कल्पना साकार हो सकेगी।

टमाटर की कीमत आसमान पर

■ अन्य कई सब्जियां भी हुई महंगी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वायरस की महामारी के दौरान अब राजधानी रायपुर में सब्जियां भी महंगी होने से लगी है जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ने लगी है। सब्जियों में टमाटर के दाम चिल्हर में 60 से 70 रूपये प्रति किलो तक पहुंच गए है, जिसे खरीदने के लिए गरीब व मीडियम वर्ग के लोग अब कतराने लगे है। टमाटर के साथ करेला 40 से 60, शिमला मिर्च 40 से 60 रुपये किलो, फ्रेंच बीन 40 से 80 रुपये, फूल गोभी 50 से 60 रुपये प्रति किलो, मुनगा 60 रूपये प्रति किलो, कोचई 40 रूपये, कटहल 40, गवारफल्ली 40 रूपये प्रति किलो में बिक रही है। इसके अलावा भिण्डी, लौकी, तोराई, बैगन, कद्दू, कुंदरू, पत्ता गोभी आदि सब्जियां 20 से 30 रुपये प्रति किलो बिक रही है।

शासकीय कंपनियों के निजीकरण के विषय पर भाजपा नेता मौन क्यों : कांग्रेस

रायपुर (नव प्रदेश)। केन्द्र की मोदी सरकार देशसेवा के बजाए प्रापर्टी डीलर की भूमिका निभा रही है। भारत के नवरत्न कंपनियों, मिनी रत्न कंपनियों, हवाई अड्डों, रेलवे, रेलवे स्टेशन के निजीकरण के लिए जनता ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों को नहीं चुना है, बल्कि देश सेवा के लिए चुना है। उक्त बातें पीसीसी प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कही। री ठाकुर ने कहा कि जनता ने सुनील सोनी, रेणुका सिंह, विजय बघेल, संतोष पांडे सहित भाजपा के सांसदों को भारत के नवरत्न कंपनियों, मिनी रत्न कंपनियों, हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन के निजीकरण करने के लिए नहीं चुना है। सरकारी कंपनियों और रेलवे के निजीकरण का विरोध भाजपा के सांसदों को करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार देशसेवा नहीं बल्कि प्रॉपर्टी डीलर की भूमिका निर्वहन कर रही है। सरकारी उपक्रमों को चंद भाजपा समर्थित पूंजीपत्तियों के हाथों में सौंप कर कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार करने में लगी हुई है। मोदी वन के गलत नीतियों मनमानी अदूरदर्शिता के चलते देश भारी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। मोदी सरकार बहुमत के आंकड़ों के अकड़ में जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना बंद करें। देश की जनता की भावना भारत के नवरत्न कंपनी मिनी रत्न कंपनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रेलवे स्टेशन के साथ जुड़ी हुई है। मोदी के गलत नीतियों के साथ भाजपा के मात्र 303 सांसद ही खड़े होंगे लेकिन विरोध में 133 करोड़ जनता खड़ी हुई है।

हिदायत | मौसमी बीमारियों से सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त दवाईयां रखने के निर्देश

किसानों को मांग के अनुरूप खाद-बीज उपलब्ध कराएं : मंत्री भगत

■ मंत्री भगत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से बालोद जिले में विकास कार्यों की समीक्षा की

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। खाद्य, संस्कृति मंत्री एवं बालोद जिले के प्रभारी अमरजीत भगत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जिले में शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया भी उपस्थित थीं। भगत ने मौसमी बिमारियों से सुरक्षा के लिए जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में दवाईयां रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित करने को कहा है।

मंत्री भगत ने जिले की सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में जुलाई माह का खाद्यान्न भण्डारण और वितरण की जानकारी ली। उन्होंने धान संग्रहण केन्द्रों में धान व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए और कहा कि बारिश के पानी से धान खराब न हो। उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में चबूतरा निर्माण की प्रगति की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि जिले के धान खरीदी केन्द्रों में 351 चबूतरा निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। भगत ने खाद-बीज के भण्डारण एवं उठाव की जानकारी ली और किसानों को मॉग के अनुरूप खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजीव गॉधी किसान न्याय योजना के तहत पंजीकृत कृषकों की संख्या तथा लाभान्वित कृषकों की जानकारी ली।

भगत ने कहा कि नवीन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवनों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के साथ भवन परिसर में वृक्षारोपण के निर्देश दिए। उन्होंने जर्जर पंचायत भवनों का चिन्हांकन कर प्रस्ताव बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत मजदूरी का भुगतान समय पर किया जाए। प्रभारी मंत्री ने शासन की महत्वाकांक्षी नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी योजना की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने चिन्हांकित नरवा तथा स्वीकृत कार्य, गौठान निर्माण, गौठानों में स्व सहायता समूहों द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों आदि की जानकारी दी। वीडियो कांफ्रेंसिंग में बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, कलेक्टर जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शहर में झमाझम बारिश : उसम से शहरवासियों ने ली राहत की सांस

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। शहर में कल रात हुई झमाझम बारिश और इस दौरान चली तेज हवाओं ने गर्मी और उमस से बेहाल शहरवासियों को राहत दी है। शुक्रवार रात शहर में हुई झमाझम बारिश से जहां तापमान में गिरावट आई है तो वहीं शहरवासियों को उमस से राहत मिली है।

राजधानी रायपुर में कल रात करीब 9 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला। आसमान में छाए बादल देखते ही देखते घने होते गए और तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई। इसके बाद करीब रात 10 बजे हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई जो देखते ही देखते झमाझम बारिश में तब्दील हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक हुई झमाझम बारिश और इस दौरान चली तूफानी ठंडी हवा से वातावरण काफी हद तक ठंडा हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली। ज्ञात हो कि रायपुर में बीते कई दिनों से अच्छी वर्षा नहीं हुई थी। आसमान में छाए बादल और बीच-बीच में निकल रही चटख धूप से पूरा वातावरण उसम से भर गया था। अच्छी बारिश न होने के कारण तथा चटख धूप से तापमान में जहां आंशिक वृद्धि दर्ज की जा रही थी तो वहीं लोग उमस और चिपचिपी गर्मी से बेहाल हो गए थे। शहरवासियों को बेसब्री से झमाझम बारिश का इंतजार था। इधर कल मौसम तंत्र में आए बदलाव और स्थानीय प्रभाव के चलते रात में मौसम का मिजाज बदला और शहर में अच्छी बारिश हुई। इधर मौसम ने अभी आने वाले दो-तीन दिनों के लिए पूरे राज्य के लिए यलो अलर्ट जारी कर दिया है। इस दौरान राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा कहीं-कहीं पर तेज बारिश की संभावना जताई गई है।

कोरोना के समय में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

जिसकी इम्यूनिटी मजबूत है, उसके शरीर में रोगाणु पहुंचकर भी नुकसान नहीं कर पाते

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि आपकी प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। इस प्रतिरोधक क्षमता को खान-पान, व्यायाम, अच्छी नींद आदि में संतुलन बनाकर ठीक कर सकते हैं, जिसके लिए यह मौसम भी अनुकूल है। अपने आसपास आप अकसर देखते होंगे कि सेहत और कद-काठी के मामले में एक जैसे दिखने वाले कई लोगों में से कुछ लोग बार-बार बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं, जबकि कुछ पर मौसम की मार या संक्रमण वगैरह का भी ज्यादा असर नहीं होता। आखिर वजह क्या है? असल में हर जीवित शरीर में प्रकृति ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई हुई है, जो उसे नुकसानदेह जीवाणुओं, विषाणुओं और माइक्रोब्स वगैरह से बचाती है।

जिसकी इम्यूनिटी कमजोर हो गई हो, वह जरा-से मौसमी बदलाव में भी रोगाणुओं के आक्रमण को झेल नहीं पाता। जब बाहरी रोगाणुओं की तुलना में शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ती है, तो इसका असर सर्दी, जुकाम, फ्लू, खांसी, बुखार वगैरह के रूप में हम सबसे पहले देखते हैं। जो लोग बार-बार ऐसी तकलीफों से गुजरते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि उनकी इम्यूनिटी ठीक से उनका साथ नहीं दे रही है और उसे मजबूत किए जाने की जरूरत है। सर्दियों का मौसम एक तरह से रोगप्रतिरोधक शक्ति के परीक्षण का मौसम है, लेकिन अच्छी बात यह है कि रोगप्रतिरोधक शक्ति को मजबूत बनाने के लिए भी यही सबसे अच्छा मौसम है।

ऐसे बढ़ाएं इम्यूनिटी

आहार में एंटीऑक्सिडेंट की पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए। एंटीऑक्सिडेंट बीमार कोशिकाओं को दुरुस्त करते हैं और सेहत बरकरार रखते हुए उम्र के असर को कम करते हैं। बीटा केरोटिन, सेलेनियम, विटामिन-ए, विटामिन-बी2 व बी6, विटामिन-सी, विटामिन-ई, विटामिन-डी तर्था जक रोगप्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। इन तत्वों की भरपाई के लिए गाजर, पालक, चुकंदर, टमाटर, फूलगोभी, खुबानी, जौ, भूरे चावल, शकरकंद, संतरा, पपीता, बादाम, दूध, दही, मशरूम, लौकी के बीज, तिल आदि उपयोगी हैं। हरी सब्जियों-फलों को विशेष रूप से भोजन में शामिल करें।

- सर्दी के मौसम में प्यास कम लगती है, पर याद करके दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। भरपूर नींद लें।

तनावमुक्त रहने का अभ्यास करें। अगर आप प्राय: बीमारियों की चपेट में रहते हैं तो इसका अर्थ यह भी है कि आपके शरीर में एंटीबॉडीज कम बन रहे हैं। इसके लिए प्रोटीन को समुचित मात्रा में सेवन किया जाना चाहिए।

सर्दियों में सूर्य की रोशनी में सवेरे तेल मालिश करने से भी, रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। विटामिन-डी रोगप्रतिरोधकता के लिए महत्त्वपूर्ण कारक है।

लहसुन एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल है। जाड़े के दिनों में दिन में एक-दो लहसुन सेवन करना चाहिए।

दिन में तीन-चार बार ग्रीन-टी पीने से रोगप्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होता है। सर्दी के मौसम के सभी खट्टे फल इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करते हैं।

सर्दियों में सब्जियों का सूप पीना इम्यूनिटी तो बढ़ाता ही है, सर्दी-जुकाम में भी फायदा करता है।

सर्दी-जुकाम-खांसी वगैरह ज्यादा दिनों तक बने रहें तो इसे सामान्य न समझें और इलाज कराएं।

क्यों होती है इम्यूनिटी कमजोर

क्यों होती है इम्यूनिटी कमजोर

शरीर में चर्बी का अनावश्यक रूप से जमा होना।

वजन बहुत कम होना।

फास्टफूड, जंकफूड आदि का ज्यादा सेवन।

शरीर को ठीक से पोषण न मिलना।

धूम्रपान, शराब, ड्रग आदि का सेवन।

पेनकिलर, एंटीबॉयोटिक आदि दवाओं का लंबे समय तक सेवन।

लंबे समय तक तनाव में रहना।

लंबे समय तक कम नींद लेना अथवा अनावश्यक रूप से देर तक सोना।

शारीरिक श्रम का अभाव।

प्रदूषित वातावरण में लंबे समय तक रहना।

बचपन और बुढ़ापे में रोगप्रतिरोधक शक्ति सामान्य तौर पर कुछ कमजोर होती है, पर खराब जीवनशैली के चलते युवावस्था में भी यह कमजोर हो सकती है।

गर्भवती स्त्री का खान-पान ठीक न हो या वह कुपोषण का शिकार हो तो होने वाले बच्चे की भी रोगप्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने की संभावना बनी रहती है।

अगर आप चीनी ज्यादा खाते हैं तो यह इम्यूनिटी के लिए नुकसानदेह है। अमेरिकन जर्नल ऑफक्लीनिकल न्यूट्रिशन में छपे एक शोध के अनुसार सौ ग्राम या इससे अधिक शुगर खा लेने की स्थिति में श्वेत रुधिर कणिकाओं की रोगाणुओं को मारने की क्षमता पांच घंटे तक के लिए कमजोर पड़ जाती है।

कम पानी पीने से इम्यूनिटी कमजोर पड़ती है, क्योंकि पर्याप्त पानी के अभाव में शरीर से विजातीय द्रव्यों को बाहर निकाल पाना कठिन हो जाता है।+

इनका ध्यान रखें

आंवला, नीबू, अदरक, कच्ची हल्दी और तुलसी को अपनी थाली में जरूर शामिल करें और इन्हें कम-से-कम 21 दिनों तक इस्तेमाल करें। यों पूरे मौसम भर इनका सेवन कर सकते हैं। 21 दिन के पीछे एक रहस्य है। वैद्य सदियों से ऐसा बताते रहे हैं, पर विज्ञान के नए शोधों ने भी प्रमाणित किया है कि कोई भी चीज तीन हफ्ते तक नियमित रूप से करने पर शरीर उसके प्रति अनुकूलता बैठाने लगता है। ये पांचों उपाय एक साथ भी कर सकते हैं, परंतु ऐसा करें तो कच्ची हल्दी को सवेरे के बजाय भोजन के साथ या दिन में अन्य किसी समय लें।

बेहतर है होम्योपैथी और योगासन-प्राणायाम

सर्दी के मौसम में होने वाले सामान्य सर्दी-जुकाम के लिए अंग्रेजी दवाएं खाने से बचना चाहिए, पर होम्योपैथी दवाएं सही लक्षणों के आधार पर दी जाएं तो सर्दी-जुकाम से छुटकारा तो मिलता ही है, साथ ही शरीर का इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। व्यायाम की तमाम पद्धतियों में शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने की दृष्टि से योगासन और प्राणायाम सबसे अच्छे उपाय हैं। सवेरे के समय नियमित रूप से आधे से एक घंटे तक योगासन-प्राणायाम करने से शरीर के भीतर हार्मोन संतुलन कायम करने में मदद मिलती है। योगासन, खासतौर से प्राणायाम तनाव दूर करने में काफी मददगार हैं। किसी योग विशेषज्ञ से परामर्श लेकर अपने अनुकूल योगासनों का चयन करना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार जिन्हें समय कम मिल पाता हो, वे 15 मिनट तक रोज सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं करें।

कोरोना का खतरा विश्वव्यापी बन गया है। डॉक्टर और वैज्ञानिकों का दावा है कि इम्यूनिटी के कमजोर होने से कोरोना का खतरा अधिक बढ़ जाएगा। रोग प्रतिरोधक क्षमता हमें कई बीमारियों से बचा के रखती है। छोटी-मोटी ऐसी कई बीमारियां होती हैं जिनसे हमारा शरीर खुद ही निपट लेता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर बीमारियों का असर जल्दी होता है।

खतरा उन्हें भी ज्यादा है जो बच्चे बहुत जल्दी-जल्दी बीमार पड़ते हैं। जाहिर है इसका कारण उनकी इम्यूनिटी का कमजोर होना है। कमजोर इम्यून सिस्टम वाले बच्चों को मौसम बदलते ही सर्दी , खांसी, काम, बुखार जैसी समस्याएं होनी शुरू हो जाती हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कई तरह के बैक्टीरियल संक्रमण, फंगस संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। इन बातों से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि इम्यून पावर के कमजोर होने पर बीमार होने की आशंका बढ़ जाती है. बच्चों को संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा होता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए जरूरी है कि अच्छी नींद ली जाए। बच्चे की इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए जरूरी है कि वो रोजाना पूरी नींद ले। रात में देर तक जागने से हमारी इम्यूनिटी लॉस होने लगती है। बच्चों को कम से कम 9 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ज्यादातर बीमारियां खानपान की वजह से पैदा होती हैं। अगर आपका खानपान ठीक नहीं है तो भी आपकी इम्यूनिटी कम होने लगती है और आप जल्द ही बीमारियों की चपेट में आने लगते हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

एनआरसी भी ऐसे

एनआरसी भी ऐसे लागू होगा मित्रों ,अभी तो सिर्फ बंगला ही खाली करवाया है ,आगे आगे देखना .....!! किसी को सिर्फ इसलिये बख्शा नहीं जायेगा कि उसकी नाक दादी से मिलती है। इसलिये अर्थशास्त्री और रक्षा विशेषज्ञ बनने की बजाय कागज ढूंढो पिंचरवालों।

- अजय सरस्वती श्रीवास्तव

चेहरे पर चेहरा बनाते

चेहरे पर चेहरा बनाते हैं लोग पता नहीं दरअसल क्या छुपाते हैं लोग मेरी मौत के बाद पता चला हथियार किसी अपने ने दिया था अब दरवाजों के पीछे क्या छुपाते हैं लोग मेरे टूटे हुए शरीर में दरार नजर ना आई अब सुराख भरकर क्या जताते हैं लोग कसमे वादे होते हैं आखिर तक साथ के ये सब वहम है दिल का ये सब कहां निभाते हैं लोग।

- प्रवीण माटी

खास पाती | सबकी अपनी जरूरतें सबकी

सबकी अपनी जरूरतें सबकी अपनी हसरतें सबकी अपनी चाहतें सब ,का सब ,कुछ तो है. तुम बताओ, तुम्हारी जरूरतें तुम्हारी हसरतें तुम्हारी चाहतों. का कोई महत्व हैं. बताओ तुम,अपने आप को कैसा विश्लेषित करती हो जीता हुआ, या खुद से ,खुद में हारा हुआ स्त्री जीत कर भी हार जाती है और वो है,कि हार कर भी जीत जाते है वैसे रिश्तों में हार -जीत का कोई मोल नहीं होता हैं तराजू सा तौल नहीं होता हैं रिश्तें पनपते है प्यार से परस्पर प्रेम से विश्वास से. और सींचे जाते है. समर्पण से जहाँ रिश्तों में प्यार नहीं समर्पण के भाव नहीं विश्वास नहीं वहाँ रिश्तें निभाए नहीं जाते रिश्तों को ढोया जाता हैं और जब रिश्तें ढोये जाते है। वहां रिश्तों के हवनकुण्ड में दहन होते हैं सपनें आरजूए इच्छाए और हां एक स्त्री का स्त्रीत्व भी।-**ममता श्री सिंह**

तुम मुझसे कुछ भी कह दोगे ऐसा

तुम मुझसे कुछ भी कह दोगे ऐसा थोड़े होता है। रोज़ रोज़ यूं इश्क़ में ऐसे झगड़ा थोड़े होता है। अगर मुहब्बत सच्ची है तो दूरी बहुत जुरूरी है दिन भर बातें करते रहना अच्छा थोड़े होता है। कहने को तो दरिया ही लोगों की प्यास बुझाता है लेकिन दरिया सागर जितना गहरा थोड़े होता है। इश्क़ करोगे दर्द सहोगे तब ग़ज़लें हो पाएंगी बिना इश्क़ के कोई शाइर अच्छा थोड़े होता है। मतला बह्र रदीफ़ काफ़िया सब ग़ज़लों में होते हैं लेकिन राहुल की ग़ज़लों में मक़्ता थोड़े होता है। - **राहुल कुम्भकार**

मन बेकल मौसम सुहावना ढूंढे हैं

मन बेकल मौसम सुहावना ढूंढे हैं तुझे !! नैन आतुर पाए न कहीं ठौर उफ्फ़ ये दौर !! आओ साजन आने को है सावन मनभावन !! गाये पपीहा भाये मन के गीत ओ मनमीत !!

बारिश में हज़म हो सके वैसा

बारिश में हज़म हो सके वैसा हल्का खाना लेना चाहिए । ये कोई बोलने की बात नहीं है पचने में सबसे हल्का पानी होता है ?? पानी पे अगर तेल डालो तो वो तैरता है मतलब तेल पानी से भी हल्का है !!?? उसी तेल में अगर पकोड़े डालो तो वो तुरंत ही ऊपर तैरते है ! मतलब पकोड़े तेल से भी हल्के। इसका मतलब ये हुआ की पचने में सबसे हल्के पकोड़े हुए। तो बारिश में खूब पकोड़े खाएं, बादल गरज रहे है बारिश आ जाये बस अब। - **रेणु जैन**

रात अंधेरी और ,दिन उजाला है

रात अंधेरी और ,दिन उजाला है कमाल गजब का ,वह कर डाला है आफत में दो रोटी , देने का वादा किया है उसने जो,छीना सबके निवाला है फन फैलाया सांप जब,तभी लगा डर उसको सांप के बच्चों को ,जिसने खूब पाला है देखा नही जाते ,कभी उसे मयखाने में फिर भी लगता टुन्न ,अजीब वो मतवाला है घोषणा राहत की,लगता जैसे कोई सौदा हो लगते कम सरकार यहां,लगते ज्यादा लाला है। - **संत आर थवाईत**

तुझसे ऐ जिंदगी- मलाल कहां ?

तुझसे ऐ जिंदगी- मलाल कहां ? सब्र है अब कोई- सवाल कहां? भूल जा मुझको -जब कहा तुने दिन से उस तेरा कोई खयाल कहां? इक अंधेरे की जद में मेरा घर तू नहीं पास तो ज़लाल कहां? - **वंदना मोदी गोयल**

मोहब्बत और बारिश दोनों का

मोहब्बत और बारिश दोनों का अपना हहै एक अलग नशा होता है दोनों ही भिगोती है, तरसाती है, तड़पाती है, सुकून देती है, बात उलझ जाये तो आज न सुलझइयो बात जो सुलझइयो तो खुद भी उलझ जइयो। - **अनामिका चक्रवर्ती**

QUIZ TIME

1) विश्व का सबसे ऊँचा मौसम केन्द्र निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थापित किया गया है?

(क) माउण्ट कैलाश (ख) सियाचिन (ग) माउण्ट एवरेस्ट

2) 5 जून, 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस पर किस देश ने जंगल को जीवित इकाई के रूप में मान्यता प्रदान करने की घोषणा की? (अल सल्वाडोर / ग्वाटेमाला)

3) 'माई लाइफमाई मिशन ' किसकी आत्मकथा?

4) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किस शहर में सभी पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृति में म्यूजियम बनाने की घोषणा की है?

5) मोर के पंख को क्या कहते है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) माउण्ट एवरेस्ट (2) अल सल्वाडोर (3) बाबा रामदेव (4) दिल्ली (5) तुर्रा

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1658 - मुगल शासक औरंगजेब ने अपने बड़े भाई मुराद बख्श को बंदी बनाया। 1924 - ब्राजील के साउ पाउलो में सैन्य विद्रोह हुआ। 1945 - लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के संसदीय चुनावों में विजय हासिल की। 1947 - भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 को ब्रिटेन की संसद में प्रस्तुत किया गया जिसे बाद में शाही स्वीकृति मिल गई। 1954 - बीबीसी ने पहला टेलीविज़न प्रसारण किया। इसकी अवधि 20 मिनट थी और इसे पहले से बनाकर तैयार किया गया था। 1954 - आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट की स्थापना हुई। 1968 - भारत की पहली पनडुब्बी सोवियत रूस से पहुंची। 1975 - 31 साल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी आर्थर ऐश पांच जुलाई 1975 को विंबलडन की एकल प्रतियोगिता जीतने वाले पहले अश्वेत बने।

न्यूज गैलरी

साईं मंदिर में आज गुरुपूर्णिमा का पर्व

दुर्ग। कसारीडीह सिविल लाइन स्थित प्रसिद्ध श्री साईं बाबा मंदिर में 5 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 7 बजे श्री साईंबाबा का महाभिषेकए सुबह 9 बजे हवन पूजन व आरती का जाएगी। इसके अलावा श्री साईंबाबा सचरित्र का अखंडपाठ भी किया जाएगा। पर्व पर मंदिर सुबह 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहेगा। कोरोना संक्रमण के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था किए गए है। मास्क व सेनीटाइजर के उपयोग बगैर श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए श्रद्धालुओं को श्री साईं बाबा के दर्शन का लाभ मिलेगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ व सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल ने गुरुपूर्णिमा पर्व पर श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की गई है।

श्रद्धांजलि

कुम्हारी। रेडियो के श्रोता कोरोना महामारी के चलते चार महीने बाद एकत्र हुए। जिसमें उन्होंने सिनेमा जगत के विगत दिनों प्रसिद्ध अभिनेता इरफान खान, ऋषि कपूर, सुशांत सिंह राजपूत एवं सिने कोरियोग्राफर सरोज खान का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सभी कलाकारों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उक्त बैठक में आरसी कामड़े, ईश्वरी प्रसाद साहू, परसराम साहू, अशोक श्याम कुंवर, प्रताप पांडेय, डॉ नौशाद सिद्दिकी, संजय साहू, संतोष नामदेव आदि उपस्थित रहे।

वेतन वृद्धि का मिला लाभ

रिसाली। अपर कलेक्टर व निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों का माह जून का वेतन भुगतान 1 जुलाई को बैंक भेज दिया है। निगम के 15 कर्मचारियों का स्वीकृत समयमान वेतन वृद्धि को माह जून 2020 के वेतन के साथ जोड़कर भुगतान हेतू बैंक को भेजा गया। कर्मचारियों मे खुशी की लहर है।

रिसाली में होगा नागरिक सुविधाओं का विस्तार

मंत्री साहू ने ली प्रशासन व बीएसपी के अधिकारियों की बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। रिसाली निगम में उपयोगी अधोसंरचनाओं के लिए एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए आज सर्किट हाउस में हुई बैठक में खाका खींचा गया। बैठक में गृह एवं लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू ने इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला प्रशासन और बीएसपी के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने बैठक में रिसाली में आने वाले समय में प्रस्तावित कार्यों एवं आवश्यक अधोसंरचना की विस्तार से जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि रिसाली निगम में बेहतरीन अधोसंरचना हो। नागरिक सुविधाओं का पर्याप्त विस्तार हो। इसके साथ ही नागरिक जीवन के लिए उपयोगी मनोरंजन की भी अधोसंरचना हो इस पर फोकस करें। इसके लिए बीएसपी के वार्ड 42 नेवई एवं वार्ड 43 स्टेशन मरोदा की भूमि के हस्तांतरण पर चर्चा की गई। बैठक में बीएसपी के सीईओ अनिर्बन दास गुप्ता ने विस्तार से इस बाबत वस्तुस्थिति की जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी और बीएसपी प्रबंधन मिलकर जमीनों का चिन्हांकन कर लें। जिला प्रशासन उन अधोसंरचनाओं की सूची दे और उनके आवश्यक भूमि की जानकारी भी दे। इसके पश्चात हस्तांतरण से संबंधित प्रक्रिया पर काम हो। बैठक में निगम अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए क्वार्टर के संबंध में भी चर्चा हुई। उन्हें रूआबांधा, मरोदा सेक्टर, रिसाली सेक्टर उत्तर, सेक्टर दक्षिण में क्वार्टर दिये जाने के संबंध में चर्चा हुई। निगम कार्यालय संचालन हेतु स्कूल भवन के आवंटन के विषय में भी चर्चा हुई। बैठक में रोड पानी एवं अन्य तरह की संरचनाओं के संबंध में बीएसपी के एनओसी प्रदाय किये जाने के संबंध में भी चर्चा हुई। बीएसपी प्रबंधन जिला प्रशासन के साथ मिलकर लोगों की बेहतरी के लिए प्लान करें। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सीएसआर की गतिविधियां चलाएं। उन्होंने कहा कि रिसाली निगम का गठन यहां नागरिक सुविधाओं के तेजी से विस्तार के लिए किया गया है। बीएसपी प्रबंधन और जिला प्रशासन बेहतर समन्वय से कार्य करें। इससे रिसाली का विकास तेजी से हो पाएगा। मंत्री ने बैठक में निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे से रिसाली नगर निगम में वर्तमान में चल रही गतिविधियों के संबंध में भी पूछा।

खाट में पहुंचा कलेक्ट्रेट

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। प्रताड़ना से परेशान पैरालिसिस पीड़ित इंदिरा नगर चटाई क्वार्टर कैम्प . 2 भिलाई निवासी भरतलाल गौर शनिवार को न्याय की मांग को लेकर खाट में सोकर कलेक्ट्रेट परिसर पहुँचा। कलेक्ट्रेट में उसके इस सांकेतिक विरोध की खबर से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। फ्लस्वरूप दुर्ग सीएसपी विवेक शुक्ला व पुलिस के अन्य अधिकारियों ने पीड़ित को समझाईश देकर शांत करवाया और उसके मामले में उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया।

पीड़ित भरतलाल गौर ने पुलिस को बताया कि भाई के साथ उसका जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। इस विवाद में तीसरा पक्ष समीम अख्तर हस्तक्षेप कर हमारे परिवार को परेशान कर प्रताड़ित कर रहा है।

उसकी हरकतों से मेरी पुत्री भी परेशान है। पुत्री को वह बदनाम करने की लगातार धमकी दे रहा है। छावनी पुलिस थाना में इसकी शिकायत की गई हैए लेकिन समीम अख्तर के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने से उसके हौसले और बढ़ गए हैं।

इस संबंध में पीड़ित भरतलाल गौर ने एएसपी के नाम सीएसपी विवेक शुक्ला को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। दुर्ग सीएसपी विवेक शुक्ला द्वारा पीड़ित भरतलाल गौर को उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया। जिसके बाद पीड़ित भरतलाल गौर अपनी पुत्री के साथ घर के लिए वापस रवाना हुआ।

नवीन निगम के विजिट में पहुंचे कलेक्टर

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे ने निगम कार्यालय विजिट कर निगम क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों व राज्य शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं की आयुक्त कक्ष में समीक्षा बैठक की इस दौरान कलेक्टर डॉ. भूरे ने विभिन्न योजनाओं एवं मदों के अंतर्गत क्रियान्वित निर्माण कार्यो की प्रगति की भी समीक्षा की व निश्चित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण मानक के साथ शीघ्र ही पूर्ण करने के निर्देश निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे को दिए। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिले में 06 जुलाई को आयोजित वृक्षारोपण अभियान के तहत क्षेत्रों में भी वृहद स्तर पर सघन वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने समाज के सभी वर्गों को जोड़कर जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश आयुक्त को दिये। इस हेतु रोपित पौधों की सुरक्षा हेतु आवश्यक उपाय करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने वार्डों में तीन नए मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय अतिशीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता आरके साहू को दिए है ताकि उस वार्ड के रहवासियों की समस्या का त्वरित निराकरण हो। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य योजना की भी जानकारी प्राप्त की इस हेतु निगम व आयुक्त स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में राज्य शासन की महंती योजना गौठान निर्माण व पौनी पसारी योजना को अतिशीघ्र पूर्ण करने निर्देश दिए।

जामुल में ली जानकारी

नगर पालिका कार्यालय में कलेक्टर भुरे का आगमन हुआ। कलेक्टर द्वारा पालिका में जल आवर्धन योजना की जानकारी ली गई। नपा अध्यक्ष सरोजनी चन्द्राकर ने बताया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि हमारे जिले का कलेक्टर हमारे पालिका कार्यालय में बैठकर विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। श्रीमती चन्द्राकर ने बताया कि पालिका में विभिन्न योजना क्रियान्वयन हो रहा है जिसको कलेक्टर द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है। जिससे कार्यों में प्रगति आएगी। कलेक्टर से पाईप लाईन, विद्युत पोलों के संबंध में चर्चा की गई। जिसमें पूर्ण रूप से आशवस्त किया गया।

कोरोना से निपटने घर-घर सर्वे

आयुक्त ऋतुराज ने दिए निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे एवं निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी द्वारा प्रदत्त निर्देश के परिपालन मे समस्त जोन द्वारा कोरोना से निपटने घर.घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। नेहरु नगर जोन 1 के जोन आयुक्त सुनील अग्रहरि ने निगम के अमले एवं कोविड कंट्रोल से जुड़े आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की अहम बैठक ली और लगातार आरोग्य सेतु पर नजर रख रहे हैं, इसी प्रकार से अन्य जोन भी बैठक लेकर कोरोना से निपटने मुस्तैद हैं। जो संभावित हाटस्पाट और इमर्जिंग हाटस्पाट हैं वहां पर कोरोना संक्रमण की आशंका से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से और दक्षतापूर्ण कार्य करने निगम ने कमर कस ली है। कोरोनावायरस से निपटने के लिए इन बातों पर निगम भिलाई द्वारा की विशेष तौर पर कार्य किया जा रहा है। इनमें सबसे पहला है क्वारंटीन सेंटर और होम क्वारंटीन पर रह रहे लोगों की स्ट्रिक्ट मानिटरिंग। इसके लिए लगे लोगों से लगातार फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है साथ ही दिन में 4 बार ऐसे लोगों का निरीक्षण कर फोटोग्राफ भी मंगाए जा रहे। आसपास के लोगों से भी होम आइसोलेशन के दौरान घरों से इनके निकलने की जानकारी एकत्रित की जा रही है। दूसरी प्रमुख बात पर जोर देते हुए जो लोग बाहर से आ रहे हैं। विदेशों में बसे लोग भी अपने घरों में लौट रहे हैं। इनके क्वारंटीन की स्ट्रिक्ट मानिटरिंग की जा रही है। श्री रघुवंशी ने निर्देश दिए हैं कि बाहर से आ रहे किसी भी व्यक्ति की जानकारी में चूक ना हो।

इनका क्या कहना है...

प्रशासन के निर्देश पर कोरोना प्रभावितों की पतासाजी के लिए घर-घर सर्वे का कार्य शुरु कर दिया गया हैं। इसके लिए निगम की टीम के साथ आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता भी मुस्तैदी से सक्रिय हो गए है। **सुनील अग्रहरि**, जोन आयुक्त

जैन शिक्षण के बच्चों का बेहतर प्रदर्शन

70 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

नवप्रदेश संवाददाता

नगपुरा (दुर्ग)। श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ परिसर में जैन शिक्षण अकादमी द्वारा संचालित वर्धमान गुरूकुल का शैक्षणिक सत्र 2019-20 का बोर्ड हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम 23 जून को प्रातः 11 बजे घोषित हुआ। हाईस्कूल में कुमारी मेनका मोहबेकर ने 93.33 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, कुमारी मेघा गजपाल ने 91 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान एवं कु. योगिता उपाध्याय ने 89.50 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कुल दर्ज में से 75 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विद्यालय में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 92.85 प्रतिशत रहा। हायर सेकेण्डरी में कुलदीप वर्मा ने 87.60 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, देवांश यादव ने 85.80 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान एवं रक्षित यादव ने 82.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुल दर्ज में से 70 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम श्रेणी मेंउत्तीर्ण हुए। विद्यालय में 12वीं का परीक्षा परिणाम 81 प्रतिशत रहा।

विद्यालय के सचिव संतोष यादव, प्रशासक भूपेन्द्र गोस्वामी, प्राचार्य गणेशराम देशमुख परीक्षा प्रभारी डिकेश्वर शर्मा, कार्यालय प्रमुख विजय सेठ एवं समस्त आचार्य, आचार्या ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

कांग्रेस ने मनाई विवेकानंद की 118 वीं जयंती

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत विवेकानंद की 118 पुण्यतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा विवेकानंद सभागार में मनाई गई। सर्वप्रथम विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उद्बोधन में महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा विवेकानंद ने जीवन जीने की कला सिखाई युवाओं को देश प्रेम के लिए प्रेरित किया उन्होंने जीवन को किस तरीके से जिया जाए इसका वर्णन कर दुनिया को अध्यात्म की ओर जाने के लिए प्रेरित किया। पूर्व जिला अध्यक्ष आरएन वर्मा ने कहा कि हमें विवेकानंद के जीवन से जीवन जीने की शैली व देश प्रेम की भावना सीखने को मिलती है एक और जहां धर्म संसद में विवेकानंद जी ने यह बताने की कोशिश की की पूरी दुनिया एक है और दुनिया के सभी प्राणी एक है। सभापति राजेश यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि विवेकानंद ने एक मूल मंत्र दिया उठो चलो तब तक चलो जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त होगा। विवेकानंद की लिखी किताबें प्रेरणादायक है। सभा का संचालन मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अल्ताफ अहमद एवं आभार प्रदर्शन अजय मिश्रा ने किया। सभा में मदन जैन, रत्ना रामदेव, राजकुमार पाली, प्रवक्ता सुशील भारद्वाज, शिवाकांत तिवारी, हामिद खोखर, पाशी अली, रोहित ताम्रकार, विकास यादव, राजेश ताम्रकार, प्रकाश भारद्वाज, विजेंद्र भारद्वाज, वेंकट गौरव सेन उपस्थित थे।

भूमिपूजन... फरीद नगर में गुर्जर समाज के लिए बनेगा बाउंड्री वाल और नाली निर्माण।

बटालियन के सामने बनेगा एसएलआरएम सेंटर

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बटालियन के सामने शराब भट्ठी के पास एसएलआरएम सेंटर का निर्माण 25 लाख की लागत से किया जाएगा वही वार्ड 7 फरीद नगर में गुर्जर समाज के लिए बाउंड्री वाल निर्माण एवं नाली निर्माण 14 लाख की लागत से होगा। महापौर एवं विधायक देवेंद्र यादव ने भूमि पूजन कर कार्य की शुरुआत कर दी है। जल्द ही बटालियन के सामने एसएलआरएम सेंटर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। बटालियन के समीप निगम के खाली पड़ी जमीन में कचरा पृथक्कीरण केंद्र बनाया जाएगा! शहर से निकलने वाले कचरे को इस सेंटर में पृथक्कीरण का कार्य किया जाएगा। एसएलआरएम सेंटर बनने से कचरे के निष्पादन की प्रक्रिया में और भी तेजी आएगी। एसएलआरएम सेंटर के निर्माण से कचरो का बेहतर निष्पादन उचित ढंग से किया जा सकता है।

निगम भिलाई स्वच्छता की ओर सदैव अग्रसर है और स्वच्छता के लिए नित्य नए कार्य निगम द्वारा किए जाते रहे हैं। गुर्जर समाज की पुरानी मांग को महापौर ने किया पूरा गुर्जर समाज की काफी पुरानी मांग थी कि समाज के लिए एक सुरक्षित स्थल के साथ ही बाउंड्री वॉल एवं नाली निर्माण हो। महापौर द्वारा आज बाउंड्री वॉल एवं नाली निर्माण के लिए भूमि पूजन कर समाज के लोगों को सौगात दी है। गुर्जर समाज के मीडिया प्रभारी हरिओम चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि रतीलाल चौहान एवं विनोद चौहान ने समाज के हित को ध्यान में रखते हुए अपनी जमीन समाज के लिए दी है। भूमिपूजन कार्यक्रम में तुलसी साहू एवं केशव चौबे, महापौर परिषद सदस्य सोशल लोगन, एल्डरमैन मोहम्मद शादाब एवं उपअभियंता अरविंद शर्मा उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम श्री रंजीत सिंह — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202006100400965

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक रंजीत सिंह आ. श्री नरेन्द्र सिंह निवासी एम.आई.जी. 1/18 हुडको भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह.व जिला दुर्ग	257/70	0.020 हें 2150 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 25.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-2/ 2019-20

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री राजेन्द्र तिवारी आ. श्री बैजनाथ तिवारी निवासी कैलाश नगर कुम्हारी तह. धमधा जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम/शहर कुम्हारी प.ह.न. 53 में स्थित भूमि स्वामी हक भूमि खसरा नंबर 306/112, 306/32, 306/98 रकबा 0.048 हें/ 5692 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु पुनः निर्धारण के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, धमधा जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्रं./अ-06/वर्ष 2019-20

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डगर राम आ. फुदुकराम निवासी कुटेलाभाठा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम उतई 42 तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1363/4 रकबा 1.1600 हे. भूमि जो कि के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी के सहखातेदार रुपेन्द्र की मृत्यु दिनांक 06.06.2020 को हो जाने पर फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 07.07.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 22.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक आफताब आलम आ. साहीद कलाम साकिन भिलाई द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 274/7/34 रकबा 220 वर्गफीट हे. को रजिस्टर्ड के माध्यम से विक्रेता सत्येन्द्र कुमार साहू आ. श्यामसुंदर साहू से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23.07.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक अनिल कुमार यादव आ. स्वामीनाथ यादव साकिन कोरिया द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 877/14 रकबा 400 वर्गफीट हे. को रजिस्टर्ड के माध्यम से विक्रेता बिसाहूराम आ. खोरबाहरा से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23.07.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती भारती साहू आ. राजेन्द्र कुमार साहू साकिन बालोद द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 226/17 रकबा 0.018 हे. को रजिस्टर्ड के माध्यम से विक्रेता हिना कुकरेजा आ. सी.जे. कुकरेजा से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.07.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनू यादव पिता गोविंद यादव निवासी बैगापारा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 948/9 रकबा 0.0130 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार कुमारी यादव पति गोविंदराम यादव की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 22.07.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.07.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र.//अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिखर कुमार मेश्राम पिता विजय कुमार मेश्राम निवासी वार्ड 11 तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने हक की क्रय शुदा भूमि ग्राम बोरई प.ह.नं. 03 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नबर 162/1 रकबा 0.6000 हे. भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता रामरतन पिता स्व. बुधलाल अन्य 2 के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 21.07.2020 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति/आक्षेप पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 01.07.2020 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से यह उद्घोषणा पत्र प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक मो. सरफराज आ. खालिद मोहम्मद साकिन भिलाई द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 274/7/34 रकबा 220 वर्गफीट हे. को रजिस्टर्ड के माध्यम से विक्रेता सत्येन्द्र कुमार आ. श्याम सुंदर से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23.07.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-20(3) वर्ष 2019-20

आवेदक किशनलाल पटेल आ. स्व. देवनाथ पटेल निवासी प्रेमनगर सिकोलाभाठा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग में स्थित नजूल शीट क्रमांक 71 ए प्लाट क्र 34/3 क्षेत्रफल 43.12 वर्गमीटर भूमि धारक शत्रुहन आ. दशरथ निवासी सिकोलाबस्ती के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। आवेदक उक्त भूखण्ड धारक से पंजीकृत बैनामा दिनांक 06.06.2020 द्वारा क्रय कर काबिज है। आवेदक द्वारा पंजीकृत बैनामा के आधार पर विक्रेता/ धारक उक्त भूखण्ड से विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 20.07.2020 या इसके पुर्व इस न्यायालय में स्वतःया किसी अधिकृत व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भूखण्ड संबंधी जानकारी हो प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। इसके पश्चात् प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.06.2020 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक टीकाराम साहू पिता रामअवतार साहू निवासी शंकर नगर दुर्ग मौजा बघेरा प.ह.नं. 7 अ रा.नि.मं. दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 331/6 रकबा 0.075 हे. भूमि को विक्रेता/ आम मुख्तयार टिकाराम साहू पिता राम अवसार से दिनांक 07.08.2019 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 10.07.2020 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 18.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रफुल्ल गुप्ता अन्य 2 पिता स्व. रामलखन गुप्ता निवासी ग्राम पद्मनाभपुर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1313/69 रकबा 0.186 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार/ वसीयतकर्ता राम लखन गुप्ता आ. बलदेव प्रसाद के द्वारा आवेदक के पक्ष में दिनांक 06.09.2016 को पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। वसीयतकर्ता की मृत्यु हो जाने पर पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 23.07.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.0.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर में लाखों का स्टाप डेम चढ़ा भ्रष्ट्राचार की भेंट

दो वर्ष पहले टुटकर नीचले हिस्सा बहा, सिंचाई विभाग में शिकायत करने के बाद भी विभाग के जिम्मेदारों ने झांककर देखना पंसद नहीं किया

- अब मामले की शिकायत गरियाबंद जिला के कलेक्टर से करेंगें

नवप्रदेश संवाददाता

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर की नदी मे सिंचाई विभाग द्वारा दो दशक पहले लाखो रूपये की लागत से स्टाप डेम का निर्माण किया गया है लेकिन स्टाप डेम का नीचले हिस्सा बारिश के पानी मे टूटकर बह गया और अपने साथ किनारे मे लगे हैण्डपंप को भी उखाड़ डाला है जिससे पेयजल की गंभीर समस्या मोहल्ले मे उत्पन्न हो गई है,ज्ञात हो कि दो वर्ष पहले मैनपुर तहसील मुख्यालय नगर के नदी में बने स्टाप डेम क्षतिग्रस्त होकर टुट गया, और स्टाप डेम के क्षतिग्रस्त होने से बारिश का पानी का बहाव इतना तेज हो जाता है कि यह पुरा मोहल्ला पानी में भर जाता है घरो के भीतर पानी घुस जाता है, पिछले वर्ष तो रेस्क्यूं ऑपरेशन चलाकर कुछ ग्रामीणों को घरो से बाहर सुरक्षित निकाला गया था, कई बार नगर के लोगो ने सिचाई विभाग के अधिकारियों से इस टुट चुके स्टाप डेम की मरम्मत करने की मांग कर चुके है, लेकिन सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा इसकी मरम्मत तो दुर अब तक इस ओर झांक कर देखना भी पंसद नही किया है जिसके चलते लोगो में भारी आक्रोश देखा जा रहा है, फिर बारिश

प्रारंभ हो गई मोहल्ले के लोगो में बाढ के पानी से दहशत देखने को मिल रहा है, बडी जोरदार बारिश होने पर रात भर मोहल्लेवासियों को रतजगा करना पडता है, इस मामले को लेकर मैनपुर के लोगो ने गरियाबंद जिला के कलेक्टर छतरसिंह डेहरे, जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार लंगेह एंव मैनपुर अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम से मांग किया है, तत्काल इस टुट चुके क्षतिग्रस्त स्टाप डेम की मरम्मत करावाई जाए नही तो आने वाले बारिश के दिनो में बडी गंभीर दुर्घटना घटने की अंदेशा बनी हुई है,स्टाप डेम मोहल्ले के लोगो ने बताया क्षतिग्रस्त हो चुके स्टाप डेम कि जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियो को देने के बावजूद अब तक सूध लेने वाला कोई नहीं पहुंचा है, ज्ञात हो दो वर्ष पहले ही बारिश से पहले यह अंदेशा जाहीर किया था कि यह स्टाप डेम बारिश से क्षतिग्रस्त हो सकता है बावजूद इसके सिंचाई विभाग के अधिकारियो ने इसके मरम्मत के तरफ ध्यान नहीं दिया और बारिश मे यह स्टाप डेम का नीचले हिस्सा टूटकर जमींदोज हो गया है, स्टाप डेम मोहल्लेवासियो ने बताया कि सिंचाई विभाग ने 18 वर्ष पहले यहां स्टाप डेम का निर्माण तो करवा दिया लेकिन निर्माण के बाद इस स्टाप डेम के तरफकभी भी मुड़कर नहीं देखे और पिछले वर्ष बारिश मे ही स्टाप डेम का कटाव बड़ गया था, इस वर्ष हुए बारिश मे स्टाप डेम के दोनो तरफ के पिल्हर पूरी तरह टूट गया और स्टाप डेम का निचला हिस्सा टूटकर बह गया इसके साथ ही स्टाप डेम के किनारे मोहल्ले का एक मात्र हैण्डपंप भी उखड़ गया है जिसके कारण अब हैण्डपंप से पानी नहीं निकल रहा है और तो और मोहल्ले के लोगो को दूसरे मोहल्ले दूर से पानी लाना पड़ रहा है, मोहल्लेवासी लखन बाम्बोड़े, लोचन चक्रधारी, दुर्योधन नागेश, जगदीश नागेश, अमन बाम्बोड़े, यशवंत विश्वकर्मा, सुनील बाम्बोड़े ने बताया कि स्टाप डेम के टूटने से हैण्डपंप भी उसके चपेट मे आ गया और मोहल्ले मे पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है और इस स्टाप डेम के क्षतिग्रस्त होने से अब मोहल्ले मे बारिश मे डर बना हुआ है, मोहल्ले वासियो ने बताया इसकी शिकायत सिंचाई विभाग के अधिकारियो से कर चुके है लेकिन कोई भी अधिकारी अब तक देखने तक नही पहुंचा है और तो और सिंचाई के लिए बनाये गये केनाल की सफाई नहीं करने से मल्बा और कचरा भर जाने से बारिश का पानी घरो मे घुंस जाता है और हमेशा खतरा बना रहता है।

> दो वर्ष पहले बारिश में स्टाप डेम का नीचले हिस्सा टुटकर बह गया जिसका मरम्मत के लिए स्टीमेंट बनाकर भेजा जा चुका है।
>
> **श्री पाठक,** सब इंजिनियर, सिचाई विभाग

न्यूज गैलरी

न्यायाधीश ने किया बलराम वाटिका में वृक्षारोपण

साजा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित साजा के आश्रित ग्राम डोंगीतराई में स्थित बलराम वाटिका में व्यवहार न्यायलय की न्यायधीश सुश्री सीमा कंवर ने समिति अध्यक्ष संचालक मंडल के आमंत्रण पर वाटिका परिसर पहुँच फलदार चीकू का पौधा लगाया। इस दौरान समिति अध्यक्ष कृष्णा राठी, उपाध्यक्ष बल्ला पटेल, महिला उपाध्यक्ष चित्ररेखा वर्मा, संचालक रामाधार वर्मा, सन्तु राम साहू, नगर पंचायत साजा के एल्डरमेन जितेंद्र जैन उपस्थित थे। इस दौरान न्यायधीश ने ग्राम के शीतला मन्दिर शिव मंदिर में दर्शन कर पौध रोपण किया। न्यायधीश सुश्री कंवर ने बलराम वाटिका परिसर का निरीक्षण किया। बलराम गौ सदन को भी देख खुशी जाहिर करते हुए समिति अध्यक्ष उपाध्यक्ष को बधाई दी और वाटिका परिसर की सुंदरता को आकर्षक बताया।

मोहगांव सोसायटी में किया गया फलदार पौधों का रोपण

बेमेतरा/साजा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोहगांव के कार्यालय परिसर में समिति अध्यक्ष हेमंत साहू, समिति प्रबंधक नारद वर्मा ने फलदार पौधों का रोपण किया। अध्यक्ष हेमंत साहू ने बताया कि पौधा रोपण से समिति में आने वाले किसानों को भरपूर छाया, ठंडी हवा, फलों का भी आनंद मिलेगा। वृक्षारोपण से हरियाली बनी रहेंगी साथ ही वातावरण व जल स्त्रोत भी अच्छा बना रहेगा।

मोहगांव सोसायटी में लगा किसानों के लिए सेनिटाइजर मशीन

बेमेतरा/साजा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोहगांव के कार्यालय परिसर में किसानों के लिए सेनेटाइजर मशीन लगाया गया है। गौरतलब हो कि कोरोना संक्रमण के चलते सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्यालय में कार्यरत व कृषि कार्यो के लिए आने वाले किसानों को अब प्रवेश पूर्व सेनेटाइजर उपयोग करना होगा। जिससे सुरक्षा बचाव बना रहे। उक्त मशीन को समिति अध्यक्ष हेमंत साहू, समिति प्रबंधक नारद वर्मा ने किसानों व समिति के कर्मचारियों की उपस्थिति में शुभारम्भ किया।

कृषि मंत्री चौबे ने गृहग्राम मौहाभाठा में ली अधिकारियों की बैठक

बेमेतरा/साजा। कृषि मंत्री व क्षेत्रीय विधायक रविन्द्र भैया ने अपने गृहग्राम मौहाभाठा निवास में बुधवार को अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें साजा विधानसभा में चल रहे विकास कार्यो, कृषि एवम अन्य योजनाओं पर जानकारी ली। साथ ही सभी अधिकारियों को सख्त हिदायत व निर्देश दिये कि गरीबों, किसानों, मजदूरों व अन्य सभी को कभी किसी भी कार्य के लिए अनावश्यक परेशान ना किया जाए तथा इनका कार्य तत्काल किया जाए। क्षेत्र के चुने हुए जनप्रतिनिधियों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। क्षेत्र में जो विकास कार्य स्वीकृत होते हैं उन्हें समय पर पूर्ण पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूरा कराने की बात पर जोर दिया। इस दौरान जपं सीईओ कांति ध्रुव, तहसीलदार टीएस खरे, एसडीओ आरईएस हंसराज साहू, पीओ रवि कराडे, मोहगांव सोसायटी अध्यक्ष हेमंत साहू, मौहाभाठा सरपंच प्रतिनिधि सुखीराम सोनकर सहित अन्य उपस्थित रहे।

खिलोरा रोड मे विकसित हो रहा है, ऑक्सीजोन

बेमेतरा/साजा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने बेमेतरा के सिंघौरी वार्ड के अंतर्गत खिलोरा रोड में पंचवटी (राम वाटिका) के पास लगभग 25 एकड़ में ऑक्सीजोन के लिए 5 हजार 390 पौधे रोपित किये गये थे, ये पौधे अब बढ़ने लगे हैं। जिला प्रशासन के जिला खनिज संस्थान न्यास (डी.एम.एफ) मद के अंतर्गत ऑक्सीजोन के लिए राशि स्वीकृत की गई थी। बेमेतरा एक मैदानी जिला होने के कारण यहाँ अधिक से अधिक संख्या मे वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जायेगा। लगभग दो-तीन वर्ष पहले ऑक्सीजोन में-नीम, करंज, अर्जुन, बेल, शिशु, बरगद, अमरूद, अमलतास, पीपल, पेल्टामार्फ, मौल श्री, पुत्र जीवस, कदम, जामुन, गरूण, कटहल, कचनार, आदि किस्म के पौधे रोपे गये है। यदि धरती के तापमान मे कमी लाना है तो ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाने होंगे।

भवन निर्माण के लिए वन विभाग ने हरे भरे वृक्षों को बिना अनुमति काट डाला

- वन अधिकारी कर्मचारियों ने अपने ही परिसर में कराया यह कार्य
- पेड़ कटवाने वाले अधिकारी कर्मचारियों की सजा की मांग ग्रामीणों ने की है

मैनपुर। शासन ने हजारों अमलो के साथ जिस विभाग का गठन कर वन और वन्य जीवो की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी थी आज वही विभाग अपने जिम्मेदारियों से मुकर रहा है वही काम कर रहा है जिसका उन्हें सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया था सीधे तौर पर देखा जाए तो मैनपुर वन परिसर इसका सीधा गवाह नजर आता है वन विभाग की जिम्मेदारी है कि गांव शहर तो शहर जंगलों तक में कोई पेड़ ना कटे आज स्थिति यह है कि वन विभाग अपने ही परिसर में लगाए गए मोटे ताजे बड़े कीमती पेड़ों को काटकर उसके स्थान पर भवन निर्माण करने की तैयारियो मे जुटा हुआ है यह अनुमति और मंजूरी किसने दिया यह समझ से परे है किंतु सीधे तौर पर नजर आता है कि वन विभाग ऐसे कृतियों में जुट गया है जिसका उसे खुद सुरक्षा का दायित्व दिया गया है ठीक वही आज वन्यजीवों की स्थिति भी बदतर हो चली है जिन वन्यजीवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी वन विभाग पर था उसकी सुरक्षा वे नहीं कर पा रहे हैं स्थिति यह हो गई है कि अगर सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं तो भी कम से कम ऐसे लोगों पर अंकुश लगाने का तो काम होना चाहिए था किंतु वह जिम्मेदारी भी वन विभाग नहीं निभा पा रहा है उसके बदले में पुलिस विभाग इन जिम्मेदारियों को निभाने में जुटा हुआ है जिसका उदाहरण मैनपुर वन परिसर में आसानी से देखा जा सकता है वन विभाग में कुछ भवन बनाने के लिए मोटे ताजे 4 पेड़ों को वन परिसर में ही काट दिया गया जिसे लेकर ग्रामीणों में भी आश्चर्य है वहीं जब विभाग ही अपने सामने अपने परिसर के अंदर वनों की इस तरह बेदर्दी से कटाई करेंगे तो आमजन व ग्रामीणों के बीच वनों की सुरक्षा को लेकर क्या संदेश जाएगा इसे आसानी से समझा जा सकता है इस इस कृत्य को देखने के बाद आमजन एवं बुद्धिजीवी वर्ग ने इसकी भरसना की है तथा वन विभाग को ऐसे कृत्यों से बचकर रहने की हिदायत देते हुए कहा है कि ऐसे दुस्हाहिता कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को सजा भी मिलनी चाहिए एक तरफ वन प्रशासन द्वारा गांव गांव लोगों को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. यहां तक कि लोगों को घरों तक पहुंचाकर पौधे बांटे जा रहे हैं. ताकि ग्रामीण ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें दूसरी तरफ तहसील मुख्यालय स्थित वन विभाग परिसर में हरे भरे कीमती वृक्षों को भवन निर्माण के लिए बलि दी जा रही है. जो नगर में जनचर्चा का विषय है. मिली जानकारी के अनुसार लाखों रूपये की लागत से वन धन केन्द्र का निर्माण वन विभाग परिसर निस्तारी डिपो में किया जा रहा है. यहां भवन निर्माण के लिए चार हरे भरे वृक्षों को काटा गया है.जबकि इस भवन का निर्माण यदि थोड़ा पीछे किया जाता को पेड़ों को काटने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

क्या कहते है अधिकारी

इस सबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी मैनपुर गणेशराम ठाकुर से चर्चा करने पर कहते है अभी पेड काटने की अनुमति प्राप्त नही हुआ किन्तु उचित माध्मय से आवेदन प्रेषित कर दिया गया है उम्मीद है कि जल्द ही अनुमति प्राप्त हो जाऐगी, यह पुछे जाने पर अनुमति न होने पर अगर वन विभाग ही पेड काट देगा तो उसे क्या नियमानुसार सजा मिलनी चाहिए जिस पर वे कुछ भी जवाद देने की स्थिति में नही है, वही ज्ञात हो कि कल इस सबंध में चर्चा करने पर वन परिक्षेत्र अधिकारी ने उच्च अधिकारियों से अनुमति के बाद पेड काटने की बात कही थी और आज दुसरे दिन अपने बयान से ही वे पलट गए ।

बेमतरा में आईसोलेशन सेन्टर/ कोविड केयर सेन्टर प्रारंभ

बेमेतरा/साजा। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने जिला मुख्यालय बेमेतरा मे आईसोलेशन सेन्टर/कोविड केयर सेन्टर प्रारंभ हो गया है। कलेक्टर शिव अनंत तायल ने आज सवेरे जिला चिकित्सालय परिसर स्थित 40 बिस्तरों वाले इस अस्पताल का शुभारंभ किया। इस अस्पताल मे सेन्ट्रल कमाण्ड रुम तथा अलग-अलग पुरुष वार्ड एवं महिला वार्ड बनाये गयें हैं, इन वार्डों का कलेक्टर ने मुआयना किया। आईसोलेशन सेन्टर/कोविड केयर सेन्टर अस्पताल के प्रारंभ होने से अब कोरोना संक्रमण की जाँच पीपीई कीट के जरिए होने लगेगी। इसके पहले बिना लक्षण वाले धनात्मक केस सेम्पल जाँच के लिए रायपुर एवं दुर्ग भेजा जाता था। शुभारंभ के मौके पर पुलिस अधिक्षक दिव्यांग कुमार पटेल, अपर कलेक्टर संजय कुमार दीवान, एएसपी विमल कुमार बैस, मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस के शर्मा, नवनियुक्त सिविल सर्जन सह-अस्पताल अधिक्षक डॉ. वन्दना भेले एवं कोविड-19 प्रभारी डॉ ज्योति जसाठी उपस्थित थे।

ब्लाक कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस ने धरना देकर फुंका मोदी का पुतला

- कांग्रेसियों ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- मोदी की कूटनीति के कारण बढ़ी हैं कीमतें

गंडई। कल शनिवार ब्लाक कांग्रेस कमेटी गंडई और युवा कांग्रेस विधानसभा के सयुंक्त तत्वावधान में बढते हुए पेट्रोल और डीजल के दामो को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन और पुतला दहन किया गया और मोदी सरकार से तत्काल बढ़े हुए पेट्रोल एवं डीजल के दाम को वापस लेने को कहा।कांग्रेस ने शनिवार को नगर के मुख्य चौक पर धरना-प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर इस्तीफा मांगा ।

पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ते दामों के विरोध में शनिवार को कांग्रेसियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसियों ने केन्द्र सरकार से पेट्रोल व डीजल के बढ़े हुए दाम वापस लेने की मांग की। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में लगातार वृद्धि के चलते प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर ब्लाक कांग्रेस कामेटी और युवा कांग्रेस विधानसभा के संयुक्त के द्वारा आयोजित धरना कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र के मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। धरना को संबोधित करते हुए गंडई के पूर्व जमीदार लाल टारकेश्वर शाह खुसरो ने कहा कि मोदी सरकार के कूटनीति के चलते आज डीजर पेट्रोल के मूल्यों में बेहाताशा वृद्धि हुई है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पिछले 15 वर्षो में सबसे कम है इसके बावजूद सरकार लगातार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाकर आम जनता को इस कोरोना काल में राहत देने की बजाय परेशान करने में लगी है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि वापस लिये जाने ब्लॉक कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लवन के तत्वाधान में शनिवार को दोपहर 3 बजे तहसील चैक लवन में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि देश वर्तमान में कोरोना वायरस की महामारी से ग्रसित है जिससे आम जनता की आमदनी एवं रोजगार में गिरावट आई है। आवागमन के साधन बंद होने से प्रवासी मजदूरों सहित आम जनों को अपने गन्तव्य तक आने जाने में अत्यधिक पैसा व्यय करना पड़ रहा है। इसमें सहायता करने के बजाय केन्द्र सरकार द्वारा अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम कम होने के बावजूद पेट्रोल एवं डीजल के दामों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। वर्तमान में डीजल व पेट्रोल की कीमत 80रू. तक पहुंच चूकी है पिछले 15-20 दिनों में ही पेट्रोल-डीजल के दामों में 12 रूपये तक बढ़ोतरी हुई है। यह जनता के साथ केन्द्र सरकार की खुली लुट है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब राज्य सरकार केन्द्र से मदद की उम्मीद कर रही थी। ब्लॉक कांग्रेस ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि देश की जनता के हित में पेट्रोल एवं डीजल के दाम अन्तरराष्ट्रीय बाजार में निर्धारित करने के निर्देश प्रदान करें।

कांग्रेस का एक दिवसी धरना प्रदर्शन

डौंडी। आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी और जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डौंडी के अध्यक्ष कोमेश कोर्राम के नेतृत्व में मोदी सरकार द्वारा लगातार पेट्रोल डीज़ल के दामो में वृद्धि की जा रही है जिसको लेकर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के डौंडी अध्यक्ष के नेतृत्व में डौंडी ब्लॉक के सभी कॉंग्रेसियों ने एक दिवसी धरना प्रदर्शन किया और राष्ट्पति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सोपा गया , कार्यक्रम में कांग्रेस के लोगो ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार लगातार जो पेट्रोल डीज़ल की कीमतों में जो विद्धि की जा रही है ओ पूरे देश की जनता से छल किया जा रहा जिसको लेकर आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर तहसीलदार को ज्ञापन सौप दिया गया है ,यदि मूल्यों की जो विद्धि हो रही है उस पर यदि मोदी सरकार लगाम नही लगाती है तो आने वाले समय मे प्रदेश में जितने भी कांग्रेसी है सड़को पर उतरने को मजबूर होंगे । धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से मंत्री प्रतिनिधि पियूष सोनी जी उपस्थित रहे तथा सब्बीर खान अनिल सुथार जनपद उपाध्यक्ष पुनीत राम सेन जनपद सदस्य पुष्पा कोमर्रा हेमबती कुलदीप,ममता जैन, कैलाश राजपूत अतीक कुरैशी,सुरेश बाघमार, नितिन जैन अश्वनी जयसवाल शरीफखान पलटन भूआर्य, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव प्रशांत बोकडे रविकांत देशमुख भावेश यादव मनीष सेन सोएब खान शुभम गावड़े नितेश सोनी चंपालाल सागर बीरेंद्र ताराम ललित कुमार उत्तम कुमार जितेंद्र कुमार फूलचंद सेन ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी जनपद सदस्य नगर के एल्डरमैन पार्षद गण युवक कांग्रेस एनएसयूआई के साथी उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी डौंडी मंडल की कार्यकारिणी की हुई घोषणा

डोंडी। दिनांक 3 जून 2020 को डोंडी मंडल के अध्यक्ष श्री मनीष झा ने जिला भाजपा अध्यक्ष श्री कृष्णकांत पवार जी के सहमति एवं अनुमोदन तथा वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन पर मंडल कार्यकारिणी घोषणा किया है नवनियुक्त पदाधिकारियों को भारतीय जनता पार्टी जिला बालोद की ओर से बधाई तथा सभी के उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी है घोषित कार्यकारणी के पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष मनीष झा मंडल उपाध्यक्ष हितेश साहू, श्रीमती अनीता कुमेटी, श्रीमती कुती देवांगन, हींछा राम साहू महामंत्री रामनारायण धनकर, भीष्म टंडन कोषा अध्यक्ष अजय चौहान मंडल मंत्री योगेंद्र सिन्हा, भुखउ राम साहू, श्रीमती राधिका भरद्वाज, श्रीमती नीतू कोरेटी, हेमंत कोमरे कार्यकारिणी सदस्य शिवराम रणघाटी, शिवगिरी चुरेन्द्र, श्रीमती चंद्रिका नागवंशी, कसिमुद्दीन खान, मुकेश कौर्डो, राजेश रावटे, रुपेश नायक, अब्दुल इब्राहिम सैयद, वीरेंद्र पासवान, रामाधार साहू ,लाल चंद जैन संजीव मानकर, श्रीमती प्रेमलता थोड़े पाथोड़े, श्रीमती कस्तूरी यादव, श्रीमती ओमेश्वरी धनकर ओशो बाइ खरांसु, श्रीमती रेखा चौहान, श्रीमती चांदनी दीक्षित, श्रीमती निर्मला कौड़ो, श्रीमति रमिता मरकाम, श्रीमती ज्योति चंद्राकर, श्रीमती साधना सोरी, मातरम दास को सरे, लीलाधर साहू, रघुनंदन देवहारी, गिरधारी लाल, भागवत सोनी, महावीर ठाकुर, किशोर ठाकुर आदि शामिल है।

नवनियुक्त कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन सौंपकर जिले में अवैध शराब, सट्टा एवं अवैध रेत खदानों पर तत्काल अंकुश लगाने की मांग

- असामाजिक तत्वों के लोगों द्वारा अशांति फैलाकर माहौल कर रहे खराब - के.के. वर्मा

लवन। राहुल गांधी विचार मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के.के. वर्मा के नेतृत्व में बलौदाबाजार जिले के पदाधिकारियों ने 03 जुलाई को नवनियुक्त कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से सौजन्य मुलाकात करते हुए बलौदाबाजार जिले के समस्याओं से अवगत कराया। श्री वर्मा ने कलेक्टर एवं एस.पी. के पदस्थापना पर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। राहुल गांधी विचार मंच के महिला जिलाध्यक्ष प्रेमलता बंजारे एवं महिला जिला महासचिव ललिता यदु ने कलेक्टर एवं एस.पी को बलौदाबाजार जिले में अवैध शराब, सट्टा एवं अवैध रेत खदानों पर तत्काल रोक लगाने की मांग किए। जिस पर उक्त अधिकारियों ने सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए तत्काल कार्यवाही करने का आवश्वासन दिया। इस मौके पर कलेक्टर एवं एस.पी. ने स्वागत सम्मान के लिए राहुल गांधी विचार मंच का आभार माना।

राहुल गांधी विचार मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के.के. वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बलौदाबाजार जिला शांत प्रिय एवं आपसी भाई चारा के लिए जाना जाता है लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अशांति फैलाकर माहौल खराब करने में लगे हुए है जो चिन्ता का विषय बना हुआ है। उपरोक्त अधिकारियों से तत्काल शांति व्यवस्था बनाने के लिए पहल करने की अपील की गई। जिस पर उपरोक्त अधिकारियों ने सहमति दिए। इस अवसर पर के.के. वर्मा, प्रेमलता बंजारे, ललिता यदु, किरण वर्मा, रानी मंडावी, सरोज ध्रुव, दुरपत मानिकपुरी, महान मिश्रा, प्रहलाद तिवारी, मनोज बंजारे उपस्थित थे।

बछेराभाठा से खोलारघाट होते हुए नक्सल हिंसा पीड़ित गांव खुर्सीपार खुर्द तक बन गई पक्की सड़क

■ जंगलों, पहाड़ों और घाटों के बीच से बनाई गई है सड़क

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड अंतर्गत बछेराभाठा से नक्सल हिंसा पीड़ित गांव खुर्सीपार खुर्द तक जंगलों, पहाड़ों और घाटों से होकर पहली बार पक्की सड़क बनने से इस क्षेत्र के निवासियों को आवागमन की सुगम सुविधा मिल रही है। बछेराभाठा से खोलारघाट तक 4.85 किलो मीटर तथा खोलारघाट से खुर्सीपार खुर्द तक 4 किलो मीटर सड़क बनाई गई है। इस सड़क में 12 पुलिये भी बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा कच्ची सड़क को पक्की सड़क बनाने के लिए कई जगह पहाड़ों को काटकर चौड़ा भी किया गया है। खोलारघाट से खुर्सीपार खुर्द मार्ग में घाटों में लगभग 650 मीटर सीमेन्ट कांक्रीट सड़क बनाई गई है। सीमेन्ट कांक्रीट सड़क की एक ओर सोल्डर तथा दूसरी ओर खाई की तरफ टोवॉल भी बनाई गई है। इसी मार्ग में अनेक जगहों पर पहाड़ों और घाटों को काटकर चौड़ा किया गया है।

कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा अपने साप्ताहिक दौरे में इसी सड़क से बछेराभाठा, खोलारघाट होते हुए शाम 4 बजे पहाड़ पर बसे नक्सल हिंसा पीड़ित गांव खुर्सीपार खुर्द पहुंचे। श्री वर्मा जिले के ऐसे पहले कलेक्टर हैं जो इस गांव में पहुंचे। श्री वर्मा ने खुर्सीपार खुर्द में सड़क किनारे रूककर वहां के निवासियों से चर्चा की। उन्होंने गांववालों से चर्चा करते हुए पूछा कि पहली बार पक्की सड़क बनने से कैसा लग रहा है। श्रीमती गायत्री वर्मा, श्रीमती सुमित्रा वर्मा, श्रीमती सुकारो बाई और श्री मुन्ना वर्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि गांव तक पहली बार पक्की सड़क बनाई गई है। इससे डोंगरगढ़ जाने के लिए अब सालभर सुगम आने-जाने की सुविधा मिलेगी। सभी लोगों ने कहा कि अब कच्ची सड़क पर विशेष रूप से बरसात में होने वाली दिक्कत दूर हो गई है। उन्होंने बताया कि बरसात में कई बार महिलाओं की जजकी कराने के लिए स्वास्थ्य केन्द्र ले जाने में बहुत समस्या होती थी। कलेक्टर श्री वर्मा ने जंगलों और पहाड़ों के बीच बनाई गई सड़क की प्रशंसा की।

कलेक्टर श्री वर्मा ने लोगों से खेती-किसानी की चर्चा भी की। उनके पूछने पर श्रीमती गायत्री वर्मा ने बताया कि गांव का आंगनबाड़ी भवन अधूरा है। मुन्ना वर्मा ने बताया कि स्कूल भवन जर्जर हो गया है। श्रीमती गायत्री वर्मा शिक्षित और जागरूक महिला है। उन्होंने बड़ी सहजता से कलेक्टर श्री वर्मा के साथ चर्चा कर गांव में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, पेयजल व्यवस्था के बारे में बताया। श्रीमती वर्मा ने बताया कि गांव में बिजली आई है। पेयजल के लिए 4 हेण्डपंप और एक कुंआ है। यह कुंआ कभी सूखता नहीं। कलेक्टर श्री वर्मा ने वन अधिकार पट्टा वितरण के संबंध में भी जानकारी ली। मुन्ना वर्मा ने बताया कि 3 लोगों को वन अधिकार अधिनियम के तहत खेती के लिए वन भूमि के पट्टे दिए गए हैं। लोगों ने बताया कि शिक्षक रोज स्कूल आते हैं।

डोंगरगढ़ से बोरतालाब तक साढ़े 5 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण तेजी से जारी

■ कलेक्टर वर्मा ने किया निरीक्षण

राजनांदगांव। जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड के अंतर्गत डोंगरगढ़ से बोरतालाब तक सड़क निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। इस सड़क की लंबाई 15.30 किलो मीटर और चौड़ाई साढ़े 5 मीटर होगी। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने दौरे में डोंगरगढ़ से बोरतालाब तक सड़क निर्माण का मुआयना किया। सड़क का निर्माण पीपीआर-2 योजना के तहत राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए 13 करोड़ 89 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को पूरी गुणवत्ता के साथ सड़क का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने डोंगरगढ़ से बोरतालाब तक जगह-जगह रूककर निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता देखी।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सड़क की कुल लंबाई में से लगभग 5 किलो मीटर का डामरीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस सड़क में पड़ने वाले पनियाजोब में 700 मीटर और बोरतालाब में 550 मीटर सीमेन्ट कांक्रीट बनाने का काम चल रहा है। इस अवसर पर एसडीएम डोंगरगढ़ अविनाश भोई, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क अभिकरण क्रमांक एक राजनांदगांव के कार्यपालन अभियंता ज्ञानेन्द्र कश्यप, लोक निर्माण विभाग डोंगरगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी जेके तिग्गा भी उपस्थित थे।

■ न्यूज गैलरी

पेट्रोल-डीजल के मूल्य वृद्धि के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

राजनांदगाँव। पेट्रोल-डीजल के मूल्य वृद्धि के खिलाफब्लॉक कांग्रेस कमेटी घुमका के कांग्रेस सदस्यों द्वारा विधायक भुनेश्वर बघेल, जिलाध्यक्ष पदम कोठारी, पूर्व मंत्री धनेश पटिला के उपस्थित में शुक्रवार को बघेरा में केंद्र सरकार के खिलाफजोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर कांग्रेसियों ने तख्ती में केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लिखकर प्रदर्शन किए। विधायक भुनेश्वर बघेल ने कहा कि किसानी के समय पर केंद्र सरकार द्वारा डीजल पर 11 रुपये तक बढ़ाना किसान विरोधी चहरा उजाकर हुआ है। जिलाध्यक्ष पदम कोठारी ने पेट्रोल-डीजल पर बढ़े दाम पर कहा कि केंद्र की मोदी सरकार दाम बढ़ाकर आम जनता पर महंगाई की भार डाल दी है। पूर्व मंत्री धनेश पटिला ने कहा कि लॉकडाउन में केंद्र सरकार द्वारा रेट बढ़ाकर आम लोगों को परेशान किया जा रहा है।

कलेक्टर वर्मा साप्ताहिक दौरे में पहुंचे बोरतालाब

राजनांदगांव। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने डोंगरगढ़ विकासखंड के बोरतालाब के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। उन्होंने अधिकारियों से किसानों को खरीफ मौसम के लिए खाद-बीज और ऋण वितरण की जानकारी भी ली। इस कार्यालय परिसर में ही धान खरीदी केन्द्र है। यह परिसर 2 एकड़ 46 डिसमिल रकबे में है। यही पर धान चबूतरा का निर्माण भी किया जा रहा है। बोरतालाब के सरपंच ने कलेक्टर श्री वर्मा से चर्चा के दौरान गोदाम बनाने की मांग की। कलेक्टर ने इस संबंध में जरूरी कार्रवाई करने की बात कही। एसडीएम डोंगरगढ़ अविनाश भोई भी इस मौके पर उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बोरतालाब चेक पोस्ट का किया आकस्मिक निरीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने जिले की सीमावर्ती ग्राम बोरतालाब में बनाए गए चेक पोस्ट का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने चेक पोस्ट में बनाए गए कोरोना हेल्पडेस्क में ड्यूटी कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों से चर्चा की। कलेक्टर ने महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से आने वाले वाहनों की चेकिंग आदि के संबंध में जानकारी ली। एसडीएम डोंगरगढ़ अविनाश भोई सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी इस मौके पर उपस्थित थे।

अवैध शराब परिवहन और भण्डारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी

राजनांदगांव। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब परिवहन व भण्डारण के खिलाफलगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी ज़िला राजनांदगाँव नवीन प्रताप सिंह तोमर ने बताया कि कल 2 जुलाई को आबकारी विभाग राजनांदगाँव द्वारा आटरा से भकुर्रा मार्ग के नाका में वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान मोटर साइकिल होंडा वाहन क्रमांक सीजी 08 जी 0287 में अवैध मदिरा परिवहन करते हुए साल्हेटोला थाना गैंदाटोला निवासी कृष्णा मंडावी पिता गणेशु मंडावी को पकड़ा गया।

कर्मचारियों-अधिकारियों को जुलाई में मिलेगी वार्षिक वेतन वृद्धि

■ शालेय शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

कवर्धा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य शासन के अधिकारी-कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। कोरोना संकट के कारण राज्य शासन के अधिकारी एवं कर्मचारियों की वार्षिक वेतनवृद्धि विलंबित की गई थी, जिसे बहाल करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दे दिए हैं। छग शालेय शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

छग शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र चंद्रवंशी व प्रदेश प्रवक्ता गजराज सिंह राजपूत ने बताया कि छग शालेय शिक्षक संघ सहित अन्य कर्मचारी-अधिकारी संगठनों द्वारा वार्षिक वेतन वृद्धि रोक वाला आदेश वापस लेने की मांग सरकार से लगातार की जा रही थी। मुख्यमंत्री ने कर्मचारी संगठनों की मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए वेतनवृद्धि निर्धारित तिथि पर ही देने और इसकी एरियर्स राशि का भुगतान छह माह बाद करने पर अपनी सहमति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य शासन के अधिकारियों-कर्मचारियों को जिन्हें एक जुलाई को वेतनवृद्धि मिलती है। उन्हें वेतनवृद्धि एक जुलाई को ही मिलेगी, परन्तु जुलाई से दिसम्बर माह तक की वेतनवृद्धि की एरियर्स राशि का भुगतान आगामी जनवरी माह में एकमुश्त किया जाएगा। इसी प्रकार जिन अधिकारी-कर्मचारियों की वेतनवृद्धि एक जनवरी को लगती है, उनको एक जनवरी को ही वेतनवृद्धि मिलेगी और उनकी एरियर्स राशि का भुगतान छह माह बाद आगामी जुलाई माह में किया जाएगा

लॉकडाउन के दौरान स्वास्थ्य सुविधा देने, उत्कृष्ट सेवाभाव के लिए 108 कर्मचारी हुए सम्मानित

कवर्धा-(नवप्रदेश)। कोरोना महामारी के बीच अपने कर्त्तव्य निष्ठा और सेवाभाव के माध्यम से मिसाल कायम करने वाले अपने फ्रंट लाइन वारियर्स का 108 संजीवनी एक्सप्रेस कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार तिवारी, जिला नोडल अधिकारी डॉ. गौरव परिहार की उपस्थिति में 108 के कर्मवीरों को यह सम्मान प्रदान किया गया। संस्था की ओर से कोविड रिजर्व एम्बुलेंस में सेवा दे रहे 108 कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित करते हुए उनके कार्य की प्रशंसा की गई। सम्मानित होने वाले 108 कर्मचारियों में ईएमटी लुकेश दुबे, कैलाश डाहिरे एवं पायलट में खोमन दुबे व अखिलेश यादव शामिल हैं। उन्होंने बताया गया कि कोरोना वायरस के चलते वर्तमान समय में उत्पन्न हुई विकट परिस्थिति के बीच ईएमटी और पायलट पूरी लगन और निष्ठा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके इस सेवाभाव की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। यह सम्मान उनके मनोबल को और अधिक बढ़ाएगा। इस अवसर पर संस्था की ओर से 108 के जिला प्रबंधक जीवन कौशिक उपस्थित थे।

गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम का पुरी से सीधा प्रसारण होगा

कवर्धा। इस वर्ष वैश्विक कोरोना महामारी के कारण गुरुपूर्णिमा के अवसर पर वृहद आयोजन नहीं किया जा रहा है बल्कि स्थानीय स्तर पर सोशल डिस्टेंसिंग व बचाव के अन्य उपायों को अमल में लाते हुए ही गुरुपूजन व वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न किया जावेगा। मुख्य आयोजन श्रीगोवर्धन मठ पुरी में होगा जिसका सीधा प्रसारण फेसबुक व यूट्यूब चैंनल के माध्यम से किया जावेगा। आदित्यवाहिनी के प्रदेश महामंत्री अवधेशनन्दन श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन पुरी जाते हैं किन्तु इस वर्ष फेसबुक लाइव के माध्यम से वे श्रीगोवर्धन मठ में होने वाले आयोजनों में जुड़ से जुड़ सकेंगे। 5 जुलाई को प्रातः 10 बजे से गुरु पूजन व दर्शन का कार्यक्रम होगा।

भाजपा शहर मण्डल के कार्यकर्ताओं ने सौंपा सीएमओ को ज्ञापन

कवर्धा। व्यवस्थाओं को दुरुस्त करवाने भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन दिया जिसमें मेन रोड,सिविल लाइन एवं निचली बस्तियों से लेकर अधिकांश कालोनियों के स्ट्रीट लाइट बंद पड़े है जिसके कारण जहरीले कीड़ो से आम नागरिकों में भय बना हुआ है स्ट्रीट लाइट को तत्काल लगाया जाये। वही स्वछता में 6 माह पूर्व कवर्धा नगरपालिका नम्बर 1 की स्थिति में था जो अब किसी भी स्तर पर नही है वहीँ बरसात के कारण अधिंकाश नालियों के कचड़े सड़कों पर बिखरे पढ़ें है शहर के अंदर फैले कचड़े कोरोना काल मे और भी भयावह प्रतीत हो रहे है! शहरवासी को सरोधा जलासय पानी आपूर्ति की जाती है जो कि वर्तमान स्थिति में फिल्टर की पानी गंदा आ रहा जो पीने के लायक नही है! तथा नगर पालिका द्वारा पेय जल आपूर्ति 1 घंटा कम कर दिया गया है जिसके चलते लोग परेशान हो रहे है जलापूर्ति को यथावत किया जाए। साथ ही नए पाइपलाइन के लिए खोदे गए नालियों के मिट्टी बरसात में सड़कों पर आ रहे है जिससे दुर्घटनाओं का सम्भावना भी बना रहता है अतः पाइपलाइन डालने के बाद तुरंत उसे फिल्प किया जाए ।

भाजयुमो ने युवाओ के साथ वादा खिलाफी के विरोध में किया पुतला दहन

कवर्धा-(नवप्रदेश)। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश के आह्वान पर आज पूरे प्रदेश भर के सभी कार्यकर्ताओं द्वारा युवाओ के साथ वादा खिलाफी के विरोध में अपने अपने घर के सामने राज्य सरकार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन किया गया । भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ठाकुर पीयूष सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि विगत दिनों मुख्यमंत्री निवास के सामने एक युवक हरदेव सिन्हा से बेरोजगारी से तंग आकर आत्मदाह करने का प्रयास किया था । जिसके चलते सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया गया

जिसमे युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ के ऊपर तानाशाही रवैया अपनाते हुए एफ आई आर किया गया, किसी - किसी जिले में कार्यकर्ताओ को घंटे थाने में बैठा कर रखा गया था। आज प्रदेश सरकार अपने हर क्षेत्र में विफल नजर आरही है सरकार में आने के लिए गंगा जल की कसम खाकर बहुत से लोक लुभावन वादे किए गए । सरकार में आते ही इन सब वादों को भूल कर कमीशन बाजी, ट्रांसफर का खेल शुरू कर अपना जेब गरम करने लगे । प्रदेश भर के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने लगे, व्यापमं भर्ती पुलिस भर्ती शिक्षक भर्ती के नाम पर युवाओ से फार्म भरवाया जाता है और परीक्षाओं को रद्द कर दिया जा रहा , सिविल जज की परीक्षा भी 3-3 बार रद्द हो चुकी है । ना ही 2500 रुपये बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा, ऐसे में प्रदेश का युवा अपने आप को छला महसूस कर रहा।

खरीफ फसल बीमा को लेकर विभाग ने अलग से तय किया गाइड लाईन

■ पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागू

कवर्धा-(नवप्रदेश)। उद्यानिकी फसलों हेतु खरीफएवं रबी मौसम में ''पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागू है। खरीफमौसम में टमाटर, बैगन, अमरूद, केला, पपीता, मिर्च एवं अदरक और रबी मौसम में टमाटर, बैगन, फूलगोभी, पत्तागोभी, प्याज एवं आलू लागू है।

इस योजना में ऋणी कृषक (भू-धारक एवं बटाईदार) तथा अऋणी कृषक (भू-धारक एवं बटाईदार) लाभ ले सकते हैं। ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (वचज.वनज) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 07 दिवस पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। एवं वर्तमान में खरीफफसल बीमा को लेकर विभाग ने अलग से गाइड लाईन तय की है। इन सभी फसलों के जोखिम माह भी जारी किया है। इस माह के दौरान किसी भी प्रकार के अधिक वर्षा, ओलावृष्टि, अधिक तापमान, सूखा, बिमारी अनुकूल मौसम की नौबत आती है। तो फसल बीमा के अनुसार किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। बीमा के लिए अंतिम तारीख आगामी 15 जुलाई है।

खरीफमौसम में टमाटर के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर एक लाख रूपये और कृषक अंश प्रति हेक्टेयर पांच हजार रूपये निर्धारित है। इसी प्रकार बैगन के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 70 हजार रूपये और कृषक अंश प्रति हेक्टेयर 3500 रूपये, अमरूद के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 70 हजार रूपये और कृषक अंश प्रति हेक्टेयर 3500 रूपये, केला के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 40 हजार रूपये और कृषक अंश प्रति हेक्टेयर दो हजार रूपये निर्धारित है।

उपहार — क्षेत्र में खुशी का माहौल, जिला पंचायत सदस्य ममता राजेश पाल की पहल

वनांचलवासियों के लिए खुशखबरी, 1 करोड़ 10 लाख की मिली स्वीकृति - ममता राजेश पाल

गंडई पंडरिया। वनांचल क्षेत्र जो कि जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 01 में आता है वनोपज की अधिकता वाला क्षेत्र है और यहां की अधिकांश जनमानस की आजीविका का साधन वनोपज है परंतु शेड और व्यवस्था के आभाव में वनोपज का सही दाम इन वनांचलवासियो को सदियों से नही मिल रहा था कोचिये औने - पौने दामो में वनांचलवासियो से वनोपज को खरीद कर बड़ी लाभ कमा रहे थे। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 01 की सदस्य ममता

राजेश पाल ने जिले के प्रभारी वन मंत्री मोहम्मद अकबर को वनांचल क्षेत्र के हॉट - बाजारों में लघु वनोपज खरीदी के लिए शेड निर्माण की नितांत आवश्यक्ता होने की ओर ध्यानाकर्षण कराया था। जिसे गम्भीरता से लेते हुए वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने जल्द शेड निर्माण कराने का आश्वासन दिया था। अपने आस्वाशन को पूरा करते हुए वन मंत्री ने वर्तमान में वनांचल क्षेत्र में शेड निर्माण ,हाट बाजार के लिए 1 करोड़ 10 लाख की स्वीकृति प्रदान किये है।

इन ग्रामो के हाट बाजार में होगा शेड निर्माण

ग्राम पंचायत ठाकुरटोला में 5 लाख, देवरी 5 लाख रामपुर 5 लाख, गातापार जंगल 5 लाख, मोहगांव 5 लाख, साल्हेवारा 5 लाख, पांडादाह 5 लाख, गातापार 5 लाख, बकरकट्टा 5 लाख, वनोपज भंडारण के लिए बकरकट्टा 20 लाख, पांडादाह 20 लाख, गंडई 20 लाख की स्वीकृति मिली है।

वनांचलवाशियों को अब सस्ते दर पर नही बेचना पड़ेगा वनोपज मिलेगा सही दाम : बीते कई सालों से हाट बाजार,शेड एवम व्यवस्थाओ के अभाव में वनोपज को ग्रामीण कोचियों को बेच देते थे।कोचिये भी मौका का फायदा उठाते हुए वनोपज को सस्ते दामो में खरीद लेते थे जिसके चलते ग्रामीणों को मेहनत के अनुरूप फल नही मिल पाता था परंतु शेड निर्माण के बाद ग्रामीणों को मेहनत के अनुरूप फल मिलेगा।जिससे ग्रामीण और गाव का विकास होगा।

शेड निर्माण के बाद निम्न वनोपज की इस प्रकार होगी खरीदी : शेड निर्माण किये जाने के बाद क्षेत्र के ग्रामीण इन शेडो में बेल गुदा, ईमली बीज, महुवा, कालमेघ, नागरमोथा, शहद, जामुन बीज, सालबीज, चिरौंजी गुठली, हर्रा,बेहरा, चरोटा बीज, गिलोय, भेलवा, कुसुमी लाख, रंगीनी लाख, कुल्लू गोंद, वन जीरा बीज, बेहरा कचरिया, वन तुलसी बीज, चिरायता आदि की बिक्री कर सकेंगे।

विधायक शिवरतन शर्मा की दूसरी रिपोर्ट भी आई नेगेटिव

भाटापारा। विधायक शिवरतन शर्मा 22 जून को प्रश्न संदर्भ की बैठक में अन्य विधायको के साथ बैठक मे शामिल हुए थे जहां अन्य विधानसभा के विधायक भी शामिल हुए थे। बैठक मे डोंगरगांव के

कांग्रेसी विधायक दलेश्वर साहू जिनकी कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव आ गई थी जिसके बाद बैठक मे शामिल हुए विधायको को होम कोरेनटाईन कर सेंपल लेकर रिपोर्ट के लिए एम्स भेजा गया था जिसमे भाटापारा विधानसभा विधायक शिवरतन शर्मा की प्रथम रिपोर्ट नेगेटिव आई थी , आज उनकी दूसरी रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है, भाटापारा विधानसभा के विधायक शिवरतन शर्मा 22 जून से 28 जून तक होम कोरेनटाईन मे भी थे । कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद चर्चा मे बताया कि मैने सोशल डिस्टेंसिग एवं लॉकडाउन के पुरे नियमो को पालन शुरू से ही किया है और मेरे साथ मे विधानसभा के जनता की दुवाए हमेशा रही है जिसके कारण कोरोना जैसी महामारी मुझे छु नही पाया । वही विधायक शिवरतन शर्मा ने सभी जनता से अपील की है कि सोशल डिस्टेंसिंग एवं लॉकडाउन के नियमो को पालन करे जिससे इस महामारी को बढ़ावा न मिले और लोग सुरक्षित रहे ।

वार्डों में भाजयुमो ने राज्य सरकार का प्रतीकात्मक पुतला जलाया

भाटापारा। मुख्यमंत्री निवास के सामने एक युवक द्वारा आत्मदाह की कोशिश की गई थी, इस मामले को ले कर पूरे प्रदेश में युवा मोर्चा

द्वारा भूपेश बघेल का पुतला दहन करने का आव्हान किया गया था, युवा मोर्चा द्वारा समस्त बेरोजगार युवाओं के समर्थन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन किया था।लेकिन दमनकारी नीति अपनाते हुए सरकार और उसके पुलिसकर्मियों के द्वारा भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ झूमा झटकी भी की गई थी तथा पुतला छीन लिया गया था एवम पुतला जलाने से रोका गया था। युवा मोर्चा के सुनील यदु,सुरेश मिश्रा आदि कार्यकर्ताओ ने बताया कि लोकतंत्र में विरोध विपक्ष का मौलिक अधिकार होता है। परंतु आपातकाल की डीएनए वाली कांग्रेस सरकार को ये बर्दाश्त नही होता है कि कोई उन्हें उसका विद्रूप चेहरा दिखाए। प्रदेश का एक हताश बेरोजगार युवा हरदेव सिन्हा मुख्यमंत्री से समय ना मिलने के कारण मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्मदाह कर लेता है और प्रदेश भर के हजारों बेरोजगार युवा के समर्थन में जब भारतीय जनता युवा मोर्चा विरोध स्वरूप कांग्रेस सरकार का पुतला जलाने का आव्हान करता है। तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की निरंकुश पुलिस विभिन्न जिलों भाजयुमो के कार्यकर्ताओं पर स्नद्धक्रदर्ज करती हैं , हम उस पीढ़ी के अनुयायी है जिसने 2 साल तक आपातकाल के दंश झेला है , कांग्रेस सरकार को ये बात समझ लेनी चाहिए कि संघर्ष के कोख से जन्म लेने वाली भाजपा इन बातों से डरने वाली नही है इसलिए कल भाटापारा नगर में लगभग 20 से अधिक स्थानों में छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन युवा मोर्चा के द्वारा किया गया। पुतला दहन के वक्त सभी युवा मोर्चा के सदस्यों के द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा गया एवम हर स्थान पर लगभग 3 से 5 सदस्यों के द्वारा पुतला दहन किया गया।

8 पेटी अग्रेजी शराब के साथ 1 युवक गिरफ्तार

■ एक बाईक भी जप्त

भाटापारा। लिमतरा नांदघाट से शराब लाकर डंप कर रहे एक युवक को शहर पुलिस ने घेराबन्दी करते हुए उसे पकड़ लिया जबकि उसका एक साथी अँधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़ में आये युवक से मध्यप्रदेश की 8 पेटी अंग्रेजी शराब पुलिस ने जब्त करते हुए उसके खिलाफआबकारी एक्ट की धारा 34(2) 36 के तहत कार्यवाही कर रही है वही फरार युवक की तलाश जारी है।

उपरोक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी महेश धुव ने बताया की मुखबीर से सूचना मिला कि लिमतरा के गुलाब ढाबा बाले गुलाब दास बघेल द्वारा अपने भाई मनमोहन बघेल एवं गांव के एक लड़का गब्बर को मप्र के शराब भाटापारा शहर में विक्री करने के लिए लिमतरा से लाकर (मो.सा मे लाकर)मारुती शो रूम के सामने प्लाट में दो - दो पेटी का छोड कर डम्प करा रहा है। सूचना पर तस्दीक एवं रेड कार्यवाही पुलिस तरेंगा रोड हेतु मारुती शोरूम के पास स्टाप को घेराबंदी कराया गया। रात साढे 10 बजे दो लड़के एक मोटरसायकल बिना नंबर की पेसन प्रो में दो कार्टून लेकर आया और मोटर सायकल को किनारे रोड के खडी कर कार्टून को अंधेरा तरफ खाली प्लाट में लेकर गया जिसे स्टाप एवं गवाही के साथ घेराबंदी कर पकडा गया वही दूसरा व्यक्ति अंधेरा का फायदा उठाकर भाग गया ।

मौके पर पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम सत्यनाम प्रसाद पिता रमेश गायकवाड बताया तथा भागने वाले को गुलाब बघेल के भाई मनमोहन पिता तुलसी राम 25 वर्ष निवासी लिमतरा का बताया।पुलिस ने आरोपी द्वारा डम्प कर रहे कुल 08 पेटी अंग्रेजी गोवा स्पेशल व्हीस्की शराब म.प्र विक्रय वाली प्रत्येक पेटी में 48 प्रत्येक में 180 स्त्र्ल भरी जुमला 69.120 बल्क लीटर शराब को जब्त किया गया जिसे आरोपी द्वारा नोटिस में मोसा व शराब को गुलाब दास का होना लेख किया आरोपी सत्यनाम प्रसाद, मनमोहन बघेल तथा गुलाब दास बघेल के विरुद्ध अप.धारा 34(2) आब. अधि , एवं मध्यप्रदेश के विक्रय की शराब को छत्तीसगढ़ में लाकर विक्रय करना धारा 36 आबकारी अधिनियम का घटित करना पाये जाने से 8 पेटी शराब और मोटरसायकल जब्त कर

आरोपी सत्यनाम प्रसाद गायकवाड पिता रमेश गायकवाड उम्र 19 वर्ष ग्राम मेडकी थाना नादघाट जिला बेमेतरा हाल लिमतरा थाना सिमगा जिला बलीदाबाजार भाटापारा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है । उक्त कार्यवाही में सहायक उपनिरीक्षक ओम साहू , प्रधान आरक्षक दीन दयाल , आर. तोप सिंह कोशिक , गौरी शंकर कश्यप , पिंटू कुमार , अरविद कोशिक , सुरेश विझवार रामेश्वर मरावी.प्रमोद पटेल , कमल किशोर महिला आरक्षक सुनिती का विशेष योगदान रहा ।

मन्दिर में चोरी करने वाले चोर को शहर पुलिस ने किया गिरफ्तार, सामान जब्त

भाटापारा। बस स्टेण्ड स्थित शंकर मन्दिर में बीती रात हुई चोरी के मामले में शहर पुलिस ने चोर को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस धारा 457,380 के तहत उसके खिलाफकार्यवाही कर रही है।

उपरोक्त सम्बन्ध में शहर थाने के निरीक्षक महेश कुमार धुव ने बताया की स्थानीय बस स्टेण्ड स्थित शंकर मन्दिर के पुजारी रमाकांत तिवारी पिता गोरे लाल तिवारी निवासी संत माताकर्मा वार्ड भाटापारा ने शनिवार को थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह बस स्टैण्ड के पीछे स्थित शिव मंदिर, हनुमान मंदिर का पुजारी है और प्रतिदिन की भांति वह बीती रात शुक्रवार को रात्रि 09:00 बजे मंदिर मे पुजा पाठ कर मंदिर में ताला लगाकर हनुमान मंदिर के सामने चैनल गेट को बंद कर अपने घर चला गया था, और शनिवार की सुबह 07:30 बजे पुजा पाठ करने मंदिर आया। तो मंदिर अंदर जाकर देखे शंकर भगवान के

मंदिर का ताला टुटा हुआ था तथा शिव लिंग के उपर चढा ताबे का सर्प, पीलल का लश, पीतल का बाल्टी, आंचनियम का तांबे का लोटी, एक तांबे का छोटा लोटा सांकल से बंधा टंगा हुआ पीतल का घंटा एवं जमीन में गड़ा हुआ पीतल का त्रिशुल जुमला किमती 9000 रू . को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध कमांक 289/2020 धारा 457,380 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इस बीच चोरी की जाँच में लगी पुलिस को मुखबीर से सुचना मिली की एक व्यक्ति पीतल का लोटा , त्रिशुल , घंटा , बाल्टी को विक्रय करने के लिए ग्राहक ढूंढ रहा है कि सूचना पर हमराह स्टाप के घेराबंदी कर पकड़ा गया । आरोपी से पूछताछ करने पर अपना नाम अखिलेश उर्फ सोनु उर्फ अरविंद पिता स्व. अनिल धुन उम्र 28 वर्ष साकिन गैतरा थाना बलौदाबाजार का होना बताया तथा सामान के संबंध में पूछताछ करने पर बस स्टैण्ड शिव मंदिर, हनुमान मंदिर से उक्त सामान को चोरी करना बताया। चोरी गये सामान को आरोपी के मेमोरण्डम के आधार पर जप्त किया गया है तथा आरोपी के द्वारा घटना में प्रयुक्त औजार को भी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है । उक्त कार्यवाही में प्र.आर. बिसौहा राम साहू , आर . तोपचंद कौशिक , उमेश वर्मा कमल किशोर , रामेश्वर मरावी , गौरी शंकर कश्यप का विशेष योगदान रहा है ।

मत्स्य आखेट पर 15 अगस्त तक प्रतिबंध

भाटापारा। मछलियों का प्रजनन काल अब चालू हो चुका है। इसे देखते हुए आगामी 2 माह तक मछली मारने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह काम आप 16 अगस्त से ही किया जा सकेगा। संचालक मछली पालन ने सभी जिलों के उपसंचालक और सहायक संचालकों को उक्त आशय का आदेश जारी करते हुए परिपालन के निर्देश दिए हैं।

वित्तीय वर्ष 2020- 21 के लिए संचालनालय मछली पालन ने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए इस काल को मछलियों की वंश वृद्धि के लिए अनिवार्य मानते हुए तालाबों और जलाशयों में मछली मारने और पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध का आदेश 16 जून से प्रभावी माना जाएगा। यह आदेश 16 अगस्त तक जारी रहेगा। संचालनालय ने जिलों में काम कर रहे उपसंचालक तथा सहायक संचालकों के साथ मछली पालन का प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्र को भी यह आदेश जारी किया है।

लायंस कान्वेंट की छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में बाजी मारी में

भाटापारा। नगर के लायंस कान्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल में बोर्ड परीक्षा में 10वी में प्रथम स्थान पर कु.दीपिका चेलक 91त्न द्वितीय स्थान पर निधि साहू 90.5 त्नएवं तृतीय स्थान पर रंजना साहू 89.83त्न रही । वही कक्षा 12वी (साइंस ग्रुप) में प्रथम स्थान पर कु. जिज्ञासा वर्मा 83.6त्न द्वितीय स्थान यामिनी धृतलहरे 59.2त्न एव तृतीय स्थान पर विद्यासागर गुप्ता 52.4त्नरहे। कक्षा 12वी (कामर्स ग्रुप)में प्रथम स्थान पर उज्जवल सिंग चौहान 76.2त्नद्वितीय स्थान संगम वर्मा 75.4 त्न एव तृतीय स्थान रीना वर्मा 72.8त्न का रहा । संस्था के अध्यक्ष गिरधर गोविदानी एवं , समस्त पदाधिकारी, प्राचार्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओ ने सभी सफल छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने रैली निकालकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया

देवभोग। लंबे समय के बाद आज वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में मोदी सरकार खिलाफ एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया इस बीच क्षेत्रीय नेताओं ने जमकर मोदी सरकार की आलोचना करते नारेबाजी भी किया गया। इस बार प्रदेश हाईकमान के निर्देशानुसार अमलीपदर और देवभोग के कांग्रेसी मिलकर रैली निकालते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जबकि झाखरपारा पर जिला महामंत्री अरुण मिश्रा के नेतृत्व में नगर भ्रमण कर मोदी के खिलाफप्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। जिसमें जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम एनएसयूआई अध्यक्ष प्रवीण बामबोडे के अलावा जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष दुर्गा चरण अवस्थी सहित अन्य शामिल रहे तो वही मुख्यालय की कमान ब्लॉक अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने संभाला था। सबसे पहले कांग्रेस कार्यकर्ता विश्राम गृह में एकत्रित होकर पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और एसडीएम अनुपम आशीष को ज्ञापन सौंपा साथ ही एसडीएम कार्यालय के बाजू में पहुंचकर क्षेत्रीय विधायक डमरूधर पुजारी को भी अवगत कराया इस बीच रास्ते भर कांग्रेश के पदाधिकारियों ने मोदी सरकार हाय हाय और जनता विरोधी सरकार मुर्दाबाद सहित अन्य नारों के साथ पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे इस दौरान मौजूद जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम मोदी सरकार पर करारा वार करते हुए कहा कि माह के भीतर कईयों बार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाया गया। मतलब अब आम जनता टू व्हीलर और फोर व्हीलर मैं सवार करना मुश्किल है। ऐसे में बिना सोचे समझे तानाशाह रवैया अपनाते हुए मनमानी पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाया जा रहा है । फिर भी पार्टी विशेष से ऊपर उठकर विरोध प्रदर्शन देखने को नहीं मिल जाए जबकि कांग्रेश सरकार के दौरान रमन सिंह से लेकर स्मृति ईरानी ने तरह-तरह के रास्ता अख्तियार कर धरना प्रदर्शन किया रहा लेकिन अब जनता के हीत के लिए आगे नहीं है। इससे इनकी कथनी और करनी को समझा जा सकता है। इसी तरह झाखरपारा रैली का नेतृत्व करते जिला महामंत्री अरुण मिश्रा ने कहा कि वर्तमान मोदी सरकार की नीतियों को देख प्रदेश सहित देश वासियों में रोष व्याप्त है ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डेढ़ रुपया किलो की दर से गोबर ...

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से गोधन न्याय योजना की शुरूआत हरेली त्यौहार से होने जा रही है। इस योजना के तहत शासन द्वारा निर्धारित दर पर किसानों एवं पशुपालकों गोबर की खरीदी की जाएगी। जिसके जरिए वृहद पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट खाद का उत्पादन किया जाएगा। मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक में गोधन न्याय योजना के तहत गोबर की खरीदी और इससे प्रबंधन के संबंध में कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। बैठक में मंत्री रविन्द्र चौबे एवं मोहम्मद अकबर ने गोबर क्रय करने की पारदर्शी व्यवस्था तय करने की बात कही। उन्होंने कहा कि गौठान समिति अथवा उसके द्वारा नामित समूह द्वारा घर-घर जाकर गोबर संग्रहण किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए खरीदी कार्ड की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही, ताकि रोजाना संग्रहित किए जाने वाले गोबर की मात्रा और भुगतान की राशि का उल्लेख कार्ड में किया जा सके। समिति ने किसानों और पशुपालकों में क्रय किए गए गोबर के एवज में पाक्षिक भुगतान किए जाने की भी अनुशंसा की है।

निगम मंडलों की नियुक्तियां...

मुख्यमंत्री के अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, कृषिमंत्री रविंद्र चौबे समेत अन्य नेता-मंत्री भी मौजूद थे। बता दें कि गत दिनों निगम मंडलों की नियुक्ति को लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीएल पुनिया के साथ बैठक हो चुकी है। तीन दिन पहले भी इसको लेकर एक बैठक सीएम आवास में हुई है।

सभी संतुष्ट मिलजुलकर कर रहे बात

निगम मंडलों में नियुक्तियों से जुड़े एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में कोई असंतोष नहीं है। सब मिलजुलकर बात कर रहे हैं। सभी वरिष्ठ नेता संतुष्ट हैं।

20 अगस्त को 22 जिलों में होना है शिलान्यास

बता दें कि 20 अगस्त को राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर 22 जिला मुख्यालयों में पार्टी कार्यालय भवन निर्माण का शिलान्यास किया जाना है। बैठक में इसीकी तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। 20 अगस्त के कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीएल पुनिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लेंगे। कांग्रेस दफ्तर के लिये पूर्व में हुये राजीव भवन के निर्माण की तरह ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ जनों, किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, गृहणियों, छात्रों से जन सहयोग लेने एवं निर्माण कार्य को पूरा करने की योजना विचार विमर्श हुआ। भाजपा के द्वारा सरकार पर झूठे, मनगढ़ंत तथ्यहीन आरोप लगाकर की जा रही जन-जन को गुमराह करने की राजनीति का हर स्तर पर सोशल मीडिया, फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सअप, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया पर कड़ा जवाब देने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान फिजिकल डिस्टेंसिग एवं कोविड-19 के बचाव के उपायो का पालन किया गया।

रायगढ़: कैशवैन लुटने वाले...

संतोष कुमार सिंह ने पूरे जिले को सील कर 50 नाकेबंदी पाइंट बनाई थी। रातभर वाहनों एवं आने जाने वालों की संघन तलाशी अभियान चलाया गया।

पुलिस पर भी तान दी थी पिस्टल

इसी बीच डीवीएस शाखा में पदस्थ एक आरक्षक को मुखबिर की सूचना मिली की दो संदिग्ध केराझर में देखे गए हैं। इसके बाद केराझर एवं पास के दो गांवों में पुलिस की टीम पहुंची। पुलिस ने घरों की तलाशी ली। इस दौरान गांव वालों के द्वारा भी पुलिस पार्टी का भरपूर सहयोग किया गया। इसी दौरान पुलिस पार्टी को एक कमरे के अंदर दो संदिग्ध मिले जिसमें एक युवक ने पुलिस पार्टी पर पिस्टल तान दिया। जान जोखिम में डालकर पुलिस वालों ने झुमा झटकी कर युवकों को पकड़कर उनसे हथियार छीन हिरासत में ले लिया। मुख्य आरोपी सुधीर कुमार सिंह 23 वर्ष पिता झुलन राय एवं पिंटू वर्मा 18 वर्ष मुख्य रूप से बिहार ग्राम खम्हौरी के रहने वाले हैं।

महिला नक्सली अब...

कोरोना परीक्षण में सुमित्रा चेपा की रिपोर्ट नेगेटिव आई, लेकिन टीबी बीमारी का टेस्ट कराने पर टीबी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अब उसका इलाज जिला अस्पताल बीजापुर में कराया जा रहा है। क्वारंटाइन अवधि पूर्ण होने पर उससे पूछताछ की गई। महिला नक्सली को समर्पण करने पर आईजी बस्तर रेंज पी. सुंदरराज ने 10 हजार रु. की नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की। सुमित्रा ने कहा, 'क्वारंटाइन अवधि के दौरान जिस ढंग से मेरी देख रेख एवं इलाज पुलिस विभाग द्वारा किया गया, उससे मेरे हृदय में पुलिस के प्रति धारणा बदल गई और इस दो सप्ताह की अवधि में विभिन्न सामाचार माध्यम एवं टेलिविजन आदि देखने पर मुझे अहसास हुआ की नक्सली जनता को भ्रमित कर क्षेत्र के विकास में बाधा बन रहें हैं। अब मैं उसका हिस्सा नहीं बनना चाहती और समर्पण कर दिया। वर्ष 2004 में मद्देड़ एलओएस कमाण्डर नागेश के द्वारा गांव में क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन के सदस्या के रूप में भर्ती किया गया। एवं 2004 से 2010 तक इसी पद पर कार्य किया।

पूछताछ में ये बताया...

को 4 नक्सलियों के साथ ग्राम पेद्दाकोवाली के घर भेज दिया। उसे घर में रहकर इलाज करवाने के बाद तबियत ठीक होने पर संगठन में आने के लिए कहा गया था।

छत्तीसगढ़ में अब तक...

नारायणपुर में 1.5 मिमी दंतेवाडा में 44.2 मिमी, सुकमा में 6.9 मिमी और बीजापुर में 17.9 मिमी औसत वर्षा शनिवार को रिकार्ड की गई।

चीन ने दिसम्बर में...

बारे में चीन को लेकर पारदर्शिता नहीं बरती। बता दें कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देश डब्ल्यूएचओ कार्यशैली पर सवाल खड़े कर चुके हैं। अमेरिका ने तो डब्ल्यूएचओ को फंड न देने की चेतावनी तक दे डाली थी।

हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे का...

मशीन से चाहरदिवारी को गिराने का काम शुरू हो चुका है। इस दौरान परिसर के आसपास का इलाका सील कर दिया गया है और यहां पुलिस बलों के अलावा किसी को आने की इजाजत नहीं है।

मोदी बताएं क्या चीन का...

हमारी जमीन पर चीन ने कब्जा कर रखा है। भारतीय चरवाहों को वहां जाने नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना है कि वे जहां लम्बे समय से अपने पशु चरा रहे थे, वहां अब जा नहीं सकते हैं। उन्हें वहां जाने से रोका जा रहा है। लद्दाख में सोनम वांगचुंग एक इंजीनियर हैं, वह कहते हैं कि भारतीय चरवाहों को गलवान घाटी में जाने की अनुमति नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि चीन ने 1959 में माना था कि वास्तविक नियत्रंण रेखा के अनुसार पूरी गलवान घाटी भारत की है, लेकिन 16 जून 2020 के बाद यह गलवान घाटी चीन के कब्जे में चली गई है। गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने अपनी ढांचागत व्यवस्था कायम कर ली है लेकिन देश के प्रधानमंत्री कहते हैं कि चीन भारत में नहीं घुसा है।

कांग्रेस अध्यक्ष की चिट्ठी पर...

वाड्रा ने ट्वीट कर कहा, 'कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नीट के जरिये भरी जा रही सीटों में राष्ट्रीय कोटा के तहत राज्य व केंद्रशासित प्रदेशों के चिकित्सा संस्थानों में ओबीसी वर्ग के छात्रों को आरक्षण देने की जायज मांग उठाई है। ये सामाजिक न्याय का तकाजा है। आशा है कि केंद्र सरकार इस पर अमल करेगी।' इसके साथ ही उन्होंने गांधी का वह पत्र भी पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने मोदी से पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण व्यवस्था को लागू करने का अनुरोध किया है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal :http://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 65648/निविदा सूचना क्र. 01/व.ले.लि.2020-21 दिनांक 02.07.2020

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **23.07.2020 17:30** तक ऑन लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम :- **रायपुर जिले के विकासखंड अभनपुर की चंडी उद्वहन सिंचाई योजना एवं उसके निरीक्षण कुटीर का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य।**

अनुमानित लागत :- **रु. 248.62 लाख**

अन्य वितरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट http://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **09.07.2020** समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किए जा सकते हैं।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

जी-82118/4

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग क्रं. 1, रायपुर
कृते, मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर छ.ग.

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड- धमतरी (छ.ग.)
मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

Email ID-eedha-phe-cg@nic.in, Telephone no. 07722 238719

निविदा क्रमांक-24/ले.शा./का.अ./लोस्वायांखंड/2020-21 दिनांक 30/06/2020

मुहरबंद निविदाएं नीचे उल्लेखित कार्य हेतु प्रपत्र ए प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में ई-पंजीयन प्रणाली की द एवं उच्च श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों से स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का विवरण :- राज्यमद अंतर्गत निम्न नलजल प्रदाय योजना में 90 मि.मी. व्यास के यूपीव्हीसी पाईप स्पेशल्स जल वितरण प्रणाली सहित प्रदाय कर जोड़ने, बिछाने, इन्टरकनेक्शन टेस्टिंग ट्रायल रन एवं 3 माह तक संचालन संधारण का कार्य। (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित)

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन खंड कार्यालय में प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -21.07.2020 सायं 5.30 बजे तक

स.क्र.	विकासखण्ड	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
01	02	03	04
01	कुरूद	कुहकुहा-भरदा - 1800 मीटर	7.31

नोट :- नोटरी द्वारा प्रमाणित वांछित दस्तावेज पंजीयन शपथ पत्र, टर्नओवर, वर्क इन हैण्ड शपथ पत्र में, टूल्स एण्ड प्लांट की सूची, अनुभव प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. पंजीयन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने एवं निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद पात्रता निर्धारण पश्चात ही कोरे निविदा फार्म प्रदाय किया जावेगा। पृथक-पृथक समूहों के लिए पृथक-पृथक आवेदन सम्पूर्ण दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करना अनिवार्य है, यदि सभी समूहों के लिए एक आवेदन की जाती है, तो आवेदन पत्र में वर्णित प्रथम क्रमांक का ही आवेदन माना जावेगा।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जी-82124/2

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
धमतरी (छ.ग.)

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 4 वर्ष 2020-21

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के संबंधित हित रखने वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें।

पं.क्र.	नाम आवेदक एवं पिता का नाम	नाम हस्तांतरितों वल्दियत सहित	वार्ड क्रमांक मोहल्ला	आधार
124	गायत्री देवांगन/ स्व. मंगलचंद देवांगन	1. पुष्पा मेश्राम/रविन्द्र मेश्राम 2. रविन्द्र मेश्राम/ मुरलीदास मेश्राम	12 शंकर नगर	तहसीलदार का आदेश, ऋण पुस्तिका खसरा क्र. 1277/163 कुल क्षेत्रफल 400 व.मी. 31.17 व.मी. 0.004 हे. निर्मित क्षेत्र भूतल 260 व.फी. 24.16 व.मी.
125	जय कृष्ण साहू/ स्व. जीतराम साहू	मो रिजवान खान/मो. इब्राहिम खान	42 सुभाष नगर	तहसीलदार का आदेश, ऋण पुस्तिका खसरा क्र. 704/19 रकबा 0.009 हे. याने 1000 व.फी. 92.93 व.मी. निर्मित क्षेत्र भूतल 53.87 व.मी. प्रथम तल निर्मित 51.34 व.मी.
126	शांति त्रिवेदी/ अजय त्रिवेदी एवं अन्य	गंगा बाई/शंकरालाल दुबे	14 प्रेम नगर सिकोला भाठा	ऋण पुस्तिका मृत्यु प्रमाण पत्र खसरा क्र. 1332/29 रकबा 0.014 हे.
127	1. रमाश्री सिंह/विनय सिंह 2. विनय सिंह/ सुरेन्द्र सिंह	शुभमू राजपूत/ घनश्याम राजपूत	16 सिकोला भाठा	तहसीलदार का आदेश, ऋण पुस्तिका खसरा क्र. 48/7 रकबा 748 व.फी. 69.51 व.मी. 0.007 हे. निर्मित क्षेत्र भूतल 417.81 व.फी. 38.83 व.मी. प्रथम तल निर्मित 571.24 व.फी. 53.09 व.मी.
128	रत्नमाला देवानंद मेश्राम/ देवानंद मेश्राम	बायना बाई/कवडू रामटेके	58 बीडी कालोनी उरला	तहसीलदार का आदेश, ऋण पुस्तिका खसरा क्र. 803 बीडब्ल्यू 34 रकबा 60.00 व.मी. निर्मित क्षेत्रफल 42.72 व.मी.
129	तारणी साहू/शत्रुहन साहू	मोनो आर्ज्य/गोविन्द आर्ज्य	2 राजीव नगर	तहसीलदार का आदेश, ऋण पुस्तिका खसरा क्र. 736/71 रकबा 1350 व.फी. निर्मित भूतल 778 व.फी. 72.30 व.मी. प्रथम तल निर्मित 375 व.फी. 34.85 व.मी. खुला क्षेत्रफल 197 व.फी. 18.30 व.मी.
130	मयूर, दीपाली, रूपाली/ मोरेश्वर ठोमरे	मयूर, दीपाली, रूपाली रवि चुने/ मोरेश्वर ठोमरे	49 बोरसी	ऋण पुस्तिका उपहार पत्र खसरा क्र. 1/124 (2/67) रकबा 2200 व.फी.
131	मोहम्मद रफीक खान/गुलाम रसूल खान	मोहम्मद एजाज नाथनी/ स्व. अब्दुल उसमान	42 सुभाष नगर	तहसीलदार का आदेश, ऋण पुस्तिका खसरा क्र. 767/157 रकबा 0.005 हे. 600 व.फी. 55.76 व.मी. निर्मित भूतल 51.64 व.मी. प्रथम तल निर्मित 51.64 व.मी.
132	1. नोपचंद जैन/ धनराज जैन 2. हर्ष जैन धरमचंद जैन	वर्धमान स्थानकवासी श्रमण संधीय श्रावक संघ ट्रस्ट दुर्ग श्री प्रवीण कुमार जैन/स्व. भंवरलाल जैन	38 गंजपारा	तहसीलदार का आदेश, ऋण पुस्तिका खसरा क्र. 534/120 क्षेत्रफल 0.316 हे. एवं खसरा 534/123 क्षेत्रफल 0.003 हे.

नामांतरण अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021 email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 0771-4035602,

बिना पैसे के सरोज खान से डांस सीखना चाहते थे गोविंदा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के डासिंग स्टार गोविंदा का कहना है कि वह डांस की मल्लिका और कोरियोग्राफर सरोज खान से बिना पैसे के डांस सीखना चाहते थे। कोरियोग्राफर सरोज खान के निधन पर गोविंदा ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपना एक इमोशनल वीडियो शेयर कर सरोज खान के साथ पहली मुकालात को याद किया है।गोविंदा ने इस वीडियो को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वह कह रहे हैं, 'सरोज खान जी हमारे बीच नहीं रहीं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह आपकी आत्मा को शांति प्रदान करें। खुदा से दुआ करता हूं कि वह आपको जन्नत नसीब कराएं। मैं आपके साथ अपनी पहली मुलाकात कभी भूलता नहीं। मैं कह रहा था कि मैं आपसे डांस सीखना चाहता हूं, लेकिन मेरे पास पैसे नहीं हैं और आप बहुत प्रेम से कह रही हैं कि आएंगे तब दे देना।

प्रियंका-काजोल ने सरोज खान को किया याद

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और काजोल ने दिग्गज कोरियोग्राफर सरोज खान को याद कर अपनी संवेदना व्यक्त की है। बॉलीवुड कोरियोग्राफर सरोज खान के निधन पर बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है और सरोज खान के साथ अपने बीते दिनों को याद कर उन्हें साझा किया है। प्रियंका चोपड़ा ने भी ट्वीट कर सरोज खान के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। प्रियंका ने लिखा, जब अग्निपथ में उन्होंने मुझे कोरियोग्राफकिया था तो मेरे कई टीनेज सपने सच हो गए थे। टास्क मास्टर, परफेक्शनिस्ट, इनोवेटर, ट्रेंडसेटर, जीनियस...सरोज जी कई लोगों के लिए बहुत कुछ थीं। मेरे लिए वे हमेशा एक संस्थान रहेंगी जो डांसिग एरा को ढेर सारी भावनाओं और जुनून के साथ परिभाषित करती हैं। गुन गुन गुना रे...स्वर्ग भी आपके इशारों पर नाचे मास्टर जी...। वहीं काजोल ने भी सरोज खान को याद कर एक इमोशल पोस्ट शेयर किया।

छोटे पर्दे पर डेब्यू करेंगी ईशा देओल

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल बहुत जल्द छोटे पर्दे पर डेब्यू करने जा रही है। बॉलीवुड में चर्चा है कि ईशा देओल स्टार भारत के पौराणिक सीरियल 'जग जननी मां वैष्णो देवी' के साथ टीवी पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। सीरियल 'जग जननी मां वैष्णो देवी' में ईशा देओल, वैष्णवी की मां रानी समृद्धि देवी के किरदार में नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि ईशा देओल एक-दो दिन में सीरियल के कॉन्ट्रैक्ट पेपर्स भी साइन कर देंगी

और जल्द ही परिधि शर्मा के साथ शूट शुरू कर देंगी। गौरतलब है कि इससे पहले रानी समृद्धि देवी का किरदार तोरल रासपुत्रा निभा रही थीं। हालांकि तोरल ने लॉकडाउन लगने से पहले ही इस सीरियल को छोड़ने का मन बना लिया था और अब लॉकडाउन के बाद जब सीरियल की शूटिंग वापस से शुरू हुई तो उन्होंने सीरियल को अलविदा कह दिया है।

ऋतिक के डांस की कायल थी सरोज खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की लीजेन्डरी कोरियोग्राफर सरोज खान ने लोगों को अपनी कोरियोग्राफी से मंत्रमुग्ध किया लेकिन वह ऋतिक रौशन की डांस शैली की कायल थीं।

सरोज खान ने अपने चार दशक के सिने करियर के दौरान बॉलीवुड मे लगभग सभी बड़े स्टार को कोरियोग्राफकिया और अपनी कोरियोग्राफी से लोगों को दीवाना बनाया। बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रौशन की डांस शैली की सरोज खान कायल रही थी। सरोज ऋतिक के डांस की बहुत बड़ी फैन थीं। उन्हें पैदाइशी डांसर मानती थीं। सरोज ने ऋतिक के डांस के बारे में कहा था, ÷ऋतिक इतने परफेक्ट डांसर हैं कि कोरियोग्राफर को भी सोचने में समय लगता है कि उनसे क्या करवाएं। जब वह डांस करते हैं तो देखने वाले का मुंह खुला रह जाता है। मुझे उनमें कोई दोष नहीं दिखता। वो बॉर्न डांसर हैं। उन्हें किसी की ज़रूरत नहीं है। वो खुद कर सकते हैं।

प्रियंका के एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 20 साल पूरे

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के साथ ही हॉलीवुड में कामयाबी का परचम लहरा चुकी प्रियंका चोपड़ा ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 20 साल पूरे कर लिये हैं।

प्रियंका चोपड़ा को वर्ष 2000 में मिस इंडिया वर्ल्ड के खिताब से नवाजा गया। इसके बाद उन्होंने पहले बॉलीवुड और बाद में हॉलीवुड में भी सफलता का परहचम लहराया। प्रियंका ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 20 साल पूरे कर लिये हैं। ऐसे में अब उनके ट्रिब्यूट में एक वीडियो बनाया गया है। इस वीडियो को खुद प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में प्रियंका के मिस वर्ल्ड बनने से लेकर हॉलीवुड में जलवा बिखेरने तक सब कुछ दिखाया गया है।

वीडियो को शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा, मनोरंजन के 20 साल पूरे। शुक्रिया और मेरे तमाम फैन्स को जिन्होंने मुझे इस अंदाज में ट्रिब्यूट दिया। मैं आप सभी से कभी मिलना चाहूंगी। मैं इस पल को आप सभी के साथ सेलिब्रेट करना चाहती हूं , जुड़े रहिए, शुक्रिया।

जापान में रिलीज होगी ऋतिक-टाइगर 'वॉर' !

मुंबई (वर्ता)। बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रौशन और टाइगर श्राफकी जोड़ी वाली सुपरहिट फिल्म 'वॉर' जापान में रिलीज की जायेगी। जापान में कोरोना के आंकड़े धीरे-धीरे कम हो रहा है और ठीक होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जापान की सरकार पब्लिक एरिया को खोल रही है जिनमें थिएटर भी शामिल हैं। ऋतिक-टाइगर की जोड़ी वाली फिल्म वॉर जापान में रिलीज की जा सकती है फिल्म वॉर में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ का भरपूर एक्शन देखने को मिला।

चीन के सुपर डैन ने राष्ट्रीय टीम से लिया संन्यास

चीन के करिश्माई बैडमिंटन खिलाड़ी और सुपर डैन के नाम से मशहूर लिन डैन ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा कर दी और इसके साथ ही उनके राष्ट्रीय टीम के साथ 20 साल के चमकदार करियर का समापन हो गया।

बीजिंग (वार्ता)। दो बार के ओलम्पिक चैंपियन और पांच बार के विश्व चैंपियन लिन डैन ने चीन के ट्विटर जैसे सोशल मीडिया वीबो पर कहा,÷ 2000 से 2020 तक, 20 साल के बाद मैं राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह रहा हूं, हालांकि ऐसा करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। लिन डैन ने कहा,÷मैं 37 साल का हो चुका हूं और मेरी शारीरिक स्थिति और चोटें मुझे अब अनुमति नहीं देती हैं कि मैं अब कोर्ट पर उतारकर विपक्षी का मुकाबला कर सकूं। आने वाले दिनों मैं उम्मीद करता हूं कि मैं अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिता पाऊंगा। सुपर डैन ने कहा,÷ चार ओलम्पिक खेलने के बाद मैंने कभी खेल को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा था और न ही मैं इस बारे में सोचना चाहता था। मैंने अपना सब कुछ इस खेल को समर्पित कर दिया था जिसे मैं बहुत प्यार करता हूं।

उन्होंने अपने देश, कोचों, परिवार और प्रशंसकों को धन्यवाद दिया जिनकी बदौलत उनका करियर इतना लम्बा चल सका। लिन डैन ने साथ ही अपने शानदार प्रतिद्वंद्वियों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

लिन डैन और मलेशिया के ली चोंग वेई के बीच की प्रतिद्वंद्विता बैडमिंटन के एकल इतिहास में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। ली ने स्वास्थ्य कारणों से गत जून में संन्यास ले लिया था। इंडोनेशिया के तौफीक हिदायत,डेनमार्क के पीटर गेड, ली और लिन को बैडमिंटन की दुनिया की सर्वश्रेष्ठ चौकड़ी माना जाता है।

लिन के टोक्यो ओलम्पिक में उतरने और पांचवां ओलम्पिक खेलने की संभावना बहुत कम थी। टोक्यो ओलम्पिक को 2021 तक स्थगित कर दिए जाने के कारण लिन की टोक्यो उम्मीदों को झटका लगा था।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा होगा जयपुर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

जयपुर (वार्ता)। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) द्वारा जयपुर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम दुनिया का तीसरा और देश का दूसरा सबसे बड़ा स्टेडियम होगा। आरसीए के सचिव महेंद्र शर्मा ने बताया कि

इसकी क्षमता 75 हजार दर्शकों की होगी जो गुजरात के मोटेरा क्रिकेट स्टेडियम और आस्ट्रेलिया के मेलबोर्न क्रिकेट स्टेडियम के बाद तीसरा सर्वाधिक है। स्टेडियम का दो चरणों में निर्माण किया जायेगा। पहले चरण में 45 हजार दर्शकों की क्षमता होगी जबकि दूसरे चरण में इसकी क्षमता बढ़ाकर 75 हजार दर्शकों की की जायेगी।

उन्होंने बताया कि यह स्टेडियम 100 एकड़ जमीन में निर्मित किया जायेगा, जिसमें बहुउद्देशीय प्रशिक्षण अकादमी, इंडोर खेलों की सुविधाओं से युक्त आधुनिक क्लब हाऊस, चार हजार कारों के लिये पार्किंग और पब्लिक ट्रांस्पोर्ट के लिये विशेष स्थान का निर्माण किया जायेगा। शर्मा ने बताया कि स्टेडियम के पूरब और पश्चिम में जनता की सुविधा के लिये रेस्टोरेंट सहित अन्य सुविधायें भी मुहैया कराई जायेंगी। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के दो मैदान भी होंगे जिनमें 30 प्रेक्टिस नेट होंगे।

ऑस्ट्रिया ग्रां प्री के अभ्यास सत्र में सबसे तेज रहे हैमिल्टन

स्पीलबर्ग (वार्ता)। छह बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के लुइस हैमिल्टन ने सत्र की पहली फार्मूला वन रेस ऑस्ट्रियन ग्रां प्री में शानदार शुरुआत करते हुए शुक्रवार को अभ्यास सत्र में सबसे तेज समय निकाला। कोरोना के कारण लगभग चार महीने तक सत्र के बंद रहने के बाद फार्मूला वन की ऑस्ट्रिया ग्रां प्री से शुरुआत हुई। मर्सिडीस और हैमिल्टन ने यहां रेड बुल सर्किट में वहीं से शुरुआत की जहां वह पिछले साल छोड़ आये थे। हैमिल्टन और उनके टीम साथी वाल्टेरी बोटास ने दोनों फ्री अभ्यास सत्रों में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। हैमिल्टन काली ड्रेस और काली मर्सिडीस कार में रेस कर रहे थे और उनकी कार पर लिखा था नस्लवाद बंद करो। उनके हेलमेट पर 'ब्लैक लाइव्स मैटर' भी लिखा हुआ था। उन्होंने एक मिनट 04.304 सेकंड का सबसे तेज समय निकाला जबकि शुरूआती अभ्यास में उनका कुल समय 1:04.816.था।

आइसोलेशन में गए सैम करेन का टेस्ट नेगेटिव

साउथम्प्टन (वार्ता)। इंग्लैंड के आलराउंडर सैम करेन बीमार पड़ने के बाद एजिस बॉल में अपने कमरे में आइसोलेशन में चले गए थे लेकिन बाद में उनका कोरोना टेस्ट नेगेटिव आया है।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरूवार को बताया कि करेन बुधवार रात बीमार पड़ गए थे जिसके बाद वह एजिस बॉल में आइसोलेशन में चले गए। करेन इंग्लैंड की दो टीमों के बीच यहां चल रहे अभ्यास मैच में जोस बटलर की टीम का हिस्सा थे। करेन अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान में उतरे थे और उन्होंने नाबाद 15 रन बनाये थे लेकिन उसी रात वह अस्वस्थ महसूस करने लगे थे। ईसीबी ने बताया था कि करेन की टीम डॉक्टर लगातार निगरानी कर रहे थे और गुरूवार को उनका कोरोना टेस्ट भी किया गया है जो शुक्रवार को नेगेटिव आया।

सुरक्षा को ध्यान रख बेंगलुरु में ही रुक गए सूरज करकेरा

बेंगलुरु (वार्ता)। हॉकी इंडिया ने जब भारतीय पुरुष और महिला कोर संभावितों के लिए एक महीने के ब्रेक का एलान किया था तब सूरज करकेरा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ी अपने-अपने घरों को रवाना हो गए थे। सूरज ने मुंबई नहीं लौटने का मुश्किल फैसला किया क्योंकि यह शहर देश में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से एक है।

2011 विश्व कप फाइनल फिक्स होने का कोई प्रमाण नहीं, जांच बंद

कोलम्बो (वार्ता)। भारत में हुए 2011 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के फिक्स होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है और तत्कालीन श्रीलंकाई खेल मंत्री महेंद्रानंद अलुथगमागे के फाइनल फिक्स होने के आरोप बेबुनियाद साबित हुए हैं जिसके बाद इस मामले में जांच को बंद कर दिया गया है। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था।

विश्व कप फाइनल फिक्स होने के आरोपों की जांच पूरी हो गयी है और खिलाड़ियों को क्लीन चिट दे दी गयी है। खेल मंत्रालय द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल के प्रमुख जगत फोन्सेका ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जांच दल ने फिक्सिंग के आरोपों को लेकर विश्व कप के समय कप्तान रहे कुमार संगकारा, उस समय राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष रहे अरविन्द डी सिल्वा और सलामी बल्लेबाज उपुल तरंगा से घंटों पूछताछ की। उपकप्तान और फाइनल में शतक बनाने वाले माहेला जयवर्धने जांच दल के सामने पेश होने वाले थे लेकिन उससे पहले ही जांच समाप्त घोषित कर दी गयी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने शुक्रवार को जारी बयान कहा कि उसे मैच को लेकर किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं है। आईसीसी के महाप्रबंधक एलेक्स मार्शल ने कहा कि उसकी भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने इन आरोपों को देखा था लेकिन उसे इन दावों के संबंध में कोई प्रमाण नहीं दिए गए थे, इसी वजह से आईसीसी ने इन दावों को लेकर कोई जांच शुरू नहीं की। मार्शल ने साथ ही कहा कि पूर्व श्रीलंकाई खेल मंत्री ने आईसीसी को लिखित या मौखिक कोई शिकायत नहीं की थी।

फोन्सेका ने कहा कि तीन क्रिकेटरों को अब तक पूछताछ के लिए बुलाया गया था और उनके बयान में सच्चाई दिखाई देती है कि फाइनल में एकादश में परिवर्तन करने की क्या वजह थी। उन्होंने बताया कि वह अपनी जांच रिपोर्ट खेल मंत्रालय के सचिव को भेजेंगे। उन्होंने बताया कि एक शिकायत पत्र आईसीसी को भेजा गया था लेकिन आईसीसी ने अपनी तरफसे कोई जांच शुरू नहीं की थी। उन्होंने बताया कि विशेष जांच टीम के उच्च अधिकारियों के साथ विचार विमर्श करने के बाद शुक्रवार को जांच समाप्त करने का फैसला किया गया। उन्होंने साथ ही कहा कि विभिन्न क्रिकेटरों को पूछताछ के लिए बुलाया जाना देश में संकट पैदा कर सकता था और यह एक बड़ा मुद्दा बन सकता था। फोन्सेका ने कहा, ÷तीन खिलाड़ियों के बयान से पता चलता है कि पूर्व खेल मंत्री महेंद्रानंद अलुथगमागे के 14 आरोपों को साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं थे। आईसीसी ने भी आरोपों को लेकर कोई जवाब नहीं दिया था। पूर्व खेल मंत्री महेंद्रानंद अलुथगमागे ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि भारत और श्रीलंका के बीच विश्व कप 2011 का फाइनल फिक्स था। उनके इन आरोपों की श्रीलंका के खेल मंत्रालय ने पूरी जांच का आदेश दिया था। अलुथगमागे के आरोप 2011 फाइनल में श्रीलंकाई एकादश में किये गए चार परिवर्तनों को लेकर थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और प्लेयर्स यूनियन का वेतन विवाद टला

मेलबोर्न (वार्ता)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ (एसीए) ने कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण हुये नुकसान को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होने तक राजस्व आकलन को स्थगित करने पर आपसी सहमति व्यक्त की है जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच वेतन को लेकर चल रहा विवाद टल गया है। सीए ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर खिलाड़ियों को भुगतान किये जाने वाले पैसे में कटौती की बात कही थी जिसके बाद एसीए के साथ उसका विवाद शुरू हुआ था। वर्ष 2017 में हुये समझौते के तहत क्रिकेटरों के बीच राजस्व का एक निश्चित प्रतिशत वितरित किया जाता है। सीए और एसीए के बीच राजस्व आकलन को स्थगित करने को लेकर शनिवार को सहमति बन गई। सीए के प्रवक्ता ने कहा, ÷कोरोना वायरस महामारी का वित्तीय स्थिति पर पड़े प्रभाव का आकलन करने के लिए बेहतर स्थिति बनने तक दोनों पक्षों (सीए और एसीए) ने राजस्व आकलन को स्थगित करने पर सहमति व्यक्त की है।

न्यूज गैलरी

प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष हेमंत राठौर का निधन

महासमुंद। प्रेस क्लब महासमुंद के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार हेमंत राठौर (58) का आज सुबह 7.30 बजे आकस्मिक निधन हो गया। वे कुछ समय से गंभीर रूप से अस्वस्थ थे। उनका इलाज मुंबई में चल रहा था इलाज कराकर दो दिन पूर्व ही वे महासमुंद लौटे थे। श्री राठौर कई वर्षो से रायपुर से प्रकाशित समाचार पत्र 'नवभारत' में अपनी सेवाएं दे रहे थे। पत्रकारिता के साथ ही खेल, सांस्कृतिक आयोजनों, योग, और धार्मिक आयोजनों में वे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। आज सुबह उनका स्वास्थ्य बिगड़ने पर उपचार के लिए स्टेशन रोड स्थित निवास में चिकित्सक को बुलाया गया तब तक उनकी सांसे थम चुकी थीं। वे तोषण राठौड़, पूर्व डिस्ट्रिक्ट जज महेंद्र राठौर, नोटरी भूपेंद्र राठौर, पूर्व इंस्पेक्टर कुशाल राठौर के अनुज थे। पांच भाईयों में सबसे छोटे हेमंत राठौड़ के भरे पूरे परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। सरल, सौम्य श्री राठौर के निधन से मीडिया जगत में शोक की लहर है।

श्री हेमंत राठौर को पालिका परिवार ने दी श्रद्धांजलि

महासमुंद। प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री हेमंत राठौर के आकस्मिक निधन से पूरा नगर पालिका परिवार स्तंभ है. नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर, उपाध्यक्ष कृष्णा चंद्राकर एवं सभापतियों ने विनम्रतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा राठौर जी का हमारे बीच से चले जाना मीडिया जगत के लिए अपूर्णक्षति बताया है. पालिका परिवार ने इस दुख की घड़ी में मृत आत्मा एवं उनके परिवार के लिए प्रर्थना की.

10 रुपए की दर से मिलेगा दो किलो नमक

महासमुंद। राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जारी एपीएल राशनकार्डों पर 01 जून से 10 रुपए प्रति किलो की दर से अधिकतम 2 किलोग्राम नमक की पात्रता निर्धारित किया गया है। इस आदेश के अनुक्रम में एपीएल नमक पर उचित मूल्य दुकान का डीलर कमीशन एक रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया है तथा एपीएल नमक के लिए डिलीवरी आर्डर की दर 9 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित की गई है।

खेत से पंप और केबल पार

महासमुंद। तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अछोला में कौंदी बाई पति लेडगू सतनामी (60) के खेत से मोटर पंप और केबल अज्ञात ने पार कर दी। शिकायत पर पुलिस ने 379 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश पर पिटाई

महासमुंद। पुरानी रंजिश की बात को लेकर दो युवकों ने एक युवक की पिटाई कर दी। सूर्या राईस मिल रोड निवासी नदीम खान पिता कदीर अहमद (27) ने पुलिस को बताया कि सुभाषनगर नगर निवासी सोनू गांड़ा और सागर गांड़ा ने पुरानी रंजिश की बात को लेकर उसकी पिटाई कर दी।

घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

महासमुंद। सड़क दुर्घटना में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। वार्ड 1 पेंड्रावन ओड़िशा निवासी झगडू पिता हृदय लाल मांझी (35) सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। उपचार के लिए उन्हें रायपुर में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

बाइक की ठोकर से एक घायल

महासमुंद। दो बाइकों में हुई भिड़त में एक बाइक चालक घायल हो गया। नांदगांव निवासी पवन पटेल (42) ने पुलिस को बताया कि वाहन क्रमांक सीजी 04 एमजेड 3377 के चालक महेश निषाद ने उनकी बाइक क्रमांक सीजी 04 एल क्यू 8404 को ठोकर मार दी जिससे वह घायल हो गया। कोतवाली पुलिस ने 279, 337 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

नाली के ऊपर व्यवस्थित रूप से व्यवसाय करने का निर्णय

महासमुंद। फुटकर व्यवसायियों की बैठक सांसद कार्यालय में हुई। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा, यूनियन के सभी जोन के अध्यक्ष, संरक्षक मोहन साहू, पवन साहू, अरविंद प्रहरे, महेन्द्र सिका, यशवंत साहू उपस्थित थे। बैठक में सभी लोगों ने निर्णय लिया है कि व्यवस्थित रूप से नाली के ऊपर व्यवसाय करेंगे। ट्रैफिक की भी समस्या नहीं होगी। व्यवसाय करने के स्थान पर स्वच्छता के लिए डस्टबीन रखने का निर्णय लिया है। डस्टबीन में कचरा डालेंगे और सुबह कचरा रिक्शे वाले को देंगे। इसके अलावा प्रति माह के पहले शुक्रवार को 2 बजे ढीढी उद्यान के सामने सांसद कार्यालय के सामने बैठेंगे। डा चोपड़ा ने कहा कि जल्द ही प्रधानमंत्री द्वारा घोषणा की गई व्यवसायियों को बैंक से 10 हजार रुपए लोन दिलाने की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी।

कोटेनदरहा कन्टेनमेंट जोन से मुक्त

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के आदेश पर 6 जून को बसना विकासखण्ड के ग्राम कोटेनदरहा में कोरोना वायरस (कोविड-19) पॉजिटिव पाये जाने के कारण कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया था।

निधन

तारा बेन पोपट

महासमुंद। स्थानीय गंजपारा निवासी ताराबेन धनजी भाई पोपट (72) का शुक्रवार को निधन हो गया। वे भूपेश पोपट और राजेश पोपट की माता थीं।

शासन प्रशासन में तालमेल की कमी

जिले के क्वारेंटाइन में दो लोगो की मौत, प्रभारी मंत्री ने कहा मुझे जानकारी नहीं

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। शुक्रवार को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू पत्रकारो से रूबरू हुए। इस दौरान पत्रकारो ने जब उनसे जिले के क्वारेंटाइन में अव्यवस्था के चलते दो लोगो की मौत होने पर प्रश्न किया तो उन्होंने सीधे कह दिया कि उन्हें जानकारी नही। जानकारी होती तो इस विषय में बैठक में भी चर्चा करते है हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि ऐसा नही होना चाहिए। इसके अलावा एक अन्य मुद्दे पर भी उन्होंने सीधे जानकारी नही होना बात कही। ज्ञात हो कि जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में जिले के विभिन्न विभागो के कार्यो, व्याप्त समस्याओ और शिकायतो को लेकर चर्चा होती है। लेकिन जिस प्रकार जनहित और ज्वलंत मुद्दो पर प्रभारी मंत्री ने जानकारी नही होने की बात कही उसे देखकर जिला प्रशासन सवालो के घेरे है। प्रशासन द्वारा जानबूझ कर गंभीर मुद्दे पर प्रभारी मंत्री को अंधेरे में रखा गया। दूसरी ओर जिले के प्रभारी मंत्री होने के बाद भी ऐसे गंभीर मुद्दो की जानकारी उन्हे ना होना अपने आप में आश्चर्य की बात है। इससे स्पष्ट है कि प्रशासनिक सुत्रो के साथ ही पार्टी के जिम्मेदार सदस्य भी ऐसे मुद्दो को मंत्री तक पहुचाते है। शासन प्रशासन के बीच तालमेल कमजोर है। वही यह भी इंगित करता है कि प्रशासन केवल वाहवाही लुटने वाले विभागीय कार्यो की जानकारी शासन के बीच रखता है।

पत्रकारो से चर्चा के दौरान प्रभारी मंत्री साहू ने बताया कि समीक्षा बैठक में राज्य सरकार द्वारा संचालित योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। विभागीय कार्यो के प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए है कि अब भीड़ वाले क्षेत्रो में कोरोना की जांच करें। उन्होने बताया कि अब बाहर से आने वाले नए प्रवासी मजदुरो को शहर में ही एक जगह चिंहित कर रखा जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रो के क्वारेंटाइन सेंटर को बंद करने के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने पत्रकारो को बताया कि रेत खदान और देवभोग के फर्मासिस्ट वाले मामले में जांच के निर्देश दिए गए है।

अंतर की राशि देने को लेकर विवाद सही नही

प्रभारी मंत्री ने कहा कि अंतर की राशि देने को लेकर विवाद सही नही है। प्रदेश की वित्तीय स्थिति ठीक है। कोरोना संकट के बाद सरकार ने सभी वर्ग के कर्मचारियो को पूरा वेतन दिया है। जबकि अन्य राज्यो में 30 प्रतिशत तक वेतन में कटौती की गई है। उन्होने कहा कि यदि सरकार अंतर की राशि नही देते तो बात अलग थी। चार किश्त के पीछे किसानो को किसानी कार्य में जरूरत के समय पैसा दिया जा रहा है ताकि जरूरत के समय उन्हे कर्ज ना लेना पडे। सरकार की मंशा साफहै कि किसानो को मजबूर करना चाहते है।

मोबाइल टॉवर की बैटरी और आलमारी से जेवर चोरी

महासमुंद। अज्ञात चोरों ने कोतवाली और कोमाखान थाने क्षेत्र में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक शंकर नगर स्थित मोबाइल टावर में लगी 24 नग बैटरी अज्ञात ने पार कर दी। टावर संचालक पुष्पेन्द्र सिंह की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। इधर, ग्राम कोकड़ी निवासी यादराम पटेल के मकान का दरवाजा तोड़कर आलमारी से 29 हजार रूपए के सोने-चांदी के जेवर और 10 हजार रूपए नकद पर चोरों ने हाथ साफ कर दिए। पुलिस ने शिकायत पर 457, 380 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

बिना बेस के बनाया जा रहा सीसी रोड

मालखरौदा। मालखरौदा ब्लाक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत भठोरा इन दिनों सांसद मद से 5 लाख रुपए का सीसी रोड निर्माण कार्य चालू है जिसमें जमीन को बिना लेबलिंग कराए ही सीसी रोड डाला जा रहा है नियंता कहीं पर भी सीसी रोड डालने से पहले जमीन को गिट्टी चुरा से बेस को मजबूत किया जाता है फिर उसके ऊपर पॉलिथीन बिछाकर ही 8:00 बजे का सीसी रोड डाला जाता है लेकिन इस गांव में केवल पॉलिथीन बिछाकर ही सीसी रोड डाला जा रहा है ऐसे में इस सड़क पर बनाए जा रहे सड़क की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगा है जोगी कभी भी कई जगह से दरारे पड़ सकती है हैरानी की बात तो यह है कि इस जगह का ले ऑउट देने वाले इंजीनियर का नजर नहीं पड़ा और मिट्टी युक्त सड़क के ऊपर ही बिना बेस के ही आनन-फानन में सीसी रोड का निर्माण कार्य कराया जा रहा है हैरानी की बात तो यह है कि क्षेत्र के 9 सदस्य एसडीओ ऐश्वर्या वर्मा से जब इस संबंध में पूछ गया तो उनका कहना था कि सड़क तो ऐसे ही बनना है आपका क्या जाता है ऐसे में समझा जा सकता है कमीशन के खेल किस प्रकार से चल रहा है मौका देखे बगैर ही एसडीओ आंख मूंद कर अपना वक्तव्य दे रहें है।

इस संबंध में संबंधित इंजीनियर को बात करता हूं
एस.एन वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मालखरौदा

आज ही काम चालू किया गया है
रमेश साहू, सचिव, ग्राम पंचायत भठोरा

सीसी रोड का सड़क तो ऐसे ही बनता है आपको क्या जाता है।
ऐश्वर्या वर्मा, एसडीओ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मालखरौदा

मुख्यमंत्री सहायता कोष में मनवा कुर्मी समाज ने किया सहयोग

महासमुंद। कोरोना महामारी में जरूरतमन्दों की सहायता के लिए छग मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज महासमुंद इकाई आगे आया है। शुक्रवार को समाज के पदाधिकारियों ने विधायक निवास पहुंचकर विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर से मुलाकात कर मुख्यमंत्री सहायता कोष में तीस हजार एक रुपए का सहयोग किया है। जिस पर विधायक श्री चंद्राकर ने समाज के पदाधिकारियों का आभार जताया है। शुक्रवार को समाज के अध्यक्ष रामदयाल वर्मा, उत्तम वर्मा, भुवन वर्मा, डीपी वर्मा, आशीष वर्मा, जितेंद्र वर्मा, नीरज वर्मा, भगवती वर्मा, शांतनु वर्मा, प्रदीप वर्मा, पानू वर्मा, ललित वर्मा, समुन वर्मा, सरला वर्मा आदि विधायक निवास पहुंचे और विधायक श्री चंद्राकर से मुलाकात की। समाज के पदाधिकारियों ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए तीस हजार एक रुपए का चेक सौंपा। जिस पर विधायक श्री चंद्राकर ने सहयोग के लिए समाज के पदाधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार लगातार इस विषम परिस्थितियों में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने हरसंभव प्रयास कर रही है। इसके लिए लोगों को मुख्यमंत्री सहायता कोष में सहयोग करने आगे आने की जरूरत है।

प्रॉफिशियेन्सी टेस्ट लेकर परखा ट्रू -नॉट मशीन की गुणवत्ता

महासमुंद। जिले में जल्द शुरू होने जा रही कोरोना सैंपल जांच सुविधा के लिए हाल ही में इंस्टॉल हुई ट्रू-नॉट मशीन की गुणवत्ता जांच के लिए 1 जुलाई को प्रॉफिशियेन्सी टेस्ट लेकर परखा गया। साथ ही राजधानी के आईआरएल से प्रशिक्षित हो कर लौटे जिले के मैडिकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट्स एवं फार्मासिस्ट ने पूर्वाभ्यास भी किया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अब तक जिले के कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों और पॉजिटिव प्रकरणों की जांच के लिए स्वाब के नमूने राजधानी रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भेजे जा रहे थे, जहां प्रदेशभर से आ रहे सैंपल्स के आधिक्य के साथ-साथ यात्रा परिवहन के चलते आंशिक रूप अधिक लागत, समय और ऊर्जा व्यय की तकनीकी असुविधाएं होने की स्थिति रहीं। ऐसे में यहीं सेवाएं जल्द ही जिला स्तर पर भी शुरू करने के लिए जिला चिकित्सालय के कोविड सेक्शन में स्थापित कोरोना की पृथक लैब में बुधवार 1 जुलाई को प्रॉफिशियेन्सी टेस्ट किया गया।

अर्जुनी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में अस्पताल के कर्मचारियों ने किया पौधारोपण

अर्जुनी। अच्छी सेहत के लिए शुद्ध आहार व शुद्ध आबोहवा की आवश्यकता होती है ,और शुद्ध आबोहवा हमे पर्यावरण से मिलता है ,प्रदूषित पर्यावरण से इसकी कल्पना करना असंभव है ,अतः यह तभी सम्भव है जब हम अपनी प्राकृतिक जिम्मेदारी को समझते हुए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कर अपना व अपने पर्यावरण का संतुलन बनाये रखना इसी के मद्देनजर बलौदाबाजार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत अर्जुनी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी के परिसर में अस्पताल के कर्मचारियों व पंचायत के जनप्रतिनिधियों पर्यावरण सरक्षण के उद्देश्य से दर्जनों निम, पीपल, डूमर, शीशम, करण के पौधे रोपित किया गया। चर्चा के दौरान सरपंच प्रमोद जैन ने कहा ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करना अच्छी बात है ,किंतु इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है ,की हम जो पौधा रोप है उसे सरंक्षित कर पा रहे है या नही, अतः हर रोपित किये गए पौधे की सरंक्षण की जिम्मेदारी हमारी स्वयं की होनी चाहिए उक्त वृक्षारोपण कार्य मे अस्पताल के डॉ.स्मिता दुबे स्वास्थ्यकर्मी सुमन वर्मा,चंचल टंडन सहित पंचायत प्रतिनिधियों में उपसरपंच प्रेमचंद वर्मा पंच रविशंकर साहू,धर्मेंद्र कटारे,राजेश कुमार साहू,सालिक साहू,भूपेंद्र कुमार चौहान आदि शामिल रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष अवैध निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचे

महासमुंद। नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने वार्ड 28 के एक व्यक्ति द्वारा शासकीय जमीन पर कब्जाकर अवैध निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचे. उस निर्माण को तोड़ने के निर्देश दिए। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 28 मौहारीभाठा जिला पंचायत के पास बने सरकारी क्वाटर्स के पीछे आवागमन के लिए रास्ते को पूरी तरह घेर कर एक व्यक्ति द्वारा मकान बनाया जा रहा था. सार्वजनिक सड़क खोद कर कालम खड़ा कर कांक्रीट से ढ़लाई कर स्लेव ढ़लाई की तैयारी की जा रही थी. मोहल्ले वालों ने इसकी शिकायत नगर पालिका अध्यक्ष से की. पालिका अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने शनिवार को मौके का निरीक्षण किया. निर्माण कार्य को देखकर पालिका अध्यक्ष खुद हैरान रह गए. अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से तोड़ने को कहा. नहीं तो पालिका के जेसीबी मशीन से तोड़ने की बात कही. पालिका अध्यक्ष ने नाराजगी जताई और कहा लोगों के आने जाने का सार्वजनिक रास्ते पर किसके कहने पर निर्माण किया गया. इस दौरान पालिका के इंजीनियर से मकान मालिक पर एफआईआर दर्ज कराने को कहा. पालिका अध्यक्ष ने कहा किसी भी अवैध कब्जा हो या फिर अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

■ शासन के प्रति जनता का विश्वास मजबूत हो - मंत्री साहू

गरियाबंद। प्रदेश के लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन मंत्री तथा गरियाबंद जिला के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। मंत्री श्री साहू ने कहा कि अधिकारी इस तरह कार्य करें कि सरकार के प्रति जनता का विश्वास सुदृढ़ हो। समाज के गरीब, मजदूर और जरूरतमंदों की सुनवाई पहले हो। बैठक में राजिम विधायक अमितेश शुक्ल, कलेक्टर छत्तर सिंह डेहरे, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ विनय लंगेह सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में प्रभारी मंत्री श्री साहू ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि आम जनता यदि किसी समस्या के संबंध में आवेदन दे रहे है, तो उनका वास्तविक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कहा कि प्रशासन को गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति अधिक संवेदनशील होकर कार्य करना होगा। प्रभारी मंत्री ने बैठक में कोविड-19 अंतर्गत चल रही तैयारियों की समीक्षा भी की। कलेक्टर श्री डेहरे ने बताया कि कि गया कि वर्तमान में जिले में कुल 41 धनात्मक केस है, जिसमें से 26 केस ठीक हो चुके है। जिला मुख्यालय में कोविड अस्पताल बनकर पूर्ण हो गया है। जहां वर्तमान में पॉजिटिव मरीज भर्ती है। जिले में कुल 413 क्वांरेंटाइन सेंटर संचालित है। अभी तक जिले में 6876 प्रवासी श्रमिक पहुंच चुके है। अब मात्र 73 प्रवासी श्रमिक आने की संभावना है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अब आने वाले संभावित मजदूरों को शहर में ही क्वांरेटाइन सेंटर में रखा जाए।

प्रभारी मंत्री श्री साहू ने एक संजीवनी एक्सप्रेस एवं पांच एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

गरियाबंद। गरियाबंद जिले मे एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने जिला कार्यालय परिसर में राज्य शासन से प्राप्त एक संजीवनी 108 तथा पांच एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होगी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और पहुंच में तेजी आयेगी। स्वास्थ्य विभाग के सी.एम.एच.ओ. ने बताया कि संजीवनी 108 एक्सप्रेस राज्य शासन द्वारा जिला चिकित्सालय गरियाबंद के लिए प्राप्त हुआ है। अब जिला मुख्यालय में दो संजीवनी 108 उपलब्ध हो गये है। वहीं प्रभारी मंत्री के अनुशंसा पर जिला खनिज न्यास निधि से जिले के लिए 5 एम्बुलेंस उपलब्ध कराया गया है। इस अवसर पर राजिम विधायक अमितेश शुक्ल, कलेक्टर छत्तर सिंह डेहरे, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ विनय लंगेह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

सौगात विधायक ने किया सीसी रोड सहित अन्य कार्यों का भूमिपूजन

बरसात के दिनों में नहीं होगी आने-जाने में परेशानी

महासमुंद। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में आज शुक्रवार को ग्राम पंचायत कोसरंगी में रंगमंच का लोकार्पण, सीसी रोड व उपस्वास्थ्य केंद्र में आहाता निर्माण का भूमिपूजन किया गया। यहां सीसी रोड नहीं होने से बरसात के दिनों में दिक्कतें आती थी। सीसी रोड बनने से बरसात के दिनों में आने-जाने में ग्रामीणों को कोई परेशानी नहीं होगी।

शुक्रवार को ग्राम पंचायत कोसरंगी में लोकार्पण व भूमिपूजन समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री चंद्राकर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर ने की। विशेष अतिथि के रूप में जनपद सदस्य निधि लोकेश चंद्राकर, गोविंद साहू, राजेन्द्र चन्द्राकर मौजूद थे। विधायक श्री चंद्राकर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों में मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। पानी, सड़क के साथ ही प्राथमिकता के साथ गांवों में सुविधा के लिए शुरू से प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के इस विषम परिस्थितियों में भी विकास कार्यों को पूरा कराया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद सदस्य के सभापति दिग्विजय साहू, गब्बर साहू, हेमंत डडसेना, रमाकांत ध्रुव, जनपद सदस्य कुणाल चंद्राकर, सरपंच उमा साहू, हीरा बंजारे, नारायण नामदेव, आवेज खान, छब्बू साहू, कार्तिक साहू, घसिया साहू, संतोष बंजारे, जीवन यादव, सुरेश साहू, घनश्याम निषाद, सोहन साहू, संतोष बंजारे, श्याम बंजारे, धनेश्वरी निषाद, रुखमणी साहू, पंचराम सारथी, प्रेमलता साहू, अनुसूईया साहू, डिगेश्वर साहू, कौशिल्या टंडन आदि मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग के लिए और मिली मोहलत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की वजह से सरकार ने इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग के लिए और अधिक मोहलत दी है। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए आईटीआर फाइलिंग के लिए समयसीमा 30 नंबर 2020 तक बढ़ा दी गई है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा, ''मौजूदा समय को समझते हुए और ध्यान में रखते हुए हमने एक बार फिर डेडलाइन्स को बढ़ा दी है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर फाइलिंग की समयसीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी है। उम्मीद है कि इससे टैक्सपेयर्स को बेहतर प्लानिंग में मदद मिलेगी।''

कोविड-19 संकट के बीच करदाताओं को राहत देते हुए आयकर विभाग ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2019-20 के लिए कर बचत निवेश / भुगतान की समय सीमा को बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया। वित्त वर्ष 2019-20 (असेसमेंट ईयर 2020-21) के लिए पर्सनल इनकम टैक्स रिटर्न और अन्य रिटर्न की डेडलाइन 31 जुलाई से बढ़ाकर 30 नवंबर 2020 कर दी गई है।

डॉ. एस पी कोचर सीओएआई के महानिदेशक नियुक्त

नई दिल्ली (वार्ता)। संचार क्षेत्र की कंपनियों के शीर्ष संगठन सीओएआई ने लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. एस पी कोचर को अपना नया महानिदेशक नियुक्त किया है। संगठन ने आज यहां जारी बयान में यह घोषणा करते हुये कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल डॉ़ कोचर श्री राजन एस मैथ्युज का स्थान लेंगे जो करीब 10 वर्षों की अपनी सेवा संगठन को दे चुके हैं। भारतीय सेवा के आईसीटी विंग के प्रमुख के तौर पर सिंग्नल ऑफिसर इन चीफके पद से सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. कोचर हाल तक टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। भारतीय सेना में वह सेना के टेलीकॉम परिचालन और आईटी नेटवर्क का काम देखते थे। श्री मैथ्यूज वर्ष 2010 से सीओएआई के महानिदेशक के पद पर थे।

100 लोग को एक साथ असीमित फ्री वीडियो कॉलिंग

जियोमीट देगा जूम को टक्कर, जूम ऐप पर वीडियो कॉलिंग के लिए मात्र 40 मिनट

नई दिल्ली (वार्ता)। वीडियो कांफ्रेंसिंग बाजार में रिलायंस जियो ने 'जियोमीट' के नाम से नया ऐप उतारा है जिसमें मेजबान समेत 100 लोग एक साथ असीमित समय तक फ्री वीडियो कांफ्रेंसिंग कर सकेंगे। जियोमीट में वीडियो कांफ्रेंसिंग की कोई समय सीमा तय नही की गई है जबकि जूम ऐप पर फ्री वीडियो कॉलिंग के लिए मात्र 40 मिनट की अवधि होती है। इससे अधिक समय के लिए वीडियो कॉलिंग या कांफ्रेंसिंग करने के लिए बैठक मेजबान को प्रति माह 15 डॉलर का भुगतान करना होता है। यह राशि सालाना 180 डॉलर यानी करीब 13500 रुपये होती है जबकि जियोमीट एप के उपयोग पर कोई खर्च नहीं होगा। जियोमीट पर ग्राहक निःशुल्क 24

घंटे तक बातचीत कर सकते हैं। छोटी अवधि की समयसीमा नहीं होने के कारण इसे ऐप इस्तेमाल करने वालों के बीच पासा पलट देने वाले एप के रुप देखा जा रहा है। सीमित समय सीमा के कारण जूम पर वीडियो कांफ्रेंसिंग करने वालो को हर 40 मिनट में दोबारा लॉगइन करना पड़ता है। इसे लेकर ग्राहक संतुष्ट नहीं थे। उदाहरण के लिए घर से कार्य करने पर कार्यालय की महत्वपूर्ण बैठक या तो 40 मिनट से पहले समाप्त करनी पड़ती थी या फिर दोबार लॉगइन करना होता था। अन्यथा सालाना करीब 180 डॉलर का शुल्क चुकाओ। शिक्षा क्षेत्र में भी जहां ससांधन सीमित है, वहां जूम ऐप से आनलाइन कक्षाओं में समय प्रतिबंध की वजह से बहुत दिक्कतें आती थीं। कंपनी का कहना है कि समय सीमा के अलावा भी जियोमीट में जूम के तुलना में सुविधाएं काफी अधिक हैं।

जियो मीट में वीडियो कांफ्रेंसिंग में प्रतिभागी डबल क्लिक करके किसी भी अन्य प्रतिभागी की वीडियो विंडो को बड़ा कर सकते हैं,जबकि जूम में यह सुविधा नही है। इसके अलावा जियोमीट में अगर मेजबान चाहे कि किसी एक संस्था के लोग ही वीडियो कांफ्रेंसिंग की मार्फत बैठक में शामिल हों तो वह संस्थान की मेल आईडी से लॉगइन कर सकता है। इससे संस्थान के अलावा अन्य कोई भी बैठक में नहीं आ पाएगा। जूम में यह सुविधा भी उपलब्ध नही है। जूम एप में अगर आप को अचानक बाहर जाना पड़ जाए और आप चाहते हैं कि आप बिना डिस्कनेक्ट हुए लैपटॉप से मोबाइल पर वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े रहे तो यह संभव नही है जबकि जियोमीट पर आपको यह सुविधा उपलब्ध है । जियोमीट में चाहें जिस भी डिवाइस से बिना डिस्कनेक्ट हुए विडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े रह सकते हैं। जियोमीट को किसी भी प्लेटफॉर्म से व किसी भी डिवाइस से एक्सेस किया जा सकता है।

अगर आप मोबाइल से कनेक्टेड है तो जूम ऐप में आप मात्र चार प्रतिभागियों को एक बार में देख सकते हैं शेष को देखने के लिए आपको स्क्रॉल करना पड़ता है जबकि जियोमीट में एक बार में आठ प्रतिभागियों को देखा जा सकता है।

नये प्रीमियम टीवी ओएटीएच प्रो की बिक्री कल से फ्लिपकार्ट पर

नई दिल्ली (वार्ता)। यूरोपीय उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स कंपनी थॉमसन के नये प्रीमियम स्मार्ट टेलीविजन ओएटीएच प्रो की कल से ऑनलाइन मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट पर बिक्री की जायेगी। कंपनी ने यहां कहा कि यह सीरीज डिजाइन इन पेरिस और मेड इन इंडिया है। 4 के प्रीमियम बेजल लेस सर्टिफाइड एंड्रायड स्मार्ट टेलीविजन को 43 इंच , 55 इंच और 65 इंच स्क्रीन में उतरा गया है जिसकी शुरूआती कीमत 24999 रुपये है और यह टेलीविजन ऑनलाइन मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट पर पांच जुलाई से उपलब्ध होगा। इसमें एमईएमसी जैसे फीचर दिये गये हैं। इसमें डॉल्बी डिजिटल प्लस, डॉल्बी विजन, एचडीआर 10, ब्लूटुथ 5.0 के अतिरिक्त नेटफ्लिक्स , प्राइम वीडियो, यूट्यूब और प्ले स्टोर के लिए शॉर्टकर्ट की सुविधा दी गयी है। कंपनी ने कहा कि इस सीरीज में आधिकारिक एंड्रायड 9.0 ऑपरेटिंट सिस्टम और मीडियाटेक क्वाड प्रोसेसर आधारित है। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी इस प्रीमियम ओएटीएच प्रो सीरीज के माध्यम से वन प्लस को बाजार में कड़ी टक्कर देने की तैयारी है। भारत में थॉमसन की लाइसेंसी सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड(एसपीपीएल) है। नयी सीरीज के टेलीविजन में पांच हजार से अधिक ऐप और पांच लाख से अधिक सिनेमा और शो देखे जा सकेंगे।

टीडीएस और टीसीएस प्रमाणपत्र जारी करने की बढ़ी तारीख

नई दिल्ली। इनकम टैक्स सेविंग/इन्वेस्टमेंट की डेड लाइन बढ़ाने के बाद अब इनकम टैक्स विभाग ने एक और राहत दी है। कोरोना संकट को देखते हुए अब वित्त वर्ष 2019-20 के लिए TDS / TCS स्टेटमेंट देने की डेट 31 जुलाई, 2020 तक बढ़ाया दिया गया है। वहीं वित्त वर्ष 19-20 के लिए TDS / TCS प्रमाणपत्र जारी करने का समय 15 अगस्त, 2020 तक बढ़ाया गया है। बता दें टीडीएस यानी टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स का अर्थ है किसी व्यक्ति की आय का स्रोत क्या है, उस पर से जो टैक्स कलेक्ट किया जाता है, उसे ही टीडीएस कहा जाता है। टीडीएस और टीसीएस टैक्स वसूल करने के दो तरीके हैं। टीडीएस का अर्थ हम ऊपर बता चुके हैं। टीएसएस का मतलब स्रोत पर कर संग्रह होता है।

टीसीएस वह टैक्स है, जो विक्रेता खरीदार से वसूलते हैं। कुछ खास तरह की वस्तुओं के विक्रेता ही इसे टीसीएस लेते हैं। इन वस्तुओं में मिनरल, टिंबर वुड, स्क्रैप,तेंदु पत्ते इत्यादि आते हैं।

बता दें आयकर विभाग ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2019-20 के लिए कर बचत निवेश / भुगतान की समय सीमा को बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया । विभाग ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। ट्वीट के मुताबिक विभाग ने कहा है कि हमने समय सीमा को और बढ़ा दिया है। अब, वित्त वर्ष 2019-20 के लिए कर बचत / भुगतान 31 जुलाई, 2020 तक किया जा सकता है। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 192 कहती है कि प्रत्येक नियोक्ता को कर्मचारी को वेतन का भुगतान करते समय अनिवार्य रूप से कर में कटौती करनी होती है। कर की दर लागू आयकर स्लैब के अनुरूप होनी चाहिए।

यूनियन बैंक ने बीमा वितरण चैनल का किया विस्तार

नई दिल्ली (वार्ता)। आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय के मद्देनजर उसने अपने कारोबार को बढ़ाने के उद्देश्य बीमा वितरण चैनल का विस्तार किया है।

बैंक ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि विलय के परिणामस्वरूप वह 9500 से अधिक शाखाओं वाला एक मजबूत नेटवर्क वाला बैंक बन गया है। बैंक विलय से पहले अपने नेटवर्क के माध्यम से एसयूडी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, बजाज अलायंज जनरल इंश्योरेंस, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और चोला एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के जीवन बीमा उत्पादों और एजेंसी टाई-अप समझौतों के तहत रेलिगेयर हेल्थकेयर कंपनी लिमिटेड के स्वास्थ्य बीमा उत्पादों का वितरण कर रहा था।

टिकटॉक पर भारत में रोक लगने से छह अरब डॉलर के नुकसान का अनुमानः रिपोर्ट

बीजिंग। वीडियो सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक पर मालिकाना हक रखने वाली चीन की बाइटडांस लिमिटेड को भारत में उसके तीन ऐप पर रोक लगाये जाने से छह अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। कंपनी की दो अन्य ऐप वीगो वीडियो और हेलो हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार ने सोमवार को चीन की कुल 59 ऐप पर रोक लगा दी थी।

इसमें टिकटॉक, वीगो वीडियो, हेलो, यूसी ब्राउजर, यूसी न्यूज, वीचैट और शेयरचैट जैसी चर्चित ऐप शामिल हैं। भारत सरकार ने देश की संप्रभुता और अखंडता और डेटा सुरक्षा को खतरा बताते हुये इन ऐप को बंद किया। लेकिन सरकार के इस निर्णय को 15 जून को लद्दाख की गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच हुए हिंसक संघर्ष से जोड़कर

देखा जा रहा है। इस संघर्ष में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। चीन के काईशिन ग्लोबल डॉट कॉम ने बाइटडांस के एक वरिष्ठ प्रबंधकीय अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि छह अरब डॉलर का यह नुकसान भारत द्वारा प्रतिबंधित अन्य चीनी ऐप के कुल नुकसान से अधिक होने की संभावना है। बाइटडांस चीन की उभरती प्रौद्योगिकी कंपनी है। डेटा सुरक्षा की वजह से भारत के अलावा इसे कई अन्य देशों में भी स्थानीय सरकारों के विरोध का सामना करना पड़ा है। रपट में भारत के 59 चीनी ऐप पर प्रतिबंध को अप्रत्याशित बताया गया है। इसके मुताबिक इससे टिकटॉक के वैश्विक विस्तार को एक बड़ा झटका लगेगा।

बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की अभी भी छंटनी जारी

मुंबई। नए ऑर्डरों में कमी और कमजोर कारोबारी धारणा के बीच देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में इस साल मई की तुलना में जून में गिरावट दर्ज की गई और कंपनियों ने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी जारी रखी। आईएचएस मार्किट द्वारा आज यहां सेवा क्षेत्र के लिए कारोबार गतिविधि सूचकांक की रिपोर्ट जारी की गई। माह-दर-माह आधार पर जारी होने वाला सूचकांक जून में 33.7 दर्ज किया गया, जिसका मतलब यह है कि मई की तुलना में मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियों में गिरावट आयी है। सूचकांक का 50 से कम रहना पिछले महीने के मुकाबले गिरावट को और 50 से ऊपर रहना वृद्धि को दशार्ता है, जबकि 50 का अंक स्थिरता का द्योतक है। मार्च की तुलना में अप्रैल में और अप्रैल की तुलना में मई में भारी गिरावट रही थी। उस लिहाज से मई के मुकाबले जून की गिरावट कम रही। अप्रैल में सूचकांक 5.4 और मई में 12.6 दर्ज किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मई में ऐतिहासिक छँटनी के बाद कंपनियों ने जून में भी छँटनी जारी रखी। कंपनियों का कहना है कि काम नहीं होने के कारण उन्होंने छँटनी की है। कुछ कंपनियों का यह भी कहना है कि काम करने के लिए कर्मचारी मिल ही नहीं रहे हैं। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री जो हेज ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि देश में कोरोना संकट गहराने के साथ सेवा क्षेत्र जून में भी मुश्किलों से गुजरता दिखा। देश की अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व गिरावट की ओर बढ़ती दिख रही है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400850

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती ललिता पति श्री आनंद नंदनवार निवासी जयंती नगर सिकोला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 45/22 रकबा 0.009 हें/ 1000 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202007100400015

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती यशोदा यादव पति श्री भुखऊ यादव निवासी उमरपोटी द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 727/4 रकबा 0.050 हें/ 5034.75 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 01.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202007100400070

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री संतराम देशमुख आ. श्री धनेशराम देशमुख निवासी पुलिस लाईन दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 465/18 रकबा 0.013 हें/ 1500 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 03.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202007100400068

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती हेमलता आडिल पति श्री उत्तम कुमार आडिल निवासी पदुमनगर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 462/9 रकबा 0.011 हें/ 1250 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 03.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400612

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती चंद्रकली शर्मा आ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा निवासी सेक्टर 8 भिलाई द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 733/12 रकबा 0.018 हें/ 2000 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 16.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400913

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक रत्ना पांडे पति राजीव पांडे निवासी पद्मनाभपुर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 55 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 141/86 रकबा 0.013 हें/ वर्गफीट भूमि के वाणिज्यकर प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 25.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400913

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक रत्ना पांडे पति राजीव पांडे निवासी पद्मनाभपुर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 55 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 141/85 रकबा 0.028 हें/ वर्गफीट भूमि के वाणिज्यकर प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 25.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202007100400048

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती दुर्गा पति श्री संतोष कुमार निवासी उमरपोटी द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 780/12 रकबा 0.020 हें/ 1800 वर्गफीट भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 02.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम फुलमत बाई | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202006100400192

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती फुलमत बाई जौ. तिलकराम निवासी 51/4 ए ब्लाक राधिका नगर सुपेला भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम कोहका प.ह.न. 19 तह.व जिला दुर्ग	4178	0.020 हें 2250 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम श्री ए.जे. पायस | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202006100400034

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री ए.जे. पायस आ. श्री ए.जी. जोसफ निवासी सेक्टर 05 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह.व जिला दुर्ग	833/9	0.040 हें 4200 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 02.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम श्रीमती राजिम बाई | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202006100400076

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती राजिम बाई पति स्व. मंगलदास निवासी कोहका भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम कोहका प.ह.न. 19 तह.व जिला दुर्ग	651/12	0.020 हें 1870 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 03.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग**

कार्यालय सम्पदा अधिकारी

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग

//आम सूचना//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नीलम रघुवंशी पति श्री सुनील कुमार रघुवंशी एवं श्रीमती संजुक्ता कसेर पति श्री ओमप्रकाश कसेर निवासी भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग द्वारा भवन क्रमांक एल.आई.जी. के/404 चतुर्थ तल खम्हरिया भिलाई जिला दुर्ग में आंबटित है। आबंटी श्रीमती नीलम रघुवंशी एवं श्रीमती संजुक्ता कसेर द्वारा भवन का विक्रय पत्रक उपपंजीयक कार्यालय दुर्ग से दिनांक 30.10.2014 एवं फ्री-होल्ड दिनांक 03.10.2017 को निष्पादन पश्चात उक्त भवन को बयनामा/ हक त्याग रजिस्ट्री दिनांक 19.12.2019 को श्रीमती संजुक्ता कसेर पति श्री ओमप्रकाश कसेर के एकल नाम पर विक्रय/ हक त्याग कर दिया गया है। नवीन क्रेता/ हक ग्रहिता श्रीमती संजुक्ता कसेर के द्वारा पंजीकृत दस्तावेज आधार पर उक्त भवन का स्वामित्व मंडल अभिलेख में अपने नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः नवीन क्रेता/ हक ग्रहिता श्रीमती संजुक्ता कसेर के नाम हस्तान्तरण/नामांतरण पर यदि किसी व्यक्ति, वारिसानों, शासकीय, अर्द्धशासकीय बैंक, वृतिय निकायों आदि को कोई आपत्ति उजर हो तो ,इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते है। म्याद/ अवधि समाप्त हो जाने के बाद प्राप्त आपत्ति/ दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एंव नामान्तरण की कार्यवाही करने में मण्डल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक 02.07.2020 को जारी किया गया हैं।

सहायक सम्पदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र- दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202007100400051

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री शरद सोनमानी आ. श्री राजेन्द्र सोनमानी निवासी बोरसी द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 25/147 रकबा 0.020 हें/ 2200 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 02.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202007100400008

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री अश्वनी कुमार नायक आ. श्री परमानंद नायक निवासी मुक्त नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम धनोरा प.ह.न. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 762/6 रकबा 0.010 हें/ 1295 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 01.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202007100400009

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अजरा खान पति ताहिर हुसैन खान निवासी आर्यनगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 202/334 रकबा 0.020 हें/ 2185 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 02.07.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100401039

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री युवराज बम्बोडे पिता रमेश कुमार निवासी आशीष नगर रिसाली द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 663/22 रकबा 0.020 हें/ 2400 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

समीक्षा बैठक में उठा जिला पंचायत में तालाबंदी का मुद्दा

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिला पंचायत के दफ्तर में अफसर द्वारा किए गए तालाबंदी का मुद्दा शुक्रवार को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में भी उठा। जिले के प्रभारी मंत्री ने ताम्रध्वज साहू ने सीधे जिला पंचायत के अफसर से तालाबंदी की वजह पुछी। उन्होने कहा कि बिना ठोस कारण के तालाबंदी उचित नही है। प्रभारी मंत्री ने अफसर से कहा कि अपना काम और समस्या लेकर आए ग्रामीणो को और जनप्रतिनिधियो को किसी प्रकार की समस्या नही होनी चाहिए। तालबांदी के बजाय सिंगल विन्डो बनाकर एक बाबु बैठाए जो लोगो की समस्या सुने और उनके आवेदन भी रखे। ग्रामीणो को भटकना ना पड़े इसका ध्यान रखे। ज्ञात हो कि जिला पंचायत के दफ्तर में तालाबंदी को लेकर लगातार हमारे अखबार द्वारा खबर प्रकाशित की जा रही हैं। जिससे चलते यह मुद्दा जिले के प्रशासनिक महकमे से निकलकर राज्य शासन तक पहुच गया है। शुक्रवार को इस पर जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने संज्ञान लेते हुए जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रशासनिक अधिकारियो से इसकी जानकारी ली।

ज्ञात हो कि शुक्रवार को जिला कार्यालय में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसमें प्रदेश के लोकनिर्माण, गृह जेल मंत्री धार्मिक न्यास मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री पहुचे थे। विभागवार चर्चा के दौरान प्रभारीमंत्री ताम्रध्वज साहू ने जिला पंचायत के दफ्तर में तालाबंदी के मुददे पर प्रशासन से सवाल किया। उन्होने दो टुक पुछा कि तालाबंदी की वजह क्या है।

इस अफसर ठोस जवाब नही दे पाए, अफसर द्वारा जिला मुख्यालय में कोरोना मरीज मिलने और दफ्तर पर भीड़ लगने की बात कही, जिस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह कोई ठोस वजह नही है। उन्होने कहा कि कोरोना को देखते हुए सतकर्ता बरतना जरूरी है परंतु ग्रामीणो को काम के लिए भटकना पड़े यह सही नही है। समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारो से चर्चा में भी उन्होने इस बात को दोहराया और कहा कि जिला पंचायत के अफसर जानकारी ली हैं। व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए है।

खबर का असर। प्रभारी मंत्री ने कहा बिना ठोस कारण दफ्तर में ताला लगाना उचिन नहीं, सिंगल विन्डो बनाकर कार्य करे

मंत्री के आने की खबर लगते ही खुला

प्रभारी मंत्री के आगमन को लेकर और तालाबंदी की शिकायत होने की भनक लगते ही शुक्रवार को जिला पंचायत के दफ्तर में तालाबंदी नही दिखी। प्रभारी से शिकायत के डर से दिनभर दफ्तर का ताला खुला रहा। इसे देखते हुए यह तो स्पष्ट हो गया है कि राज्य शासन का ऐसा कोई आदेश नही है। शासन के ग्रामीण एवं पंचायत विकास विभाग सचिव गौरव द्विवेदी ने भी ऐसा आदेश नही होने की पुष्टि की थी।

ये है मामला

गौरतलब है कि जिप कार्यालय में अनोखी अफसरशाही का नजारा देखने को मिला है। कोरोना के भय के चलते 26 जुन से जिला पंचायत के अफसर ने जिला पंचायत दफ्तर में ही ताला लगा दिया है। इसके चलते यह दफ्तर कर्मचारी तक ही सीमीत हो गया है। ग्रामीणो से जुड़ा इस विभाग में ग्रामीणो और ग्रामीण जनप्रतिनिधियो का ही प्रवेश वर्जित हो गया है। कोरोना के नाम से प्रशासन ने ग्रामीणो से दूरी बना ली है। उपर से ग्रामीणो को अफसर ने अनाधिकृत व्यक्ति बताते हुए दफ्तर के बाहर एक आदेश चस्पा कर दिया है। इसे लेकर जिला पंचायत जनप्रतिनिधि भी सहमत नही है।

राज्यपाल ने गुरू पुर्णिमा के अवसर पर दी शुभकामनाएं

रायपुर (नव प्रदेश)। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने गुरू पुर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा है कि गुरू का किसी भी व्यक्ति के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है। गुरू अंधकार से निकालकर उजियारे की ओर ले जाता है, उसे मार्गदर्शन देता है। सही और गलत में निर्णय करना सिखाता है। सही अर्थों में उसका दूसरा जन्मदाता होता है। प्राचीन काल से हमारे देश में गुरू को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। उन्हें साक्षात परब्रम्हा की उपमा दी गई है। इस अवसर पर हमें अपने गुरूजनों को याद करते हुए उनकी दी गई शिक्षा को जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए।